प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आउटसाइडर्स को मौका देंगी... 11

वर्ष - 01, अंक - 350 | गाजियाबाद / मंगलवार 24 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

नागरिकों व पावर प्लांटों पर हमले और होर्मुज का रास्ता रोकना नामंजूर : मोदी

अब 41 देशों से आ रहा तेल और गैस

- पहले 27 देशों से होता था आयात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और इसके तत्काल समाप्त होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। ये युद्ध वास्तव में एक लंबे और जटिल गतिरोध में बदल गया है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में पहली बार इस पर सार्वजनिक रूप से बोलते हुए कहा कि तनाव खत्म होना चाहिए और बातचीत से समस्या का समाधान निकालने का आग्रह किया। इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध में नागरिकों और पावर प्लांट पर हमला मंजूर नहीं हैं और होमुर्ज का रास्ता रोकना स्वीकार नहीं होगा।

पीएम मोदी ने तेल और गैस संकट पर देश को आश्वस्त करते हुए कहा कि देश में अब 27 की जगह 41 देशों से तेल और गैस आयात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अभी 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। ईरान से ही हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। तेल-गैस संकट पर उन्होंने कहा कि अब देश में 65 लाख मीट्रिक टन की रिजर्व की व्यवस्था पर काम जारी है।

सरकार अलग-अलग देशों के आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क में है। प्रयास है जहां से संभव हो वहां से सप्लाई होती रहे। तेल, गैस, फर्टिलाइजर से जुड़े जहाज भारत तक सुरक्षित पहुंचे, इसके लिए सहयोगियों से संवाद जारी है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे पास पर्याप्त अन्न भंडार है। आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त इंतजाम हैं।

अमेरिका-ईरान में शांति समझौते को लेकर बातचीत शुरू : डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में सबसे बड़े संकट की वजह बने युद्ध को रोकने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत शुरू हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया। ट्रंप के मुताबिक, पिछले 2 दिन में ईरान और अमेरिका के अधिकारियों ने शांति समझौते को लेकर बातचीत की है। ट्रंप ने कहा कि इसी वजह से अगले 5 दिन तक वाशिंगटन ईरान के किसी भी ऊर्जा ठिकानों पर हमला नहीं करेगा। हम उम्मीद करते हैं कि इस सप्ताह के अंत तक समझौता हो जाएगा।

अमेरिका ने ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए तो अंजाम भुगतना होगा : ईरान

- होर्मुज को बंद करने की बात नकारी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की मुख्य सैन्य कमान 'खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर' ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ईरान के पावर प्लांट्स पर हमला करता है, तो जिन देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं, वहां के पावर प्लांट्स भी निशाने पर लिए जाएंगे। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की पावर इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने की धमकी दी थी। बयान में कहा गया कि होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह बंद नहीं किया गया है और यह ईरान के 'स्मार्ट नियंत्रण' में है। यहां से सामान्य जहाजों की आवाजाही तय नियमों के तहत जारी है, ताकि देश की सुरक्षा और हित सुरक्षित रहें। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका अपनी धमकी पर अमल करता है, तो वह तुरंत कड़े कदम उठाएगा। इनमें सबसे बड़ा कदम होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह बंद करना होगा, जो तब तक बंद रहेगा जब तक ईरान की क्षतिग्रस्त फैसिलिटी का पुनर्निर्माण नहीं हो जाता। इसके अलावा ईरान ने कहा कि वह इजराइल की बिजली, ऊर्जा और संचार व्यवस्था पर बड़े स्तर पर हमले कर सकता है। साथ ही, उन क्षेत्रीय कंपनियों को भी निशाना बनाया जा सकता है जिनमें अमेरिकी पूंजी लगी है और उन देशों के पावर प्लांट्स पर भी हमले हो सकते हैं जहां अमेरिकी सैन्य अड्डे मौजूद हैं।

पीएम ने कहा कि कोस्ट सिक्योरिटी हो, बॉर्डर सिक्योरिटी हो, साइबर सिक्योरिटी और स्ट्रैटेजिक इंस्टॉलेशन हो, सबकी सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है। इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा। हमें एकजुट रहना होगा।

शेयर बाजार धड़ाम

सेंसेक्स 1,837 अंक गिरा

मुंबई (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को एक बार फिर पश्चिम एशिया का संकट हावी रहा और बीएसई का सेंसेक्स 1,836.57 अंक (2.46 प्रतिशत) लुढ़ककर 21 महीने के निचले स्तर 72,696.39 अंक पर आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 601.85 अंक यानी 2.60 प्रतिशत को गोता लगाकर 11 महीने से ज्यादा के निचले स्तर 22,512.65 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स का यह 04 जून 2024 के बाद का और निफ्टी-50 का 07 अप्रैल 2025 के बाद का निचला स्तर है। सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन का शेयर छह प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गया। ट्रेंट और अल्ट्राटेक सीमेंट में पांच से छह प्रतिशत के बीच गिरावट रही। बीईएल, इंडिगो, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक और अडानी पोर्ट्स के शेयर चार से पांच प्रतिशत तक गिर गए। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स और आईटीसी से शेयर तीन से चार प्रतिशत तक उतर गए।

रुपया पहली बार 94 प्रति डॉलर पर

मुंबई (एजेंसी)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया सोमवार को पहली बार 94 रुपये प्रति डॉलर से नीचे उतर गया। पिछले कुछ दिनों से लगातार नए निचले स्तर को छूने वाली भारतीय मुद्रा आज 31.25 पैसे लुढ़ककर 93.8475 रुपये प्रति डॉलर पर खुली। बीच कारोबार में यह 94.1125 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़क गई।

सोना-चांदी सस्ती

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग के बीच सोने चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 12,077 रुपए घटकर 1.35 लाख रुपए पर आ गया। इससे पहले इसकी कीमत 1.47 लाख थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 30,864 रुपए घटकर 2.01 लाख रुपए पर आ गई। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.32 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 24 दिन में 23,956 और चांदी 65,200 सस्ती हुई।

न्यूयॉर्क में एयरपोर्ट पर हुआ हादसा

फायर ट्रक से टकराया विमान, 100 से ज्यादा लोग घायल

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क के लागार्डिया एयरपोर्ट पर एयर कनाडा एक्सप्रेस का विमान फायर ट्रक से टकरा गया। हादसे में 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। शुरूआती जानकारी और फ्लाइट-ट्रैकिंग डाटा के मुताबिक, एयर कनाडा एक्सप्रेस का मॉन्ट्रियल से आने वाला एयरक्राफ्ट सीआरजे-900 एयरक्राफ्ट रनवे 4 पर लैंडिंग के दौरान एक फायर ट्रक से टकरा गया। संघीय विमानन प्रशासन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि विमान और आपातकालीन वाहन के बीच टक्कर के बाद एयरपोर्ट बंद कर दिया गया है और सभी उड़ानों पर ग्राउंड स्टॉप आदेश लागू कर दिया गया है। घटना का ऑडियो और वीडियो वायरल हो रहा है। इसके अनुसार, एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने टक्कर होने से कुछ देर पहले फ्लाइट क्रू और ग्राउंड गाड़ी दोनों को बार-बार रुकने का निर्देश दिया था। न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट के हवाले से आई जानकारी के अनुसार, हादसे में पांच फायरफाइटर गंभीर रूप से घायल हो गए।

असम के एयरफोर्स स्टेशन से पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

- 2023 से दे रहा था गुप्त जानकारी

डिब्रूगढ़ (एजेंसी)। वायुसेना और राजस्थान इंटेलिजेंस की टीम ने असम के वायुसेना अड्डे पर तैनात एक कर्मचारी को पाकिस्तान की जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान सुमित कुमार (36) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के लाहुरपार का निवासी है और एयरफोर्स स्टेशन में एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) के पद पर कार्यरत है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया विभाग) प्रफुल्ल कुमार के अनुसार सुमित कुमार अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां एकत्रित करता था और उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स तक पहुंचाता था। जांच में सामने आया है कि वह वर्ष 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था और पैसों के बदले गोपनीय सूचनाएं साझा कर रहा था।

इस मामले की शुरूआत जनवरी 2026 में राजस्थान के जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई थी। उससे पूछताछ के दौरान सुमित कुमार का नाम सामने आया। इसके बाद राजस्थान इंटेलिजेंस ने वायुसेना खुफिया विभाग, नई दिल्ली के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को छबुआ से हिरासत में लिया। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी ने न केवल छबुआ एयरफोर्स स्टेशन बल्कि बीकानेर जिले के नाल एयरफोर्स स्टेशन सहित अन्य सैन्य ठिकानों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा कीं। इनमें लड़ाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों व कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय सूचनाएं शामिल हैं।

कोल्ड स्टोरेज भरभरा कर गिरा, चार मरे

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के गंगानगर के फाफामऊ थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक कोल्ड स्टोरेज भरभरा कर गिर गया। कोल्ड स्टोरेज के ढहने से अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया। इस हादसे में 4 मजदूरों की मौत हो गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए मृतक परिवारों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार-50 हजार रुपये देने का ऐलान किया।

लालजीत भुल्लर गिरफ्तार, अमित शाह बोले, सीबीआई जांच के लिए तैयार

- गोबिंदगढ़ से किया गया लालजीत भुल्लर को गिरफ्तार, भुल्लर ने किया सरेंडर का दावा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व ट्रांसपोर्ट और जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को पुलिस ने गोबिंदगढ़ से गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच अमृतसर ले जाया गया है, जहाँ मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा। वहीं गगनदीप सिंह रंधावा का अंतिम संस्कार करने से उनके परिवार ने साफ इनकार कर दिया है। रंधावा की पत्नी ने पहले सभी आरोपियों की गिरफ्तारी और मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की है, जिसके बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा। यह मामला अब लोकसभा तक पहुंच गया है। लोकसभा में सांसदों ने इस मामले की जांच सीबीआई से करवाने की मांग उठाई है, जिस पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भरोसा दिलाया है कि यदि पंजाब के सांसद लिखित में मांग करते हैं तो वह इस मामले की जांच सीबीआई से करवाने के लिए तैयार हैं।

जानकारी के अनुसार, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के अमृतसर जिले के डीएम गगनदीप सिंह रंधावा ने तीन दिन पहले ट्रांसपोर्ट और जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर पर गंभीर आरोप लगाते हुए आत्महत्या कर ली थी और बाद में उनकी मौत हो गई। उनकी मौत के बाद राजनीतिक विरोधी दलों ने आम आदमी पार्टी को निशाने पर लिया और भुल्लर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी की मांग की तो वहीं गगनदीप सिंह रंधावा के परिवार ने इस मामले में आरोपियों को तुरंत सजा देने की मांग की है।

दूसरी ओर, लोकसभा में इस मामले की सीबीआई जांच की मांग पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यदि पंजाब के सांसद लिखित अनुरोध करते हैं, तो वह जांच के लिए तैयार हैं।

वहीं पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। वहीं दूसरी ओर गगनदीप सिंह रंधावा के परिवार ने पोस्टमार्टम करवाने से साफ इनकार कर दिया है। परिवार की ओर से पोस्टमार्टम पीजीआई या एम्स से करवाने की मांग की गई है। इस मांग को लेकर परिवार ने गगनदीप सिंह रंधावा के परिवार ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका भी दाखिल कर दी है, जिस पर कल सुनवाई होगी।

आयुष्मान भारत योजना से जुड़े 36229 अस्पताल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी महत्वपूर्ण योजना आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) में बड़ा विस्तार हुआ। आधिकारिक जानकारी के अनुसार 28 फरवरी 2026 तक यह संख्या बढ़कर 36,229 हो गई है, जो योजना की शुरूआत के मुकाबले पांच गुना से अधिक है। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने लोकसभा में लिखित उत्तर में दी। योजना के तहत अब तक कुल 11.69 करोड़ लोग अस्पताल में भर्ती किए जा चुके हैं। इनमें से 6.74 करोड़ इलाज निजी अस्पतालों में हुआ है।

यूपी में गेहूं का एमएसपी 2585 रुपए

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट बैठक में 37 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जबकि दो प्रस्ताव को फिलहाल स्थगित कर दिया गया। बैठक के बाद कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों को बड़ी राहत देते हुए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति कुंतल तय किया है। प्रदेश में गेहूं की खरीद 30 मार्च से 15 जून तक की जाएगी और इसके लिए 6500 क्रय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि किसानों को उतराई, सफाई आदि के लिए 20 रुपये प्रति कुंतल अतिरिक्त भुगतान भी दिया जाएगा। इस बार 30 लाख टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है, जबकि 50 लाख टन तक खरीद का अनुमान है।

कोलकाता मेट्रो के निर्माण में देरी पर प. बंगाल सरकार को लगी फटकार

- सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता मेट्रो के निर्माण में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ अधिकारियों के अड़ियल रवैये को दिखाता है, जिसके तहत वे कोलकाता शहर में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट में देरी करना और उसे रोकना चाहते हैं। सीजेआई ने कहा कि हर चीज का राजनीतिकरण न करें। यह विकास से जुड़ा मुद्दा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेश में कोई कमी नहीं थी। हमें पूरा भरोसा है कि यह प्रोजेक्ट तय समय सीमा के भीतर ही पूरा किया जाएगा।

जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने राज्य सरकार से कहा कि क्या आपके लिए विकास से ज्यादा त्योहार जरूरी हैं? ऐसा नहीं है कि आप अपनी मर्ज़ी से कर रहे हैं, आप अपने कर्तव्य से बंधे हैं। आपने हाई कोर्ट से कहा था कि आपको त्योहारों का इंतजाम करना है। परिवहन के लिए एक अहम सड़क बनाने से ज्यादा

जरूरी त्योहार हैं। हमें लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार से यह उम्मीद नहीं है कि सरकार यह कहे कि इस काम को फिलहाल नजरअंदाज कर दिया जाए। कोर्ट ने कहा अगर चुनाव आयोग को चुनाव कराने में कोई दिक्कत नहीं है तो यह प्रोजेक्ट तो आचार संहिता लागू होने से पहले का है। ऐसे में हम राज्य सरकार को यह बहाना बनाकर विकास के काम को फिर से रोकने की इजाजत नहीं देंगे।

सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कोलकाता मेट्रो में देरी को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट के ट्रैफिक ब्लॉक किए जाने के आदेश के खिलाफ सरकार की अपील पर सुनवाई से इनकार कर दिया।

टॉप आईईए अधिकारी फातिह बिरोल ने किया दावा

प. एशिया युद्ध में 40 से ज्यादा तेल और गैस ठिकाने तबाह

- दुनिया का हर देश होगा प्रभावित
- संकट और बढ़ा तो वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने खड़ा होगा बड़ा खतरा
- पेट्रोकेमिकल्स, उर्वरक, सल्फर और हीलियम जैसे जरूरी उत्पादों पर भी पड़ेगा असर

केनबरा (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण नौ देशों में स्थित 40 से ज्यादा तेल और गैस से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को 'गंभीर रूप से या बहुत गंभीर रूप से' नुकसान पहुंचा है और तेल व गैस आपूर्ति में व्यवधान संकट से कोई भी देश अछूता नहीं रहेगा। यह जानकारी अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी-आईईए) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर फातिह बिरोल ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा में दी।

आईईए के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बिरोल ने कहा कि इस संकट का असर इतना बड़ा है कि इसकी तुलना 1970 के दशक के तेल संकट और 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद आए गैस संकट को मिलाकर की जा सकती है।

ऑस्ट्रेलिया के नेशनल प्रेस क्लब में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि 1970 के दशक के तेल संकट में करीब 1 करोड़ बैरल प्रतिदिन की आपूर्ति प्रभावित हुई थी, जबकि मौजूदा स्थिति में पहले ही करीब 1.1 करोड़ बैरल प्रतिदिन का नुकसान हो चुका है। उन्होंने कहा कि सिर्फ तेल और गैस ही नहीं, बल्कि पेट्रोकेमिकल्स, उर्वरक, सल्फर और हीलियम जैसे जरूरी उत्पादों का व्यापार भी प्रभावित हुआ है। इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। इससे पहले, मार्च की शुरूआत में इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने अपने सदस्य देशों के आपातकालीन भंडार से रिकॉर्ड 40 करोड़ बैरल तेल जारी करने का ऐलान किया था, ताकि सप्लाई में कमी को दूर किया जा सके और बढ़ती कीमतों को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह संकट और बढ़ता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने बड़ा खतरा खड़ा हो सकता है।

कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) बिल लोकसभा में पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक पेश कर दिया। इस विधेयक का उद्देश्य सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) अधिनियम, 2008 और कंपनी अधिनियम, 2013 में संशोधन करना है।

कंपनी अधिनियम निगमन, कॉर्पोरेट प्रशासन, प्रकटीकरण और विघटन को नियंत्रित करता है, जबकि एलएलपी अधिनियम साझेदारों के लिए सीमित देयता के साथ अधिक लचीला ढांचा प्रदान करता है। वित्त मंत्री ने कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक की आगे की विस्तृत जांच के लिए, इसे संसद की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा से मंजूरी मिल गई।

इस दौरान वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 दो साल के गहन विचार-विमर्श के बाद अब यहां प्रस्तुत किया गया है। कंपनी विधि समिति (सीएलसी) की सिफारिशों और उसकी रिपोर्टों को पूरी तरह से स्वीकार कर लिया गया है। सीएलसी में उद्योग मंडलों और पेशेवर संस्थानों के प्रतिनिधि, कानूनी और लेखा विशेषज्ञ शामिल थे। साथ ही बताया कि रिपोर्ट को सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए वेबसाइट पर भी रखा गया था, और टिप्पणियां प्राप्त होने के बाद उनकी जांच की गई।

जहांगीरपुरी में सफाई व्यवस्था बदहाल, लोगों में नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहांगीरपुरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से वार्ड संख्या 18 के आई और जे ब्लॉक में गंदगी का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। जहांगीरपुरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एम एल भास्कर ने बताया कि इलाके में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं और नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण जलभराव तथा कीचड़ की समस्या बनी रहती है। इसके चलते लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है और उन्हें नारकीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गलियों में जमा गंदा पानी बदबू फैलाने के साथ-साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ा रहा है। वहीं, आवागमन में भी लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एम एल भास्कर ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद सफाई कर्मचारियों द्वारा नियमित सफाई नहीं की जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और क्षेत्रीय निगम पार्षद पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि क्षेत्र में तत्काल सफाई अभियान चलाकर नालियों की सफाई कराई जाए और कूड़े के ढेरों को हटाया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा।

सिग्नेचर ब्रिज हादसा : खड़े ट्रक से टकराई बाइक, नाबालिग की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर क्षेत्र में सिग्नेचर ब्रिज के पास सोमवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 17 वर्षीय नाबालिग की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक घायल हो गए। हादसा रात करीब 2:15 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार, तीन युवक एक ही बाइक पर सवार होकर कालकाजी मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सिग्नेचर ब्रिज के पास खड़े एक ट्रक में पीछे से बाइक टकरा गई, जिससे गंभीर दुर्घटना हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक घायलों को सिविल लाइंस स्थित सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर ले जाया जा चुका था। अस्पताल में डॉक्टरों ने 17 वर्षीय निखिल को मृत घोषित कर दिया, जबकि 16 वर्षीय इंद्रजीत को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। एक अन्य युवक को भी हल्की चोटें आई हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसे के समय बाइक नाबालिग निखिल चला रहा था और तीनों बिना सुरक्षा नियमों का पालन किए एक ही बाइक पर सवार थे। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

छावला में जिम पर फायरिंग, गैंगस्टर कनेक्शन की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के छावला क्षेत्र में एक जिम पर अज्ञात बदमाशों द्वारा गोलीबारी किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के समय जिम बंद होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ, हालांकि शटर और कांच का दरवाजा क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार, वारदात का पता तब चला जब सुबह कर्मचारी जिम खोलने पहुंचे। उन्होंने शटर पर गोलियों के निशान और अंदर टूटे कांच को देखा, जिसके बाद जिम मालिक और पुलिस को सूचना दी गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बदमाशों ने कम से कम तीन राउंड फायरिंग की। पुलिस को शक है कि इस घटना के पीछे संगठित आपराधिक गिरोह का हाथ हो सकता है। बताया जा रहा है कि जिम मालिक के एक करीबी को हाल ही में रंगदारी की धमकी मिली थी। सूत्रों के मुताबिक, फोन करने वाले ने खुद को हैरी बाक्सर बताया, जिसे कुख्यात गिरोह से जुड़ा माना जाता है। इसी आधार पर पुलिस गैंगस्टर कनेक्शन की दिशा में जांच कर रही है। छावला थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और आरोपितों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को शहीद दिवस के अवसर पर देश के महान क्रांतिकारियों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा ने सोमवार को दिल्ली भाजपा कार्यालय में आयोजित एक समारोह में पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ भारत के इन वीर सपूतों को श्रद्धासुमन अर्पित किया। सचदेवा ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वे अमर नायक हैं, जिन्होंने अपनी मातृभूमि के लिए हंसते-हंसते प्राण न्यौछावर कर दिए। इन तीनों क्रांतिकारियों ने 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारों से ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी और 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में उन्हें फांसी दी गई, जिसे आज 'शहीद दिवस' के रूप में मनाते हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उनका बलिदान केवल एक राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि देश के युवाओं के लिए देशभक्ति की एक मशाल थी। आज भी उनका साहस और वैचारिक स्पष्टता करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करती है। इन महान सपूतों का बलिदान इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। इसके अलावा दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक सतीश उपाध्याय ने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मालवीय नगर स्थित भगत सिंह पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की।

एमसीडी ने दया बस्ती रेलवे स्टेशन से हटाया 250 मीट्रिक टन लेगेसी कचरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने संकरे रास्तों वाले दया बस्ती रेलवे स्टेशन स्थल पर बड़े पैमाने पर लेगेसी कचरा हटाने का कार्य संपन्न किया। नगर निगम ने गंभीर लॉजिस्टिक चुनौतियों से निपटने के लिए बीआरएन रेलवे वैगनों का रणनीतिक रूप से उपयोग कर कचरे को उठाने और उसके परिवहन की व्यवस्था की। इस पहल ने एमसीडी को घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र में कचरा हटाने के कार्य को प्रभावी ढंग से संचालित करने में सक्षम बनाया। निगम ने निर्धारित रेलवे लाइन ब्लॉकेज के दौरान वरिष्ठ जोनल अधिकारियों की उपस्थिति में कूड़े का लोडिंग कार्य किया। कुल 10 बीआरएन वैगनों को सफलतापूर्वक लोड किया गया जिससे दया बस्ती स्थल से लगभग 250 मीट्रिक टन लेगेसी कचरा हटाया गया। करोल बाग जोन के उपायुक्त दिलखुश मीणा ने कहा कि यह पहल दिल्ली में अपनी तरह का पहला मॉडल है, जो लेगेसी कचरे के निस्तारण के लिए रेलवे लॉजिस्टिक्स के प्रभावी उपयोग को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास घनी आबादी वाले क्षेत्रों में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरंतर जारी रहेंगे।

दिल्ली में जल संकट : दो दिन प्रभावित रहेगी आपूर्ति, जल बोर्ड की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में 23 और 24 मार्च को पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड ने वार्षिक रखरखाव कार्य के चलते यह अस्थायी व्यवधान बताया है और लोगों से पहले से पानी संग्रह करने की अपील की है।

जल बोर्ड के अनुसार, अंडरग्राउंड जलाशयों और बूस्टर पंपिंग स्टेशनों की सफाई के कारण आपूर्ति प्रभावित होगी। 23 मार्च को शालीमार बाग के बीआई और बीडब्ल्यू ब्लॉक, आजादपुर मंडी, सेक्टर 18 व 19 और बदली गांव में पानी नहीं आएगा। वहीं 24 मार्च को शालीमार बाग के यू एवं वी ब्लॉक, पीतमपुरा के एसडी ब्लॉक, आजादपुर मंडी, सेक्टर 18 व 19 और बदली गांव में जलापूर्ति बाधित रहेगी।

जल बोर्ड ने कहा है कि यह कार्य नियमित रखरखाव का हिस्सा है, जिससे भविष्य में बेहतर जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। असुविधा के लिए खेद जताते हुए विभाग ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है। आपात स्थिति में जल टैंकर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए केंद्रीय नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबर 1916 सहित विभिन्न जल आपात केंद्रों पर संपर्क किया जा सकता है।

'खीर सेरेमनी' के साथ बजट सत्र की शुरुआत, मुख्यमंत्री ने 'विकसित और हरित दिल्ली' के संकल्प को दोहराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को 'खीर सेरेमनी' के साथ शुरू हुआ। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली' के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह बजट राजधानी के लगभग 3 करोड़ दिल्लीवासियों के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि 'खीर सेरेमनी' न केवल बजट प्रक्रिया की पारंपरिक शुरुआत है, बल्कि यह समृद्धि, शुभता और जनकल्याण के संकल्प का प्रतीक भी है, जो आगामी बजट में दिखाई देगा।

'खीर सेरेमनी' में मुख्यमंत्री के साथ किसान, स्कूल के विद्यार्थी, शिक्षक, डॉक्टरों, किन्नर समाज के लोग, महिला ड्राइवर, मीडियाकर्मियों ने भाग लिया। किसानों ने मुख्यमंत्री को पारंपरिक रूप से पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा सहित विधायक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का यह दूसरा बजट दिल्ली के विकास की गति को और तेज करने वाला होगा। यह बजट न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगा, बल्कि दिल्लीवासियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का माध्यम भी बनेगा। यह बजट एक ऐसे दिल्ली के निर्माण की दिशा में अग्रसर है, जहां नागरिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, उत्कृष्ट शिक्षा, सुदृढ़ आधारभूत संरचना और स्वच्छ एवं हरित वातावरण में जीवन यापन कर सकें। इस बजट में छात्रों के लिए बेहतर सुविधाएं, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण और हरित परिवेश को प्राथमिकता दी जा रही है। रेखा गुप्ता ने कहा कि 'विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली' केवल एक नारा नहीं, बल्कि सरकार का स्पष्ट विजन है, जिसके माध्यम से एक सकारात्मक, सुरक्षित और समृद्ध वातावरण तैयार किया जाएगा, जहां आमजन सुख और संतोष के साथ जीवन व्यतीत कर सकें। मुख्यमंत्री ने दिल्ली की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के आशीर्वाद और विश्वास से ही सरकार निरंतर कार्य कर रही है। सरकार 24×7 जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और हर दिन दिल्ली को और बेहतर बनाने के लिए कार्य करती रहेगी।

दिल्ली विधानसभा के बाहर 'आप' विधायकों का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने सोमवार को विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन पार्टी के विधायकों के निलंबन के विरोध में किया गया।

'आप' विधायकों ने विधानसभा परिसर के बाहर एक प्रतीकात्मक मार्च निकाला और अपनी बात रखने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग की थी। इस पर आतिशी ने कहा कि जनता द्वारा चुने हुए विधायकों को विधानसभा तक जाने से रोका जा रहा है, सड़क पर बैरिकेड लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है।

उन्होंने दावा किया कि विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने 'आप' के विधायकों के निलंबन को लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर हमला बताया।

आतिशी ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर है, लेकिन विपक्ष की आवाज को कुचलने के लिए चुने हुए विधायकों को सस्पेंड कर दिया गया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार बिजली, पानी अस्पतालों की बदहाली और हालिया अग्निकांड पर बात करने से भाग रही है।

उल्लेखनीय है कि जनवरी में शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में 'आप' के चार विधायकों को निलंबित कर दिया गया था। उनका निलंबन अभी भी जारी है क्योंकि सदन के पिछले सत्र का अभी सत्रावकाश नहीं किया गया है।

भारत श्रीलंका संसदीय संबंधों को नई मजबूती : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारतीय संसद में श्रीलंका की संसद की ओवरसाइट कमेटी ऑन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड स्ट्रेटेजिक इश्यूज के अध्यक्ष एस. एम. मारिक्कर के नेतृत्व में आए संसदीय प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों को और सशक्त बनाने पर सार्थक चर्चा हुई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत और श्रीलंका के संबंध केवल भौगोलिक निकटता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक रिश्ते हैं, जो उन्हें विशेष रूप से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि यह संबंध समय के साथ और अधिक प्रगाढ़ हुए हैं।

ओम बिरला ने भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत श्रीलंका की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत हर संकट के समय एक विश्वसनीय प्रथम प्रत्युत्तरदाता (फर्स्ट रिस्पॉन्डर) के रूप में खड़ा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने संसद के बजट सत्र की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस दौरान देश के विकास से जुड़ी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा होती है। साथ ही सरकार के व्यय और नीतियों की गहन समीक्षा कर भविष्य की दिशा निर्धारित की जाती है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है। लोकसभा अध्यक्ष ने संसदीय समितियों की कार्यप्रणाली को रेखांकित करते हुए कहा कि ये समितियाँ मिनी संसद की तरह कार्य करती हैं, जहाँ विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श कर ठोस और प्रभावी निर्णयों की रूपरेखा तैयार की जाती है।

उन्होंने भारत श्रीलंका संसदीय मैत्री समूह को द्विपक्षीय संबंधों में नई ऊर्जा प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया और आपसी सहयोग को और बढ़ाने पर बल दिया। ओम बिरला ने विश्वास जताया कि इस तरह के संवाद दोनों देशों के संसदीय संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे और साझा प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने विशेष रूप से इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में सहयोग को और विस्तारित करने पर भी जोर दिया, जिससे दोनों देशों के विकास में नई गति आएगी।

बजट सत्र बहिष्कार पर प्रवेश वर्मा का हमला, विपक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन विपक्ष द्वारा बहिष्कार किए जाने पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने विपक्ष के इस कदम को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए आरोप लगाया कि वह पीएसी और सीएजी की रिपोर्टों से बचने के लिए सदन से दूर भाग रहा है। प्रेसवार्ता में प्रवेश वर्मा ने कहा कि बजट सत्र के दौरान सरकार पिछले एक वर्ष के कार्यों का लेखा-जोखा और आगामी योजनाओं की दिशा प्रस्तुत करती है, लेकिन विपक्ष इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा से बच रहा है। उनका कहना था कि रिपोर्टों में सामने आने वाली बातों से घबराकर विपक्ष ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अपनी कथित गलतियों और अनियमितताओं का सामना करने से बच रहा है। प्रवेश वर्मा के अनुसार, विपक्ष ने सदन में अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय बाहर प्रदर्शन कर जनता के प्रति अपनी जवाबदेही से दूरी बनाई है। मंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली में अभी कई विकास कार्य किए जाने बाकी हैं और सरकार हर विधानसभा क्षेत्र में योजनाओं के लिए धन आवंटित कर रही है। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वह सदन की कार्यवाही में भाग लेकर मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीके से उठाए। प्रवेश वर्मा ने पूर्व सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब विपक्ष सत्ता में था, तब भाजपा के सदस्यों को अक्सर सदन से बाहर कर दिया जाता था। उन्होंने कहा कि अब वही लोग नैतिकता की बात कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। अंत में उन्होंने कहा कि जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि वे सदन में उपस्थित रहकर जनहित के मुद्दों पर चर्चा करें और जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

कांग्रेस का तंज- पिछले बजट की आधी राशि भी खर्च नहीं कर सकी रेखा सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने बजट सत्र से पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की कछुआ की चाल की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए पिछले बजट में की गई घोषणाओं की वास्तविक स्थिति को सामने रखते हुए कहा कि दिल्ली के विकास के लिए योजनाओं, परियोजनाओं और कार्यक्रमों के लिए निर्धारित 57,850 करोड़ रुपये के बजट में से आधे के बराबर लगभग 43 प्रतिशत राशि खर्च ही नहीं की जा सकी। उन्होंने कहा कि इससे रेखा गुप्ता सरकार की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक क्षमता पर गंभीर सवाल खड़ा होता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार होने के बावजूद, पिछले बजट भाषण में घोषित योजनाओं के लिए दिल्ली को केंद्र सरकार से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलना चिंताजनक रहा है। देवेंद्र यादव ने कहा की इस बार के बजट में भी बीजेपी की दिल्ली सरकार के द्वारा लोक लुहावने वायदे किए जाएँगे ताकि जनता इनकी पिछले एक वर्ष की नाकामियों को भूल जाएं। उन्होंने बताया कि अप्रैल, 2025 से फरवरी 2026 तक के सेक्टर-वार व्यय के अनुसार योजनाओं एवं परियोजनाओं पर केवल 33,234 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए, जो संशोधित बजट का मात्र 57.45 प्रतिशत है। इससे साफ हो गया है कि सरकार अपने ही घोषित बजट को धरातल पर लागू करने में चौतरफा विफल रही।

केजरीवाल ने शहीद दिवस पर भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शहीद दिवस पर देश के महान क्रांतिकारियों- भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। केजरीवाल ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इन वीर सपूतों का बलिदान, देशभक्ति और साहस सदैव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। इन महान क्रांतिकारियों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश उनके सपनों का भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1931 में ब्रिटिश हुकूमत ने भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु को फांसी दी थी। इन तीनों क्रांतिकारियों ने भारत की आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

दिल्ली आर्थिक सर्वे 2026 पेश, विकास दर 9.42प्र. का अनुमान; प्रति व्यक्ति आय 5.31 लाख पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को विधानसभा में वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। सर्वेक्षण में राजधानी की अर्थव्यवस्था को मजबूत बताते हुए 9.42 प्रतिशत विकास दर का अनुमान जताया गया है। साथ ही प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 5,31,610 रुपये होने की संभावना व्यक्त की गई है, जो राष्ट्रीय औसत से करीब ढाई गुना अधिक है।

आर्थिक मजबूती और राजस्व अधिशेष

आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2025-26 में दिल्ली का सकल राज्य घरेलू उत्पाद लगभग 13,27,055 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 9.42 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसके साथ ही 9,661.31 करोड़ रुपये के राजस्व अधिशेष का अनुमान लगाया गया है, जो जीएसडीपी का 0.73 प्रतिशत है। कर संग्रह में भी 15.54 प्रतिशत की वृद्धि संभावित है।

सेवा क्षेत्र का वर्चस्व कायम

दिल्ली की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक 86.32 प्रतिशत बनी हुई है। सरकार का लक्ष्य राजधानी को विश्वस्तरीय, समावेशी और रहने योग्य शहर के रूप में विकसित करना है। यह सर्वेक्षण का 17वां संस्करण है, जो आर्थिक दिशा और प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है।

बजट में बढ़ा आवंटन, योजनाओं पर जोर

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है, जिसमें से 59,300 करोड़ रुपये विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 20,300 करोड़ रुपये अधिक है। बजट में परिवहन को 20 प्रतिशत, सामाजिक सुरक्षा को 17 प्रतिशत, जल और स्वच्छता को 15 प्रतिशत, शिक्षा को 13 प्रतिशत और स्वास्थ्य को 12 प्रतिशत हिस्सा दिया गया है।

परिवहन और ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार

राजधानी में सार्वजनिक परिवहन के साधनों को मजबूत किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक बसों की संख्या 2150 से बढ़कर 4338 हो गई है। वहीं दिल्ली मेट्रो की औसत दैनिक सवारी लगभग 67 लाख तक पहुंच गई है। बिजली की अधिकतम मांग भी बढ़कर 8442 मेगावाट हो गई है, जबकि नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 509 मेगावाट दर्ज की गई है।

पर्यावरण और जल प्रबंधन में सुधार

दिल्ली में 'अच्छे वायु गुणवत्ता वाले दिनों' की संख्या 2018 के 159 दिनों से बढ़कर 2025 में 200 दिन हो गई है। जल आपूर्ति और स्वच्छता के क्षेत्र में 93.5 प्रतिशत घरों तक पाइपलाइन से पानी पहुंचाया जा रहा है। लगभग 1000 एमजीडी जल आपूर्ति, 15,700 किलोमीटर पाइपलाइन और 11,040 किलोमीटर सीवर नेटवर्क के जरिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है।

शिक्षा और स्वास्थ्य में प्रगति

राजधानी में 1270 सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालय संचालित हैं, जहां 10वीं में 97.7 प्रतिशत और 12वीं में 98.3 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत 40 बहु-विशेषज्ञ अस्पताल, 370 आरोग्य केंद्र और 98 डिस्पेंसरी कार्यरत हैं। अस्पतालों में बेड की संख्या भी बढ़कर 15,659 हो गई है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से राहत

सरकार की सामाजिक योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिल रहा है। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को

मासिक आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। वर्ष 2025-26 में 4.40 लाख वरिष्ठ नागरिक, 4.09 लाख महिलाएं और 1.40 लाख दिव्यांगजन इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं।

जन वितरण और आवास सुविधाएं

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत 1953 उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से 72.21 लाख लाभार्थियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। अन्न योजना के तहत पात्र परिवारों को मुफ्त राशन और चीनी वितरित की जा रही है। इसके अलावा 73 अटल कैंटीन संचालित हैं और 20 किलोलीटर तक मुफ्त पानी योजना से लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

विकास की स्पष्ट दिशा

आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि राजधानी में बुनियादी ढांचे, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास को संतुलित रूप से आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। आने वाले वर्षों में दिल्ली को अधिक सक्षम और समावेशी महानगर बनाने की दिशा में यह सर्वेक्षण महत्वपूर्ण दस्तावेज साबित होगा।

हिंडन नदी पर 21.40 करोड़ की लागत से बनेगा पुल, मोदीनगर बागपत आवागमन होगा सुगम

मोदीनगर (शिखर समाचार)। मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र के मतौर डोलचा सीमा क्षेत्र में हिंडन नदी पर बहुप्रतीक्षित पुल निर्माण को आखिरकार मंजूरी मिल गई है। प्रदेश सरकार ने 21.40 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस पुल के निर्माण से मोदीनगर और बागपत के बीच आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सरल, तेज और सुगम हो जाएगा, जिससे क्षेत्र के विकास को भी नई गति मिलने की संभावना है। बागपत मोदीनगर क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पुल की मांग लंबे समय से क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा लगातार उठाई जा रही थी। ग्रामीणों को हिंडन नदी पार करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था और उन्हें लंबा चक्कर लगाकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने इसे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष प्रमुखता से उठाया, जिसके परिणामस्वरूप अब शासन स्तर पर इस परियोजना को मंजूरी मिल गई है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा इस परियोजना के लिए पहली किस्त के रूप में 749 लाख रुपये की धनराशि भी स्वीकृत कर दी गई है, जिससे शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। सांसद ने इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति मिलने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि

बताया। सांसद ने कहा कि पुल के निर्माण से क्षेत्र के दर्जनों गांवों के हजारों लोगों को दशकों पुरानी आवागमन की समस्या से राहत मिलेगी। यह पुल केवल दो जनपदों को जोड़ने का कार्य नहीं करेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं, किसानों और व्यापारियों के लिए नए अवसरों का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। कृषि उत्पादों के परिवहन में आसानी होगी, जिससे किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध हो सकेंगे और व्यापारिक गतिविधियों में भी वृद्धि होगी।

अब तक मोदीनगर और मुरादनगर क्षेत्र के लोगों को बागपत जाने के लिए काफी लंबा रास्ता तय करना पड़ता था, जिससे समय और ईंधन दोनों की बबार्दी होती थी। कई बार आपात स्थिति में यह दूरी लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन जाती थी। पुल के निर्माण के बाद यह दूरी काफी कम हो जाएगी और लोगों का समय बचेगा, जिससे दैनिक जीवन अधिक सहज हो सकेगा।

स्थानीय लोगों में इस परियोजना को लेकर उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से चली आ रही उनकी मांग अब पूरी होने जा रही है, जिससे क्षेत्र में आवागमन की स्थिति में बड़ा सुधार होगा और विकास के नए रास्ते खुलेंगे। यह पुल क्षेत्र की आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गाजियाबाद में ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर की अध्यक्षता में हुई बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे महानगर गाजियाबाद को जाममुक्त बनाते हुए ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु करने के लिए राजकरन नैय्यर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं यातायात की अध्यक्षता में यातायात पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक के दौरान सभी को निर्देशित किया गया कि यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं सुदृढ़ बनाये जाने हेतु यातायात पुलिस के अधिकारी कार्य करें। दुर्घटना वाले हॉटस्पॉट क्षेत्र को चिन्हित करते हुए वहां पर कार्य किया जाए, जिससे दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। सड़क हादसों में कमी लाने के लिए लोगों को जागरूक करें कि वह दो पहिया वाहन पर हेलमेट और चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग करें। यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए जो भी लोग पाए जाए, उनके खिलाफ चालान की कार्यवाही करें। लोगों को जागरूक करने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार किया जाए। स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक जगहों पर कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी जाए। ट्रैफिक पुलिस कर्मी सतर्क रहते हुए अपना कार्य करें, जिससे वह किसी सड़क हादसे का शिकार ना हो। शहर में लगातार यातायात अधिकारी निरीक्षण करें और सड़क पर व्हाइट व येलो लाइन के बाहर खड़े वाहनों पर कार्रवाई करें। दुकानदारों को जागरूक करें कि वह अपनी दुकान के बाहर वाहनों को ढंग से पार्क करें, जिससे रोड पर जाम नहीं लगे।

संतोष स्मारक महाविद्यालय में छात्राओं को सिलाई मशीन व साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। संतोष स्मारक महाविद्यालय दोदराजपुर में मां सरस्वती शिक्षा प्रसार समिति, दोदराजपुर द्वारा टूना कॉरपोरेशन के सहयोग से छात्र छात्राओं के लिए उपयोगी सामग्री का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय में अध्ययनरत 55 छात्राओं को सिलाई मशीनें तथा 20 छात्र छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं, साथ ही छात्रवृत्ति प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए। समिति के अध्यक्ष डॉ संदीप शर्मा ने बताया कि मां सरस्वती शिक्षा प्रसार समिति एक गैर सरकारी संगठन के रूप में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य के तहत छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी शिक्षा को सुगम बनाने के लिए सिलाई मशीन, साइकिल और छात्रवृत्ति का वितरण किया गया। टूना कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक चार्ल्स चैन ने कहा कि उनकी संस्था भविष्य में भी समिति के साथ मिलकर छात्राओं के हित में कार्य करती रहेगी। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में संचालित निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र से जुड़ी छात्राओं को सिलाई मशीनें प्रदान की गईं, जबकि दूरदराज के गांवों से आने वाले विद्यार्थियों को साइकिलें दी गईं, ताकि उन्हें आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे नियमित रूप से अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। कार्यक्रम में समिति की सचिव डॉ ललिता शर्मा, टूना कॉरपोरेशन से सान सुई बीचांग, अजयपाल, रोहित भाटिया, चेतन महलावत, महाविद्यालय के प्राचार्य रविंद्र कुमार, रोहिताश सिंह, मोहित शर्मा, कपिल शर्मा, रानी, मोनी सिंह, महेश सिंह, सुभाष सिंह, फुरकान अहमद, परितोष कौशिक सहित सैकड़ों छात्र छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

बकायेदारों को बड़ी राहत : यूपी में एकमुश्त समाधान योजना-2026 लागू, विकास प्राधिकरणों को युद्धस्तर पर प्रचार के निर्देश

आरव शर्मा
लखनऊ/गाजियाबाद(शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के लाखों आवंटियों और बकायेदारों को बड़ी राहत देते हुए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस), 2026 के प्रभावी संचालन के लिए कमर कस ली है। आवास बंधु उत्तर प्रदेश द्वारा इस संबंध में प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरणों को कड़े दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य लंबे समय से लंबित बकाये का निस्तारण करना और मध्यम वर्गीय आवंटियों को भारी जुमार्ने व ब्याज से मुक्ति दिलाना है।

एक माह तक चलेगा विशेष जागरूकता अभियान
शासन द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार, शासनादेश लागू होने के एक माह के भीतर सभी प्राधिकरणों को योजना का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करने को कहा गया है। अब प्राधिकरण केवल नोटिस भेजने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि ईमेल, एसएमएस, व्यक्तिगत पत्राचार और विशेष शिविरों के माध्यम से सीधे आवंटियों से संपर्क करेंगे। शहर के प्रमुख चौराहों पर होर्डिंग्स और बैनर लगाकर लोगों को योजना की अंतिम तिथि और मिलने वाले लाभों के बारे में जागरूक किया जाएगा।

साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट से होगी मॉनिटरिंग
योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए, इसके लिए जवाबदेही भी तय कर दी गई है। सभी जिलाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को निर्धारित प्रारूप पर प्रगति रिपोर्ट भेजनी होगी। 28 मार्च, 2026: प्रारंभिक कार्यवाही की सूचना देने की अंतिम तिथि। साप्ताहिक समीक्षाः 04 अप्रैल, 11 अप्रैल और 18 अप्रैल को प्रगति रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने कसी कमर
प्रदेश स्तर पर जारी निदेर्शों के बाद गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने भी स्थानीय स्तर पर अधिकारियों को सक्रिय कर दिया है। उपाध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्राधिकरण की सभी योजनाओं के प्रभारी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र का कोई भी पात्र आवर्ती इस योजना से वंचित न रह जाए। लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने और अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए अधिकारियों को जमीनी स्तर पर समन्वय बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

मूल्यांकन के लिए बनेगा डेटाबेस
योजना के तहत केवल शिविर लगाना ही काफी नहीं होगा, बल्कि आयोजित की गई गतिविधियों, लगाए गए होर्डिंग्स और लाभान्वित हुए लोगों का विस्तृत विवरण भी संकलित किया जाएगा। इससे शासन स्तर पर यह मूल्यांकन किया जा सकेगा कि किस जिले या प्राधिकरण ने योजना को लागू करने में कितनी सफलता प्राप्त की है।

संपूर्ण समाधान दिवस के बाद डीएम ने किया तहसील नजीबाबाद का निरीक्षण, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने संपूर्ण समाधान दिवस की समाप्ति के पश्चात तहसील नजीबाबाद कार्यालय का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यायालय में लंबित प्रकरणों, वादों के निस्तारण की प्रगति तथा अभिलेखों के रख रखाव का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एसडीएम न्यायालय में विचाराधीन विभिन्न राजस्व वादों की फाइलों का परीक्षण किया और निर्देश दिए कि पांच वर्षों से अधिक समय से लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे वादियों को त्वरित न्याय मिल सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनता को निष्पक्ष और समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने तहसील स्तर पर लंबित राजस्व वसूली एवं आरसी के मिलान की स्थिति की भी समीक्षा की। इस दौरान संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वसूली प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और बकाया मामलों को प्राथमिकता से निपटाया जाए। साथ ही अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख रखाव, स्वच्छता व्यवस्था तथा न्यायालय परिसर में आवश्यक सुविधाओं को सुदृढ़ बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कौशलेंद्र सिंह, परियोजना निदेशक दिनकर भारती, तहसीलदार सहित अन्य तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 21 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से केवल एक का ही मौके पर निस्तारण किया जा सका।

गाजियाबाद में इंटीग्रेटेड टाउनशिप को मिलेगी रफ्तार, जीडीए उपाध्यक्ष ने संशोधित डीपीआर की समीक्षा कर दिए कड़े निर्देश

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर के नियोजित विकास और आधुनिक आवासीय सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अपनी कवायद तेज कर दी है। सोमवार को प्राधिकरण कार्यालय में राज्य सरकार की इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति (2005/2014 एवं अद्यतन प्राविधानों) के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकासकताओं (डेवलपर्स) द्वारा प्रस्तुत की गई संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का गहनता से प्रस्तुतीकरण किया गया।

नीति के अनुरूप होगा विकास
बैठक की अध्यक्षता कर रहे उपाध्यक्ष ने विकासकताओं द्वारा पेश किए गए ब्लूप्रिंट का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान डेवलपर्स ने अपनी परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, प्रस्तावित संशोधनों और शासन की नीति के तहत किए जाने वाले विकास कार्यों का पूरा विवरण साझा किया। उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समस्त प्रक्रिया शासन द्वारा निर्धारित दिशा निदेर्शों के दायरे में ही होनी चाहिए।

गुणवत्ता और पारदर्शिता पर जोर
परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उपाध्यक्ष ने कड़ा रुख अपनाते हुए निर्देश दिए है कि:
समयबद्धताः सभी परियोजनाएं तय समय सीमा के भीतर पूरी की जाएं।
गुणवत्ताः निर्माण कार्य और बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता मानक के अनुरूप हो।
पारदर्शिताः आवंटियों और आम जनता के प्रति प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रखी जाए।

आमजन को मिलेगी बेहतर सुविधाएं
संशोधित डीपीआर को मंजूरी मिलने के बाद संबंधित क्षेत्रों के विकास में तेजी आने की उम्मीद है। प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इन टाउनशिप में रहने वाले नागरिकों को विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उपाध्यक्ष ने कहा कि प्राधिकरण का प्रयास है कि सभी विकास कार्य नियमानुसार और प्राथमिकता के आधार पर हों, ताकि जनहित को अधिकतम लाभ मिल सके।

बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि संशोधित रिपोर्ट के आधार पर फाइलों को शीघ्र गति प्रदान की जाएगी, जिससे धरातल पर काम जल्द शुरू हो सके और गाजियाबाद के शहरी ढांचे को एक नई मजबूती मिले।

त्रिवेणी शुगर यूनिट खतौली ने किसानों को 31.81 करोड़ का भुगतान किया

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड की शुगर यूनिट खतौली द्वारा चालू पेराई सत्र में किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में यूनिट ने 7 मार्च 2026 से 13 मार्च 2026 के बीच खरीदे गए गन्ने के एवज में 31.81 करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से भेज दिए हैं। मिल प्रबंधन के अनुसार वर्तमान पेराई सत्र में अब तक कुल 690.77 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है, जिससे क्षेत्र के हजारों गन्ना उत्पादक किसानों को राहत मिली है। इस अवसर पर यूनिट हेड डॉ. अशोक कुमार ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे मिल को स्वच्छ, ताजा और उच्च गुणवत्ता का गन्ना ही आपूर्ति करें। उन्होंने यह भी कहा कि गन्ने की कटाई पर्ची प्राप्त होने के बाद ही करें और पूरा गन्ना मिल को ही दें, ताकि उनका बेसिक कोटा बढ़ सके। उन्होंने किसानों से मिल प्रशासन के साथ सहयोग बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी समस्या या जानकारी के लिए मिल के कर्मचारियों को अवगत कराएं। साथ ही, निर्धारित क्षमता से अधिक खड़े गन्ने का सर्वे कराकर पर्चियां प्राप्त करने की सलाह भी दी। यूनिट हेड ने कहा कि चीनी मिल किसानों के सम्मान और उनके हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा बेहतर समन्वय से ही व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जा सकती है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर कस्बे के मोहल्ला पक्काबाग में सोमवार को मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों एवं साइबर अपराधों से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। गोष्ठी में उपनिरीक्षक शेखर कुमार, मुख्य आरक्षी आशीष कुमार, महिला पुलिसकर्मी अंजू रानी और मोनिका राठी ने उपस्थित महिलाओं को नारी सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए मोबाइल और सोशल मीडिया का उपयोग सावधानीपूर्वक करना अत्यंत आवश्यक है। पुलिस टीम ने महिलाओं को छेड़छाड़, उत्पीड़न या किसी भी प्रकार के साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करने और शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। साथ ही विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी आपात स्थिति में इन सेवाओं का उपयोग कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सोशल मीडिया के सही उपयोग के प्रति जागरूक किया गया और घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि महिला सुरक्षा के लिए प्रशासन हर समय तत्पर है और किसी भी शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। गोष्ठी के अंत में महिलाओं ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए ऐसे जागरूकता अभियानों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग की।

तेज रफ्तार रोडवेज बस डिवाइडर से टकराई, चालक की मौत, आठ यात्री घायल

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दिल्ली जा रही तेज रफ्तार रोडवेज बस उपेड़ा फ्लाईओवर के पास डिवाइडर से टकरा गई, जिससे बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। हादसे में बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ यात्री घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, रोडवेज बस पीलीभीत से यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रही थी। जैसे ही बस बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के उपेड़ा फ्लाईओवर पर पहुंची, अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और अंदर बैठे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद मौके से गुजर रहे राहगीरों और अन्य वाहन चालकों ने तुरंत रुककर घायलों को बस से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीश प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीश प्रताप सिंह के अनुसार, दुर्घटना में बस चालक मंगल सिंह (निवासी खीरी) की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि परिचालक नकुल सहित कुल आठ यात्री घायल हुए हैं। पुलिस ने मृतक चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और क्षतिग्रस्त बस को हटवाकर यातायात सुचारू करा दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सिंभावली साप्ताहिक पैठ का वार्षिक ठेका 17.85 लाख में छूटा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) सिंभावली में प्रत्येक मंगलवार को लगने वाली साप्ताहिक पैठ का वार्षिक ठेका इस बार 17 लाख 85 हजार रुपये की उच्चतम बोली पर चंद्रपाल सिंह के नाम छोड़ा गया। नीलामी प्रक्रिया में अनिल कुमार ने दूसरी सबसे बड़ी बोली लगाई। साप्ताहिक पैठ के ठेके की नीलामी ग्राम पंचायत भोवापुर मस्ताननगर की ग्राम प्रधान कल्पना गोयल तथा ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर खुडलिया के प्रधान देवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। खुली नीलामी प्रक्रिया के दौरान एडीओ पंचायत संजय चौधरी, ग्राम पंचायत अधिकारी श्वेता, राजीव कश्यप सहित पंचायत सदस्य हेमंत गुप्ता, दीपक, सुनील उपस्थित रहे। इसके अलावा ग्रामवासी एवं गणमान्य लोगों में पूर्व प्रधान धन सिंह, अजय सिंह, योगेंद्र शर्मा, नरेश मित्तल, अनिल कुमार, विनोद त्यागी, डॉ. प्रीतम, जितेंद्र, महेंद्र गोयल (चक्की वाले), राजीव गोयल, बिट्टू, बाबूराम आदि मौजूद रहे।

अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार, ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत कार्रवाई

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन शस्त्र अभियान के अंतर्गत गढ़मुक्तेश्वर थाना पुलिस ने एक आरोपी को अवैध असलाहे के साथ गिरफ्तार किया है। गढ़ कोतवाली प्रभारी देवेंद्र सिंह बिष्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मेरठ गढ़मुक्तेश्वर हाईवे से ग्राम पावटी की ओर जाने वाले मार्ग पर एक संदिग्ध युवक को रोका गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से अवैध तमंचा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी की पहचान सचिन पुत्र जगदीश उर्फ जग्गा निवासी ग्राम नानपुर थाना गढ़मुक्तेश्वर जनपद हापुड़ के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक भुवरपाल सिंह, हेड कांस्टेबल अमित कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

मिशन 2027 निषाद पार्टी की 160 सीटों पर नजर

SC आरक्षण मुद्दे पर आक्रामक तेवर, भावुक होकर क्या संदेश दे गए संजय निषाद

गोरखपुर(एजेंसी)। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आमदल यानी निषाद पार्टी ने विधानसभा चुनाव 2027 का आगाज रविवार को गोरखपुर रैली से कर दिया। आज, 23 मार्च को प्रयागराज में रैली करेंगे। गोरखपुर में पार्टी अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने आक्रामक तेवर दिखाएसमाज के लिए भावुक भी हुए। आरक्षण का मुद्दा उठाकर निषाद समाज को एकजुट करने की कोशिश की। साथ ही निषाद समाज को एकजुट और आक्रामक राजनीतिक ताकत के रूप में पेश करने की अपनी रणनीति भी साफ कर दी है। यूपी में फिलहाल उनके निशाने पर 160 सीटें हैं, जहां निषाद समाज प्रभावी भूमिका में है।उत्तर प्रदेश में निषाद समाज एक अहम सामाजिक-राजनीतिक ताकत के रूप में देखा जाता है। प्रदेश में इनकी आबादी करीब 4.5 प्रतिशत है, हालांकि विभिन्न उपजातियों को साथ जोड़ दिया जाए तो यह आंकड़ा लगभग 9 प्रतिशत तक पहुंचता है। राज्य की करीब 80 विधानसभा सीटों पर निषाद मतदाताओं की संख्या एक लाख के आसपास है, जबकि लगभग 160 सीटों पर यह समाज चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। पूर्वांचल के कई जिलों- गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़, बलिया, मऊ, गाजीपुर, मिजार्पुर, भदोही, जौनपुर, प्रयागराज, सुल्तानपुर और फतेहपुर में निषाद समाज की मजबूत मौजूदगी है। 2022 के विधानसभा चुनाव में NDA गठबंधन के तहत निषाद पार्टी ने 15 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें उसे 9 सीटों पर जीत हासिल हुई। इनमें से 6 उम्मीदवार पार्टी के अपने चुनाव चिन्ह पर विजयी हुए, जबकि बाकी उम्मीदवार भाजपा के सिंबल पर जीतकर विधानसभा पहुंचे। गोरखपुर रैली के दौरान डॉ. संजय निषाद ने निषाद समाज के साथ हुए अन्याय का जिक्र करते हुए अचानक भावुक होकर आंसू बहाए। उनकी इस प्रतिक्रिया से सभा में मौजूद लोगों में भावनात्मक उबाल देखने को मिला। नारेबाजी तेज हो गई और माहौल पूरी तरह उनके पक्ष में जाता दिखा। उन्होंने कहा कि वे अपने समाज के लिए ह्यफांसी पर चढ़ने को भी तैयारह्ल हैं। संजय निषाद ने आरक्षण का मुद्दा उठाकर समाज को जोड़ने की कोशिश की। रैली में संजय निषाद ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि निषाद समाज का हक सवर्णों ने नहीं, बल्कि सपा, बसपा और कांग्रेस ने छीना है।उन्होंने बिना नाम लिए ऐसे नेताओं को निशाने पर लिया, जो निषाद समाज के नाम पर राजनीति करते हैं, और कार्यकताओं से अपील की कि बिना पार्टी की अनुमति ऐसे लोगों को गांव में न घुसने दें। राजनीति के जानकारों का कहना है कि संजय निषाद ने भावनात्मक जुड़ाव का दांव खेला है। वरिष्ठ पत्रकार कुमार हर्ष बताते हैं कि डॉ. संजय निषाद इस रैली के माध्यम से अपने समाज को राजनीतिक रूप से मुखर जातियों की श्रेणी में खड़ा कर रहे हैं। राजनीतिक रूप से जागरूक करने का श्रेय उन्हें पहले से ही मिल चुका है। अब 'हाथ में मोटा डंडा और उसमें निषाद राज का झंडा' के जरिए वह निषाद समाज को आक्रामक राजनीतिक शक्ति के रूप में खड़ा होने का आह्वान करते नजर आ रहे हैं। कुमार हर्ष का कहना है कि एक चीज में कोई शक नहीं है कि डॉ. संजय ने किसी भी पार्टी से पहले 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी सिलसिलेवार ढंग से शुरू कर दी है। बारगेनिंग की जमीन तैयार कर रहे यह महारैली सिर्फ शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि आने वाले चुनाव के लिए बारगेनिंग टूल के रूप में भी देखी जा रही है। डॉ. संजय निषाद पहले ही कह चुके हैं कि यदि उन्हें भाजपा की हारी हुई सीटें दी जाएं, तो वे जीत दिला सकते हैं। उनकी नजर उन करीब 160 सीटों पर है, जहां निषाद समाज प्रभावी है। 2022 में पार्टी को 15 सीटें मिली थीं, जिनमें 9 पर जीत दर्ज हुई। अब पार्टी घटक दलों में ज्यादा सीटों की मांग के साथ अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है। वरिष्ठ पत्रकार कुमार हर्ष का कहना है कि संजय निषाद ने समाज के लिए एससी के आरक्षण का मुद्दा इसलिए उठाया गया है ताकि समाज का यदि कोई भाग अब भी अलग हो तो वह इनसे जुड़ जाए। इसका साफ संदेश है कि निषाद समाज अब राजनीतिक रूप से अनुगामी नहीं रहा बल्कि मुखर हो चुका है। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित उपाध्याय कहते हैं कि इसे पॉवर और प्रेशर पॉलिटिक्स कह सकते हैं। इस रैली में एससी आरक्षण का मुद्दा उठाकर वह खुद को सर्वमान्य नेता के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। एससी आरक्षण के मामले में पूरा समाज एकजुट हुआ तो इनके सामने कोई नेता नहीं रहेगा। इसका फायदा सीट शेयरिंग में मिलेगा। फिर चाहे वो मंत्रिमंडल विस्तार में हो या विधानसभा चुनाव।

संक्षिप्त डायरी

70 साल के मौलाना ने मदरसे में कुकर्म किया

मुजफ्फरनगर(एजेंसी)। यूपी के मुजफ्फरनगर में 70 साल के मौलाना को 11 साल के किशोर के साथ कुकर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मौलाना का मदरसे में किशोर के साथ गंदी हरकत करने का वीडियो भी सामने आया है। सोशल मीडिया पर वीडियो देखकर परिजन सन्न रह गए। किशोर से पूछताछ की तो पूरी बात पता चली। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित ने परिवार वालों को बताया कि मौलाना उसे उर्दू पढ़ाता था। क्लास के बाद किसी काम या साफ-सफाई के बहाने रोक लेता था। फिर दूसरे कमरे में ले जाकर कुकर्म करता था। वीडियो ईद की रात यानी 21 मार्च का बताया जा रहा है। परिजन की तहरीर पर आरोपी मौलाना के खिलाफ ढडउरड सहित कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। मौलाना को रविवार देर रात गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मामला जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर शाहपुर थाना क्षेत्र का है। शाहपुर थाना क्षेत्र में स्थित इस्लामिया मदरसा में मौलाना इकबाल (70) पिछले 40 साल से धार्मिक शिक्षा दे रहा है। इसी क्षेत्र का रहने वाला एक 11 साल का किशोर पिछले 5 साल से यहां पढ़ने आता है। आरोप है कि ईद की रात में किशोर मदरसे में ही था। मौलाना ने उस रात भी उसके साथ गंदी हरकत की। इस बीच किसी ने मौलाना की हरकत की वीडियो बना लिया। वीडियो सामने आने के बाद किशोर को लेकर पिता थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और सबूत के तौर पर वीडियो सौंपा। पुलिस ने आरोपी मौलाना को रविवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। 1 मिनट 59 सेकेंड के वीडियो में मौलाना इकबाल, बच्चे के साथ मदरसे के एक कमरे में दिखाई दे रहे हैं। बच्चा बिस्तर पर लेटा है। मौलाना न्यूड होकर अश्लील हरकतें कर रहे हैं। बच्चा विरोध कर रहा है, लेकिन मौलाना जबर्दस्ती करता दिख रहा है।

ऑपरेशन प्रहार : जुआ खिलाने वाले 2 अभियुक्त को क्रॉसिंग पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। क्राइम के ग्राफ को कम करने के लिए गाजियाबाद में पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ के आदेश पर ऑपरेशन प्रहार चल रहा है। अभियान के तहत पुलिस लगातार मादक पदार्थ की तस्करी और बेचने वालों को गिरफ्तार कर रही है। सोमवार को थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने जुआ खिलाने वाले 2 अभियुक्त आकाश और लोकेश को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से 23 सट्टा पर्ची, 2 पेन, 2 डायरी व 1510 रुपये नगद बरामद किए। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। पुलिस ने जुआ खिलाने वाले दो अभियुक्तों को सेवियर सोसायटी के पास खाली पड़े मैदान से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से पर्ची और नगदी भी बरामद की है। इनके खिलाफ बीएनएस की धारा 13 के तहत कार्यवाही की गई है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह दोनों मिलकर जुआ खिलाने का काम किया करते हैं। इस खायी बाड़ी के काम से पैसे अर्जित करके अपने शौक पूरे किया करते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंचांग टेबल कैलेंडर का किया विमोचन, संस्कृति से जुड़ाव को बताया आवश्यक

देहरादून (शिखर समाचार)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में ह्यउत्तराखंड की मिट्टी से नायक से जननायक पुष्कर सिंह धामी शीर्षक पंचांग टेबल कैलेंडर का विमोचन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह पंचांग केवल तिथियों का विवरण देने वाला कैलेंडर नहीं है, बल्कि यह प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और लोक जीवन का दर्पण भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पंचांग कैलेंडर में तिथि, वार, पक्ष, मास, पर्व एवं विशेष दिवसों की विस्तृत जानकारी के साथ पारंपरिक त्योहारों और व्रतों को भी समाहित किया गया है, जिससे लोगों को अपनी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवनशैली के बीच इस प्रकार के प्रयास समाज को अपनी पहचान बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने ऐसे रचनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल नई पीढ़ी को भी भारतीय परंपराओं और संस्कारों से परिचित कराने में सहायक सिद्ध होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि पंचांग के माध्यम से लोग न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक तिथियों की जानकारी प्राप्त करेंगे, बल्कि उन्हें राज्य में संचालित विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी मिलेगी। इस पंचांग टेबल कैलेंडर में राज्य सरकार द्वारा जनहित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों, विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों और लोककल्याणकारी नीतियों को भी विस्तार से दशार्या गया है, जिससे आमजन को शासन की कार्यप्रणाली और उपलब्धियों की जानकारी सुलभ रूप से मिल सके।

इस कैलेंडर की संकल्पना मुख्यमंत्री के मीडिया समन्वयक मदन मोहन सती द्वारा की गई है। कार्यक्रम में मीडिया सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर गोविंद सिंह, दीप कोश्यारी, किशोर भट्ट सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हाथरस में डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती मनाई:सपाइयों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विचार गोष्ठी की

हाथरस (एजेंसी)। प्रख्यात समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती मनाई गई। समाजवादी पार्टी के पूर्व हाथरस विधानसभा प्रत्याशी और प्रदेश कमेटी सदस्य राम नारायण काके के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर तालाब चौराहा स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकताओं ने भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान 'डॉ. राम मनोहर लोहिया अमर रहें' और 'अखिलेश यादव जिंदाबाद' जैसे नारे लगाए गए। वक्ताओं ने डॉ. लोहिया के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस मौके पर सपाइयों ने कहा कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। पार्टी नेताओं ने हाथरस जनपद की तीनों विधानसभा सीटें जीतने का संकल्प लिया और जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का वादा किया।यह रहे मुख्य रूप से मौजूद..कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. राधेश्याम रजक, पूर्व शहर अध्यक्ष मोहम्मद इरशाद शाह, हाजी नवाब हसन, नरेश कुमार दिवाकर, पूर्व जिला प्रवक्ता अनिल कुमार वार्ष्णेय, जाकिर कुरैशी, श्रीराम यादव, बंटी यादव, ऋषिपाल बघेल, योगेश समाधिया, अकील कुरैशी, शाहबाज खान, राजकुमार दिवाकर, त्न

बेटे के खिलाफ दर्ज मुकदमा खत्म कराने की मांग, पिता बिजली टॉवर पर चढ़ा

सहारनपुर (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के गांव ताहरपुर में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक व्यक्ति अपने बेटे के खिलाफ दर्ज मुकदमा खत्म कराने की मांग को लेकर बिजली के ऊंचे टॉवर पर चढ़ गया। करीब दो घंटे तक चले इस हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस और ग्रामीणों के समझाने बुझाने पर वह सुरक्षित नीचे उतर आया। जानकारी के अनुसार मारपीट के एक मामले में शेखर सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी मामले के निपटारे के लिए दोनों पक्षों के लोग गांव ताहरपुर में एकत्र हुए थे। इसी दौरान गांव निवासी महेंद्र अपने बेटे पर दर्ज मुकदमे से आहत होकर पंचायत में शामिल होने के बजाय फिल्मी अंदाज में बिजली के टॉवर पर चढ़ गया और मुकदमा खत्म करने की मांग करने लगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। काफी प्रयास और समझाइश के बाद परिजन व पुलिसकर्मी उसे नीचे उतारने में सफल रहे। पुलिस ने उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

बरेली में गोवंश के अवशेष मिले, 7 पुलिसकर्मी सस्पेंड

SSP के एक्शन के 5 घंटे बाद एनकाउंटर, 3 गोतस्करों के पैर में लगी गोली; सिपाही घायल

बरेली (एजेंसी)। गोवंश के अवशेष मिलने पर SSP ने 2 दरोगा समेत सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। इसके करीब 5 घंटे बाद पुलिस ने तीन गोतस्करों को एनकाउंटर में पकड़ लिया। तीनों के पैर में गोली लगी है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुठभेड़ के बाद गोतस्कर पुलिस के सामने गिड़गिड़ाने लगे। बोले- हाय अल्लाह, बड़ी गलती हो गई। अब कभी गोकशी नहीं करेंगे। वहीं मुठभेड़ में गोली लगने से सिपाही भी घायल हुआ है। दरअसल, इज्जतनगर के गांव फरीदापुर चौधरी में पिछले 2 दिनों से गोकशी हो रही थी। नाले में करीब 15 बोरियों में बंद गोवंश के अवशेष मिल रहे थे। इसको लेकर माहौल तनावपूर्ण हो गया। हिंदू संगठनों ने एसएसपी से मिलकर विरोध जताया। इसके बाद रश्ढ ने पुलिसकर्मियों पर एक्शन लिया। फिर तीन टीमों का गठन कर तस्करों को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। रविवार और सोमवार को नाले में करीब 15 बोरियां मिलीं। हिंदू संगठनों ने बोरियों को नाले से बाहर निकाला। बोरियों को खोला तो उसमें गोवंश थे। हिंदू संगठनों ने हंगामा करते हुए प्रदर्शन किया। फिर एसएसपी अनुराग आर्य से शिकायत की। मामला बढ़ता देख SSP ने रविवार रात करीब 11 बजे लापरवाही मिलने पर 7 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। इसमें उपनिरीक्षक उमेश कुमार राय, उपनिरीक्षक अमित कुमार, हेड कांस्टेबल मोहम्मद सलीम, हेड कांस्टेबल पप्पूराम, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार, हेड कांस्टेबल सर्वेश कुमार और कांस्टेबल अरुण कुमार शामिल हैं। इस कार्रवाई के बाद एसएसपी ने तीन टीमों का गठन किया। कहा- टीम से कहा कि गोतस्करों पर कार्रवाई करें। रविवार रात से ही पुलिस ने गोतस्करों की तलाश में दबिश शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी कि गोतस्कर सिद्धार्थ नगर में हैं। पुलिस ने यहां चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान सोमवार तड़के करीब 4 बजे पुलिस को केंद्रीय विद्यालय के पास एक बाइक पर तीन लोग आते दिखे। पुलिस ने रुकने का इशारा किया। तभी बाइक सवार तस्कारों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी घेराबंदी कर फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान तीनों गोतस्करों के पैर में गोली लगी। गोली लगते ही तीनों नीचे गिर पड़े। पुलिस ने तीनों को पकड़ लिया। पुलिस जब उन्हें अपने कंधों पर लादकर अस्पताल ले जाने लगी तो बदमाश गिड़गिड़ाने लगे। बोले- अब कभी गोकशी नहीं करेंगे। हमसे गलती हो गई। पकड़े गए आरोपियों में असलम, जीशान और नासिर शामिल हैं। वहीं मुठभेड़ में बदमाशों की एक गोली लगने से सिपाही राहुल कुमार भी घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। SSP ने बताया कि ईद के बाद नाले में अवशेष मिलने की शिकायत हिंदू संगठनों ने की थी। इसकी जांच सीओ सिटी थर्ड पंकज श्रीवास्तव को सौंपी गई थी। रविवार को उन्होंने जांच रिपोर्ट सौंपी। इसमें दो दरोगा समेत 7 लोगों की लापरवाही मिली।

लखनऊ में बिल्डर के लोगों ने जेसीबी से मकान ढहाया

लखनऊ (एजेंसी)। पीजीआई थाना क्षेत्र के अमोल गांव में 11 मार्च की देर रात एक परिवार का मकान जेसीबी से ढहा दिया गया। इसका आरोप निजी बिल्डर कंपनी ओमेक्स मेट्रो सिटी से जुड़े लोगों पर है। इस कार्रवाई से परिवार बेघर हो गया है। न्याय की मांग को लेकर पीड़ित रमेश अपने परिवार के साथ रविवार को पीजीआई थाने पर धरने पर बैठ गए। रमेश, अमोल गांव के निवासी हैं। पिछले करीब 30 वर्षों से अपने परिवार के साथ वहीं रह रहे थे। उन्होंने पैतृक जमीन बेचकर कल्ली माती मार्ग पर यह मकान बनवाया था। रमेश के मकान के पास ही ओमेक्स बिल्डर्स का निर्माण कार्य चल रहा है। पीड़ित का आरोप है कि कंपनी के कर्मचारी ने कई बार मकान हटाने का दबाव बनाया था। दोनों पक्षों के बीच 15 लाख रुपये के मुआवजे पर सहमति बनी थी, लेकिन पीड़ित का आरोप है कि समझौते के बावजूद कंपनी ने जबरन कार्रवाई की। रमेश ने बताया कि 11 मार्च की रात वह अपने परिजनों के साथ खेतों में था। इसी दौरान रात करीब 11 बजे कंपनी से जुड़े तीन लोग जेसीबी मशीन लेकर पहुंचे और बिना किसी पूर्व सूचना या कागजी कार्यवाही के उसका मकान गिरा दिया। जब उसे जानकारी मिली और वह मौके पर पहुंचा, तब तक आरोपी जेसीबी लेकर फरार हो चुके थे। पीड़ित ने पूरे मामले की तहरीर पीजीआई थाने में दी थी, लेकिन कार्रवाई न होने से नाराज होकर रविवार को परिवार सहित थाने पर धरना देने बैठ गया। पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने पीड़ित को घर भेजा। इस मामले में पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि शिकायत प्राप्त कर ली गई है। पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है, और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी

शहीदी दिवस पर वीर सपूतों को नमन, नामित सभासदों का सम्मान

शामली (शिखर समाचार)। भारत स्वाभिमान योग ट्रस्ट, कमला कॉलोनी द्वारा शहीदी दिवस के अवसर पर एक भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के अमर क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके बलिदान को याद किया गया। इस अवसर पर शासन द्वारा नामित सभासदों का सम्मान भी किया गया, जिससे कार्यक्रम का महत्व और बढ़ गया।

कार्यक्रम में हरिओम पाठक, उत्तम नामदेव और मीरा चावला सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने नामित सभासदों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए नई जिम्मेदारियों का प्रतीक है और उन्हें जनसेवा के कार्यों को और अधिक समर्पण के साथ करना चाहिए।

इस दौरान भारत स्वाभिमान योग ट्रस्ट के संरक्षक व समाजसेवी अंकित गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि शहीदों का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को स्वतंत्रता दिलाई और हमें आजादी का अमूल्य उपहार दिया। ऐसे वीर सपूतों के त्याग और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करे।

अंकित गोयल ने नामित सभासदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब उनकी जिम्मेदारी पहले से अधिक बढ़ गई है। उन्हें शामली के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करना होगा और विशेष रूप से बिजली, पानी, सड़क और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर ध्यान देना होगा, ताकि नगर का नाम पूरे प्रदेश में रोशन हो सके।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अरविंद तायल ने की तथा संचालन योगाचार्य मुकेश वर्मा ने किया। अंत में सभी नामित सभासदों ने भारत स्वाभिमान योग ट्रस्ट के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर योगाचार्य जितेंद्र शर्मा, कुलदीप गोयल, रामनिवास सैनी, सभासद कैलाश गोत्र, बृजेश शर्मा (गायक), डॉ कुमुद शर्मा, वीणा अग्रवाल, प्रभा छाबड़ा, निधि जैन, सुमन गुप्ता, पवन संगल, पंकज गोयल, अनुज खंडेलवाल, जयप्रकाश छाबड़ा, सोम प्रकाश अग्रवाल, सोनू चावला, मुकेश गर्ग अधिवक्ता तथा विकास शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के लोकार्पण की तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में मेरठ मंडल के मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी की अध्यक्षता में एयरपोर्ट सभागार में संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मंडलायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित और अनुकरणीय बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अब तक की तैयारियों की प्रगति से अवगत कराया गया, जिस पर मंडलायुक्त ने संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने मंच, लोकार्पण स्थल और रैली स्थल की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, आमंत्रण प्रक्रिया, शटल बस सेवा, वीआईपी और वीवीआईपी मूवमेंट सहित सभी मूलभूत सुविधाओं को उच्च मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंडलायुक्त ने कहा कि मंच पर स्थापित एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं, सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य, ओडीओपी उत्पादों तथा एयरपोर्ट परियोजना से संबंधित उच्च

गुणवत्ता की वीडियो और फोटो सामग्री प्रदर्शित की जाए। साथ ही कार्यक्रम का व्यापक कवरेज और एक लघु फिल्म तैयार करने के भी निर्देश दिए, जिससे आयोजन की भव्यता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सके।

प्रोटोकॉल के कड़ाई से पालन पर जोर देते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि रैली स्थल, पार्किंग स्थल और प्रमुख मार्गों पर स्पष्ट साइनेज जैसे पार्किंग नंबर, रूट प्लान, गेट नंबर, कंट्रोल रूम, मेडिकल कैंप और पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम समय से स्थापित किए जाएं। एंट्री पॉइंट्स पर सुरक्षा जांच को सुगम और तेज बनाने के लिए माइक्रो पार्किंग प्लान लागू करने तथा विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश भी दिए गए।

इसके अतिरिक्त लाइजनिंग, इमरजेंसी और कंटीजेंसी प्लान को सक्रिय रखने, मार्गों की मरम्मत, साफ सफाई और यातायात व्यवस्था को पूर्व में ही दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने मंडलायुक्त को आश्वस्त किया कि दिए गए सभी निदेशों का संबंधित अधिकारियों द्वारा अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह, जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी, अपर मंडलायुक्त अमित कुमार, अपर मंडलायुक्त सिटी बृजेश, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, अपर जिलाधिकारी भू अर्जन बच्चू सिंह, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (योजना) राजेश कुमार, एयरपोर्ट के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया, डीसीपी ट्रैफिक डॉ. प्रवीण रंजन, पूनम मिश्रा, एसीपी जेवर सार्थक सेंगर सहित अन्य अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शहीद दिवस पर अमर बलिदानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि

जेवर (शिखर समाचार)। शहीद दिवस के अवसर पर सोमवार को कस्बे के भगत सिंह चौक पर युवाओं के साथ बच्चों ने भी देश के वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के अदम्य साहस और बलिदान को याद करते हुए देशभक्ति के नारे लगाए गए। कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं ने शहीदों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उपस्थित लोगों ने शहीदों के बलिदान को देश के लिए प्रेरणादायक बताते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विनय आमेरिया ने शहीदों के जीवन और उनके बलिदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिससे युवा पीढ़ी को देशभक्ति और राष्ट्रसेवा के प्रति जागरूक किया जा सके। कार्यक्रम में प्रशांत आमेरिया, लवकुश, नैतिक, लक्ष्य, अनमोल प्रजापति, रोहित, लव, रूजूल सहित कई लोग मौजूद रहे।

प्रारब्ध से कोई नहीं बच सकता: चैतन्य महाराज

दादरी (शिखर समाचार)। नगर के रेलवे रोड स्थित अग्रसेन इंटर कॉलेज में आयोजित श्रीमद् देवी भागवत कथा में प्रवचन करते हुए चैतन्य महाराज डॉक्टर गुन प्रकाश ने कहा कि प्रारब्ध से कोई भी कहीं जाकर नहीं बच सकता। उन्होंने कहा कि संसार में धन से व्यवस्था बनती है, जबकि यमलोक में धर्म के आधार पर व्यवस्था संचालित होती है। उन्होंने बताया कि रागी व्यक्ति ही राग के माध्यम से सुख का अनुभव करता है। मनुष्य को संसार नहीं, बल्कि सांसारिकता को देखकर चिंतन करना चाहिए। जीवन में अनुशासन आवश्यक है और प्रत्येक व्यक्ति को प्रातःकाल उठने की आदत डालनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि धर्म और कर्म अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि जो धर्म है वही कर्म है और जो कर्म है वही धर्म है। जीवन को राममय बनाना ही सच्चा मार्ग है। जो व्यक्ति राम में स्थित रहता है, वही धर्म और संस्कृति को धारण करता है। प्रत्येक मनुष्य को साधना करनी चाहिए, क्योंकि साधना ही भवसागर से पार उतारने का सर्वोत्म साधन है। चैतन्य महाराज ने कहा कि हिंसा से पाप उत्पन्न होता है, इसलिए यज्ञ और सत्कर्मों का पालन आवश्यक है। जैसे अंधकार को दूर करने के लिए दीपक जलाना पड़ता है, वैसे ही जीवन के अज्ञान रूपी अंधकार को भी साधना और सत्कर्मों से दूर किया जा सकता है। समान भाव से ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि साधना में अद्भुत शक्ति होती है, जिससे व्यक्ति अपने जीवन के सभी कार्यों में सफलता प्राप्त कर सकता है। साधना प्रत्येक प्राणी का कर्तव्य है और इसके माध्यम से जीवन में उन्नति संभव है। इस अवसर पर पवन बंसल, शिखर गोयल, सौरव गोयल, संजीव गर्ग, स्पर्श गोयल, केशव गोयल, संदीप सिंहल, नेहा गोयल, निधि बंसल, रामा शर्मा, कविता शर्मा, बीना शर्मा, सुमन गर्ग, इति सक्सेना सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित, 79 शिकायतें दर्ज, 05 का मौके पर निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतमबुद्धनगर की तीनों तहसीलों जेवर, दादरी एवं सदर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान आमजन की समस्याओं को सुनने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित रहकर शिकायतों का संज्ञान लिया। कुल 79 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 05 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निदेशों के साथ प्रेषित किया गया।

तहसील दादरी में उप जिलाधिकारी अनुज नेहरा की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में सर्वाधिक 71 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 05 शिकायतों का निस्तारण तत्काल मौके पर ही कर दिया गया। उप जिलाधिकारी ने जनसामान्य की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि

प्रत्येक प्रकरण का स्थलीय सत्यापन कर नियत समय सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, प्रभागीय वन अधिकारी रजनीकांत मित्तल, तहसीलदार प्रतीक चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इसी क्रम में तहसील जेवर में उप जिलाधिकारी दुर्गेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 07 शिकायतें दर्ज की गईं। वहीं तहसील सदर में उप जिलाधिकारी आशुतोष गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में 01 शिकायत प्राप्त हुई। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे शासन की मंशा के अनुरूप जनता को त्वरित न्याय मिल सके।

मोदी की प्रस्तावित रैली को लेकर भाजपा की बैठक, दो लाख से अधिक लोगों की जुटाने का लक्ष्य

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला गौतमबुद्ध नगर की एक महत्वपूर्ण बैठक तिलपता गोलचक्कर स्थित कार्यालय पर आयोजित की गई, जिसमें 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित ऐतिहासिक रैली की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री वीरेन्द्र भाटी ने किया। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर का मार्गदर्शन कार्यकताओं को प्राप्त हुआ।

प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर ने कहा कि रैली की तैयारियों को लेकर संगठन को पूरी मजबूती के साथ जुटना होगा। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि क्षेत्र की जनता और गणमान्य नागरिकों के साथ लगातार बैठकें कर अधिक से

अधिक लोगों को रैली में आमंत्रित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का लक्ष्य दो लाख से अधिक लोगों की विशाल जनसभा आयोजित करना है, जिसके लिए गांव-गांव जाकर जनसंपर्क अभियान चलाना आवश्यक है।

जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह और ऊर्जा देखने को मिल रही है। सभी कार्यकर्ता इस रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि सभी मिलकर इस जनसभा को सफल बनाएं और विकास व राष्ट्रनिर्माण के अभियान को और सशक्त करें।

इस अवसर पर वीरेन्द्र भाटी, ठाकुर धर्मेन्द्र भाटी, धर्मेन्द्र कोरी, दीपक भारद्वाज, पवन रावल, अरुण शर्मा, पवन नागर, सरदीप नागर, कर्मवीर आर्य, चन्द्रमणि भारद्वाज, रजनी तोमर, मुकेश भाटी, गायत्री तिवारी, योगेश चौहान, विनीता, अश्वनी गोयल, अर्पित तिवारी, मनोज मावी, राजीव सिंघल, महेश शर्मा, लोकेश त्यागी, दिनेश भाटी, भिखारी सिंह, संजीव शर्मा, संजय रावत, गजेन्द्र वाल्मीकि, धीर राणा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रायपुर में बुजुर्ग महिला की हत्या का 4 घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार)। थाना बाबरी क्षेत्र के ग्राम रायपुर में 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला की हत्या के मामले का पुलिस ने महज चार घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मृतका के कुंडल भी बरामद कर लिए हैं। जानकारी के अनुसार 23 मार्च 2026 को ग्राम रायपुर निवासी रामप्यारी (90 वर्ष) की घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस, फील्ड यूनिट एवं डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंची और घटनास्थल का गहन निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। मृतका के पुत्र रविंद्र कुमार की तहरीर के आधार पर थाना बाबरी में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक शामली के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला तथा क्षेत्राधिकारी थानाभवन अमरदीप मौर्य के पर्यवेक्षण में थाना बाबरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना का सफल खुलासा कर दिया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी सुमित और आदित्य ने बताया कि 22 मार्च को उन्होंने रामप्यारी को घर के बाहर अकेले हुक्का पीते हुए देखा था। इसी दौरान उनके कुंडलों पर नजर पड़ गई। लालच में आकर दोनों ने रात में घर में घुसकर कुंडल लूटने की योजना बनाई। विरोध करने पर दोनों ने महिला का मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मृतका के कुंडल बरामद कर लिए हैं। आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना बाबरी प्रभारी राहुल सिसोदिया, उपनिरीक्षक राघवेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक राजेश कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहें।

आमने सामने बाइक टक्कर में दो युवकों की दर्दनाक मौत, मजदूरी के पैसे लेने जा रहे थे दोनों

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना नहटौर मार्ग पर सोमवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में एक ही बाइक पर सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों युवक अपनी मेहनत की मजदूरी लेने के लिए जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी जिंदगी की डोर टूट गई। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहल्ला सेवावाली गांवड़ी निवासी दीपू कुमार (19) पुत्र उमेश सैनी तथा हेमराज (20) पुत्र हरीश चंद सैनी नहटौर मार्ग स्थित एक लकड़ी के फर्नीचर की दुकान पर कारीगर के रूप में कार्य करते थे। सोमवार की शाम दोनों युवक अपनी मजदूरी के पैसे लेने के लिए एक ही बाइक पर सवार होकर नैनपुर की ओर जा रहे थे। जब वे नगीना नहटौर मार्ग स्थित ग्राम धर्मशाला नांगली के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही एक अन्य तेज रफ्तार बाइक से उनकी आमने सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही तड़पने लगे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सहायता वाहन (112) मौके पर पहुंचा और दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद दूसरी बाइक सवार मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। इस दर्दनाक हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक दीपू अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसके पिता उमेश, माता सुनीता और 10 वर्षीय बहन राधिका का रो रोकर बुरा हाल है। पूरे मोहल्ले में शोक का माहौल है और हर कोई इस हादसे से स्तब्ध है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है तथा फरार बाइक सवार की तलाश तेज कर दी गई है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उद्घाटन को लेकर तैयारियां तेज, अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना, बीजेपी नेताओं ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी

जेवर (शिखर समाचार)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के 28 मार्च को होने वाले भव्य उद्घाटन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तावित उद्घाटन कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सोमवार को खुर्जा रोड स्थित बीजेपी नेता रवि अग्रवाल के कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा और जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी ने बताया कि समारोह में 2 लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है। इस बड़े आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रशासन और पार्टी संगठन दिन-रात जुटे हुए हैं।

उद्घाटन स्थल का पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा सके। कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए पार्किंग, पेयजल, बैठने की

व्यवस्था और ट्रैफिक नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही विभिन्न मार्गों पर यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए डायवर्जन प्लान भी तैयार किया गया है। नेताओं ने बताया कि कार्यक्रम के लिए 10 बड़े पार्किंग स्थल और 3 विशेष रूट निर्धारित किए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी, जिससे आयोजन पूरी तरह सुरक्षित रह सके।

इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

नेताओं ने कहा कि एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही जेवर क्षेत्र के लोगों का करीब 25 वर्षों पुराना सपना साकार होने जा रहा है। यह परियोजना जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होगी और एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट के रूप में नई पहचान बनाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि इस परियोजना की परिकल्पना लगभग 25 वर्ष पूर्व राजनाथ सिंह ने की थी, इसलिए इसका श्रेय उन्हें भी जाता है। क्षेत्रवासी इस ऐतिहासिक क्षण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन पर गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में 133 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 10 का निस्तारण किया गया। एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट व दीपक सिंघनवाल ज्वाईंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी की अध्यक्षता की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान 32 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 4 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, दीपक सिंघनवाल ज्वाईंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी, एसीपी लोनी, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसडीएम सदर अरूण दीक्षित की अध्यक्षता में सदर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान 17 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर 3 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार सदर सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

एडीएम-ई ज्योति मौर्य की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 84 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 3 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम जे, तहसीलदार मोदीनगर, नायब तहसीलदार, सहित अन्य विभागों के अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में 133 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 10 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

उत्कृष्ट कार्य करने के लिए दो श्रेणी में गाजियाबाद नगर निगम को मिला पुरुस्कार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विश्व जल दिवस के उपलक्ष में दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड वाटर अवार्ड 2025-26 कार्यक्रम में महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा संयुक्त रूप से प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में गाजियाबाद नगर निगम को वाटर डाइजेस्ट तथा यूनेस्को द्वारा बेस्ट इनीशिएटिव इन सस्टेनेबल अर्बन वॉटर मैनेजमेंट एवं सर्कुलर इकोनामी इन सेनिटेशन श्रेणी के लिए सम्मानित किया गया, जिसको जल शक्ति मंत्रालय के माननीय मंत्री सीआर पाटील एवं राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी द्वारा महापौर तथा नगर आयुक्त तथा जलकल विभाग की टीम को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गाजियाबाद नगर निगम से अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, महा प्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, अधिशासी अभियंता जल आश कुमार व अन्य टीम उपस्थित

रही। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा ग्रीन म्युनिसिपल बॉण्ड के अंतर्गत संचालित किए जा रहे टीएसटीपी प्लांट के अंदर शोधित जल का पुनः उपयोग करते हुए औद्योगिक इकाइयों तक पहुंचने का कार्य किया जा रहा है, जिसको वाटर डाइजेस्ट तथा संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक विज्ञान और सांस्कृतिक संगठन द्वारा पुरस्कार दिया गया है। यह गाजियाबाद नगर निगम के साथ शहर वासियों के लिए भी गर्व का विषय है। कार्यक्रम में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा जल संचयन तथा जल संरक्षण के लिए किया जा रहे कार्यों को भी साझा किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा नोएडा अथॉरिटी बेंगलुरु, इंडस्ट्रीज तथा जल विभागों ने प्रतिभाग किया।

महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम ने अपशिष्ट जल उपचार के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है, जो नवाचार और पर्यावरणीय सतर्कता का उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस परियोजना का केंद्रबिंदु तृतीयक मलजल उपचार संयंत्र (टीएसटीपी) है, जिसकी क्षमता 40 एमएलडी है और जिसका उपयोग औद्योगिक उद्देश्यों के लिए जल पुनर्चक्रण में किया जाता है। परियोजना को कई अन्य पहलों द्वारा समर्थित किया गया है, जिनमें एसटीपी से उपचारित जल का पुनः उपयोग मियावाकी वृक्षारोपण पहल के लिए किया जाना शामिल है, जो स्वच्छ वायु को बढ़ावा देता है और सतही जल के बहाव को रोकता है। गाजियाबाद नगर निगम ने हाल ही में तालाबों का पुनरोद्धार एवं उनकी क्षमता का विस्तार किया है। 100 से अधिक सार्वजनिक स्थानों पर वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की है और 400 से अधिक ऊँची आवासीय सोसायटियों में छत वर्षा जल संचयन प्रणाली की सुविधा प्रदान की है।

संपादकीय

ईरान संकट पर भारत की संतुलित कूटनीति : चुनौतियाँ और अवसर

आज 23 मार्च 2026 को नरेंद्र मोदी द्वारा लोकसभा में दिए गए वक्तव्य ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति के जटिल समीकरणों के बीच भारत की कूटनीतिक दिशा को स्पष्ट किया है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, विशेषकर ईरान को लेकर उत्पन्न संकट, केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक संतुलन से जुड़ा हुआ है। ऐसे समय में भारत जैसे उभरते वैश्विक शक्ति केंद्र के लिए संतुलित और विवेकपूर्ण रुख अपनाना अनिवार्य हो जाता है।

प्रधानमंत्री के वक्तव्य में स्पष्ट रूप से यह संकेत मिला कि भारत न तो किसी एक ध्रुव की ओर झुकना चाहता है और न ही वह अपने दीर्घकालिक हितों से समझौता करेगा। भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र रणनीतिक स्वायत्तता रहा है, और ईरान संकट के संदर्भ में भी यही दृष्टिकोण सामने आया है। एक ओर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के साथ भारत के मजबूत आर्थिक और सामरिक संबंध हैं, वहीं दूसरी ओर ईरान भारत के लिए ऊर्जा आपूर्ति, क्षेत्रीय संपर्क और ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

ईरान संकट का सबसे बड़ा प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर पड़ता है, जिसका सीधा असर भारत जैसी ऊर्जा आयातक अर्थव्यवस्था पर होता है। भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और ऐसे में पश्चिम एशिया में किसी भी प्रकार की अस्थिरता देश की आर्थिक वृद्धि को प्रभावित कर सकती है। प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में इस चिंता को रेखांकित करते हुए यह भरोसा दिलाया कि सरकार ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए वैकल्पिक स्रोतों और रणनीतियों पर काम कर रही है। यह न केवल तात्कालिक समाधान है बल्कि दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में भी एक आवश्यक कदम है।

साथ ही ईरान भारत के लिए केवल तेल आपूर्ति का स्रोत नहीं है, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारे और चाबहार बंदरगाह परियोजना के माध्यम से मध्य एशिया और यूरोप तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण द्वार भी है। ऐसे में भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह ईरान के साथ अपने संबंधों को पूरी तरह समाप्त करने के बजाय संतुलित रूप से बनाए रखे। प्रधानमंत्री का यह संकेत कि भारत संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान का समर्थन करता है, इस दिशा में एक सकारात्मक पहल है। हालांकि इस संतुलन को बनाए रखना आसान नहीं है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, प्रतिबंधों की जटिलता और क्षेत्रीय शक्ति संघर्ष भारत की नीति को प्रभावित करते हैं। विपक्ष ने भी लोकसभा में इस मुद्दे पर सरकार से स्पष्टता की मांग की, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा है। लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि राष्ट्रीय हितों के मामलों में एक व्यापक राजनीतिक सहमति विकसित हो। विदेश नीति जैसे संवेदनशील विषयों पर आंतरिक एकजुटता भारत की स्थिति को और मजबूत बना सकती है। ईरान संकट का एक मानवीय पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। क्षेत्र में बढ़ते तनाव का प्रभाव वहां रह रहे भारतीय नागरिकों पर भी पड़ सकता है। प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में भारतीयों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही, जो कि सरकार की जिम्मेदारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पिछले अनुभवों, जैसे यमन और यूक्रेन से भारतीयों की सुरक्षित वापसी, यह दशार्ते हैं कि भारत इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने में सक्षम है। इसके अतिरिक्त, यह संकट भारत के लिए एक अवसर भी प्रस्तुत करता है। वैश्विक मंच पर एक जिम्मेदार और संतुलित शक्ति के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करने का यह सही समय है। यदि भारत कूटनीतिक कौशल, आर्थिक रणनीति और मानवीय दृष्टिकोण का समुचित समन्वय कर पाता है, तो वह न केवल अपने हितों की रक्षा कर सकता है बल्कि अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। अंततः ईरान संकट पर प्रधानमंत्री का वक्तव्य भारत की परिपक्व और संतुलित विदेश नीति का प्रतिबिंब है।

~ मौलिक चिंतन ~

स्वार्थ पूर्ति की प्रबल इच्छा व्यक्ति को चतुर, साहसी और सफल बनाती है।

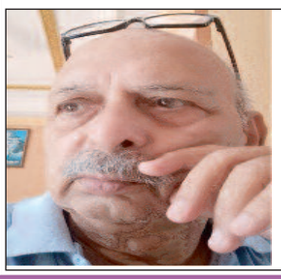

© विनय संकोची

अमेरिका जीता नहीं, ईरान हारा नहीं, युद्ध का अंत परमाणु बम से?

सनत जैन

अमेरिका और इजरायल ने बड़ी तैयारी करके कई दशकों की मेहनत के बाद ईरान पर हमला किया। यह हमला तब किया गया। जब ईरान सबसे ज्यादा कमजोर था, ईरान में सत्ता परिवर्तन का आंदोलन हो रहा था। ईरान की सत्ता में मोसाद और सीआईए के एजेंट थे। अमेरिका और इसराइल को लग रहा था, एक हफ्ते के अंदर वह ईरान में सत्ता परिवर्तन कराकर अपनी पसंद के व्यक्ति को ईरान के सिंहासन पर बैठा देंगे। जो अमेरिका के इशारे पर सारे काम करेगा। अमेरिका और इजरायल कि यह इच्छा उनके ऊपर इतनी भारी पड़ेगी। इसका अनुमान इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को नहीं था, नाही अमेरिका के बडबोले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को था। 23 दिन से ज्यादा युद्ध के चलते हुए हो गए हैं। ईरान की प्रथम पंक्ति के सारे नेता एक-एक करके मारे जा चुके हैं। ईरान की बच्चियों के स्कूल में बम गिराकर 180 से ज्यादा नोनिहाल छोटी-छोटी बच्चियों को मार दिया गया। ईरान पर, अमेरिका और इजरायल ने मिलकर हमले किए, रक्षा और तेल ठिकानों पर हमला किया। ईरान ने जिस तरह से हमलों का जवाब दिया। इससे अमेरिका और इजराइल हक्के-बक्के हैं। ईरान के ड्रोन और मिसाइलों ने अमेरिका और इजरायल के सुरक्षा तंत्र को भेदकर जिस तरह से उन्हें नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका और इजराइल को समझ नहीं आ रहा है, यह क्या हो गया। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों के अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके उन्हें नष्ट किया। अमेरिकी दूतावासों पर हमला करके उन्हें बंद कराने में सफलता हासिल की। जहां-जहां अमेरिकी नागरिक रुके हुए थे, उन होटलों और ठिकानों पर सटीक हमला कर-के, ईरान ने बता दिया वह किसी मामले में कम नहीं है। ईरान के कम लागत के ड्रोन और मिसाइल अमेरिका और इजरायल के करोड़ों रुपए के सैन्य उपकरणों को बर्बाद कर दिया। ईरान ने अमेरिका के सबसे शक्तिशाली अजेय एफ 35 और एफ15 विमान को जमीन पर उतार दिया। समुद्र में अमेरिका के बड़े-बड़े युद्ध पोत खड़े थे। उन्हें पीछे जाने पर विवश कर दिया। इजराइल के हाइवापोर्ट से लेकर तेल हबीब एवं अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर सटीक निशाने लगाकर 2 शहरों को पूरी तरह से नष्ट किया है। कहा तो यह भी जा रहा है, इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी ईरान की बमबारी में मारे गए हैं। इसकी पुष्टि कहीं से नहीं हो रही है। ईरान जवाबी हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। वर्तमान स्थिति में अमेरिका इस युद्ध से बाहर निकलना चाहता है। चाहकर भी डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अमेरिका ने बात शुरू करने के संकेत दिए। ईरान बात करने तैयार नहीं है। जिस तरह से उनके धर्मगुरु आयतुल्लाह खामनेई तथा प्रथम पंक्ति के बड़े नेताओं की हत्या कर सत्ता पलटने की कोशिश की गई है। छोटी-छोटी मासूम बच्चियों के स्कूल में बम फेंक कर उनकी हत्या की गई, इससे ईरान नाराज है। दुनिया में कच्चे तेल और गैस का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका ने ईरान पर लगाया गया प्रतिबंध 1 माह के लिए हटाने की घोषणा की। यह भी कहा ईरान किसी को भी तेल और गैस बेच सकता है। इस ऑफर को ईरान ने ठुकराते हुए कहा, हमारे पास जो कच्चा तेल और गैस है। वह हम चीन को दे रहे हैं, हमारे पास अतिरिक्त कुछ भी बेचने के लिये नहीं है। युद्ध मे सीजफायर नहीं होगा, युद्ध का अंत ही एकमात्र विकल्प है। जिस तरह ईरान ने अपने ड्रोन और मिसाइलों से अमेरिका के हथियारों का सामना किया है। सैन्य उपकरण अजेय माने जा रहे थे। ईरान ने उन सबकी असलियत सारी दुनिया के सामने खोल दी है। ईरान ने अमेरिका को ऐसी शिकस्त दी है। जिसके कारण अब अमेरिका की दादागिरी पहली बार सारी दुनिया में खतरे में पडती हुई दिख रही है। अमेरिका और इजरायल ने महंगे युद्ध उपकरणों का ईरान ने मुकाबला किया है। उसने सारी दुनिया की सोच को बदल दिया है। डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद पर बना रहना मुश्किल हो रहा है। पहली बार अमेरिका सारी दुनिया के सामने शर्मिंदा है। अमेरिका बार-बार सीज फायर के संकेत दे रहा है। अभी तक की लड़ाई में ना तो अमेरिका जीता है, ना ही ईरान हार रहा है। ऐसी स्थिति में युद्ध पर विराम या पूर्ण विराम कब लगेगा। इसको लेकर सारी दुनिया चिंतित है। वर्तमान स्थिति में यही कहा जा सकता है। अमेरिका युद्ध विराम घोषित करे। जो प्रतिबंध ईरान के ऊपर लगा रखे हैं उन्हें समाप्त करे। ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव नहीं है। अमेरिका युद्ध विराम में तभी सफल हो सकता है, जब वह ईरान की शर्तों पर बात करने को तैयार होगा। पिछले 47 वर्षों से अमेरिका और यूरोपीय देशों के निशाने पर ईरान था। सुनार की हथौड़ी की तरह कई वार ईरान ने सहे हैं। ईरान के हथौड़े की एक चोट ने अभी तक की सब चोटों का बदला ले लिया है। ऐसा लगता है, सोवियत रूस का जिस तरह से विघटन हुआ था। वही स्थिति अब अमेरिका की देखने को मिल रही है। सारे विश्व में अमेरिका की जो दादागिरी पिछले कई दशकों से चल रही थी। वह समाप्त होने की दिशा में अग्रसर है। वैश्विक व्यापार और युद्ध की पूरी रणनीति में वैश्विक बदलाव का समय आ गया है। अमेरिका इसको जितनी जल्दी समझ ले उतना ही अच्छा है।

ईरान अमेरिका संघर्ष से बाजार में उथल पुथल

कांतिलाल मांडोत

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला दिया है और इसका सबसे बड़ा असर भारत के शेयर बाजार पर देखने को मिला। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते संघर्ष ने निवेशकों के भरोसे को गहरी चोट पहुंचाई है। एक ही कारोबारी दिन में निवेशकों के लगभग बारह लाख करोड़ रुपये डूब गए, जो यह दशार्ता है कि वैश्विक घटनाएं किस तरह घरेलू बाजार को प्रभावित करती हैं। यह गिरावट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने निवेशकों के मन में डर और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया।

भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में करीब पच्चीस सौ अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई और यह गिरकर लगभग चौहत्तर हजार के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी में भी सात सौ से अधिक अंकों की गिरावट आई। यह गिरावट पिछले कई महीनों में सबसे बड़ी मानी जा रही है। बाजार के लगभग सभी क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव दिखाई दिया, जिससे यह साफ हो गया कि यह केवल किसी एक सेक्टर की समस्या नहीं बल्कि व्यापक आर्थिक चिंता का परिणाम है।

इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ा कारण युद्ध का तेल और गैस क्षेत्रों तक पहुंचना है। खाड़ी क्षेत्र दुनिया के ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र है और जब यहां अस्थिरता बढ़ती है तो उसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ता है। युद्ध के चलते कई महत्वपूर्ण ऊर्जा ठिकानों पर हमले हुए, जिससे उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हुए। इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया और यह एक समय एक सौ पंद्रह डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है, यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आम लोगों की जिंदगी पर भी असर डालता है। तेल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि होती है। यही कारण है कि इस संघर्ष ने महंगाई की आशंका को भी बढ़ा दिया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार की स्थिति को और कमजोर कर दिया।

घरेलू कारणों ने भी इस गिरावट को और गहरा किया। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के प्रमुख शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली, जिससे पूरे बाजार पर दबाव बना। निवेशकों ने जोखिम से बचने के लिए तेजी से अपने निवेश को निकालना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में घबराहट और बढ़ गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी लगभग तीन प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई, जो यह दिखाता है कि छोटे निवेशकों पर इसका प्रभाव अधिक पड़ा।

हालांकि इस भारी गिरावट के बाद अगले ही दिन बाजार में कुछ सुधार भी देखने को मिला। निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी की, जिससे बाजार में थोड़ी स्थिरता आई। तेल की कीमतों में हल्की गिरावट भी इस सुधार का एक कारण रही। इससे यह संकेत मिलता है कि बाजार में अभी भी उम्मीद बाकी है, लेकिन स्थिति पूरी तरह स्थिर नहीं कही जा सकती। इस पूरे घटनाक्रम का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहा बल्कि सोना और चांदी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों पर भी पड़ा। आमतौर पर संकट के समय इनकी कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इसका कारण यह है कि निवेशकों ने नकदी बनाए रखने के लिए इन धातुओं में भी बिकवाली की। ऊर्जा संकट के चलते पेट्रोल की कीमतों पर भी असर पड़ा है। प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे उन लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है जो उच्च गुणवत्ता वाले ईंधन का उपयोग करते हैं। हालांकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अभी कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह ऊंची बनी रहती हैं तो भविष्य में आम ईंधन भी महंगा हो सकता है।

यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक भी है। युद्ध अब केवल सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहा बल्कि आर्थिक ढांचे को निशाना बना रहा है। ऊर्जा संसाधनों पर हमले यह दशार्ते हैं कि दोनों पक्ष एक दूसरे को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ रहा है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

रुपये की कमजोरी भी इस संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू है। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से आयात महंगा हो जाता है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। यह स्थिति निवेशकों के लिए और अधिक चिंता का कारण बनती है क्योंकि इससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है।

कुल मिलाकर देखा जाए तो ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा संघर्ष केवल एक क्षेत्रीय युद्ध नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। भारतीय शेयर बाजार में आई भारी गिरावट इसी का एक उदाहरण है। आने वाले समय में बाजार की दिशा काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि यह संघर्ष किस दिशा में आगे बढ़ता है और कच्चे तेल की कीमतें किस स्तर पर स्थिर होती हैं।

यदि स्थिति जल्द सामान्य नहीं होती है तो इसका असर लंबे समय तक बना रह सकता है। ऐसे में निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है और बाजार की चाल को समझकर ही निर्णय लेना होगा। यह संकट एक बार फिर यह सिखाता है कि वैश्विक घटनाएं किस तरह हमारे आर्थिक जीवन को प्रभावित करती हैं और हमें हमेशा बदलती परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए।

डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे मिलेगी निजात

सौरभ वार्ष्णेय

डिजिटल ठगी से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जब तक हर व्यक्ति सतर्क और जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है। डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाते हुए हमें सावधानी और समझदारी भी अपनानी होगी। यही डिजिटल सुरक्षा का मूल मंत्र है और इसी से हम ठगी के इस बढ़ते खतरे से निजात पा सकते हैं।

देश की राजधानी दिल्ली आज सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र ही नहीं, बल्कि साइबर और वित्तीय अपराधों का भी बड़ा केंद्र दिखाई दे रही है। प्रतिदिन औसतन 50 लाख रुपये की ठगी के मामलों का सामने आना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह कानून-व्यवस्था और डिजिटल सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह आंकड़े एक दैनिक अखबार में प्रकाशित किये गए हैं जो चौंकाने वाले दिख रहे हैं। वर्ष 2025 में 184 मामले दर्ज किये गए हैं, लगभग 70,64,80,424 रुपए (30 जून तक) तक ठग लिए गये हैं। इससे पिछले वर्ष 2024 में 1,591 मामले दर्ज हुए और 8,17,64,85,471 रुपए ठग लिए गए। आज ठगी से कैसे बचे ? अभी गैस की क्या कमी हुई ठगों ने इस आपदा को अवसर बना लिया। इस डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे निजात मिलेगी तो विशेषज्ञों का कहना है कि जागरुकता और सतर्कता सावधानी जरूरी है। दिल्ली जैसी राजधानी में दिल्ली पुलिस अच्छा कार्य कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में तकनीक के विस्तार के साथ ठगी के तरीके भी बेहद परिष्कृत हो गए हैं। पहले जहां जेबकतरी और साधारण धोखाधड़ी आम थी, वहीं अब ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, अपडेट के नाम पर ठगी, और निवेश के झांसे जैसे अपराध तेजी से बढ़े हैं। आम नागरिक, विशेषकर बुजुर्ग और डिजिटल रूप से कम जागरूक लोग, इन ठगों का आसान शिकार बन रहे हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं, लेकिन अपराधियों की चतुराई और तकनीकी दक्षता कई बार इन प्रयासों पर भारी पड़ती है। अपराधी अक्सर विदेशी सर्वर, फर्जी सिम कार्ड और डिजिटल वॉलेट्स का इस्तेमाल कर अपनी पहचान छिपा लेते हैं, जिससे जांच और गिरफ्तारी में कठिनाई आती है।

यह स्थिति कई स्तरों पर चिंता पैदा करती है। पहला, आम जनता का डिजिटल लेनदेन पर विश्वास कमजोर होता जा रहा है। दूसरा, देश की आर्थिक सुरक्षा पर इसका असर पड़ता है। तीसरा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता और संसाधनों पर भी प्रश्न उठते हैं।

समाधान के लिए बहुस्तरीय रणनीति आवश्यक है। सबसे पहले, साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण से लैस करना होगा। दूसरे, बैंकों और डिजिटल पेमेंट कंपनियों को अपनी सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाना होगा। तीसरे, स्कूलों और सामाजिक मंचों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि लोग ठगी के नए-नए तरीकों से परिचित हो सकें।

इसके अलावा, सरकार को सख्त कानून और त्वरित न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, ताकि अपराधियों में डर पैदा हो। साथ ही, आम नागरिकों को भी सतर्क रहना होगा– अनजान कॉल, लिंक या ऑफर पर भरोसा करने से पहले पूरी जांच करना जरूरी है।

हाल के महीनों में दिल्ली पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर संयुक्त आयुक्त रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में ऑपरेशन साई-हॉक के तहत दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। इस ऑपरेशन का उद्देश्य उन कॉल सेंटरों और गिरोहों को नेस्तनाबूद करना था जो फर्जी केवाईसी, लॉटरी और निवेश के नाम पर लोगों को लूटते हैं। इस कार्रवाई के बाद साइबर अपराधों की दर में गिरावट दर्ज की गई। अब जांच टीम के विस्तार से इस पकड़ को और मजबूत किया जा सकेगा।

यह समझना होगा कि डिजिटल युग में सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह ठगी का जाल और भी व्यापक रूप ले सकता है, जिससे न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक विश्वास भी प्रभावित होगा।

यह आंकडे तो दिल्ली के है देश भर में यह ठगी का आंकडा बड़ा भी हो सकता है। लेकिन सतर्कता सावधानी जरूरी है।

डिजिटल ठगी से कैसे निजात पाएं

डिजिटल युग ने जहां हमारी जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं ठगों के लिए नए रास्ते भी खोल दिए हैं। आज मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ डिजिटल ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हर दिन आम लोग अपनी मेहनत की कमाई साइबर अपराधियों के जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि डिजिटल ठगी से कैसे बचा जाए और इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण कैसे हो। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि डिजिटल ठगी केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि जागरूकता की कमी का परिणाम भी है। ठग अक्सर फर्जी कॉल, मैसेज, ईमेल या लिंक के माध्यम से लोगों को भ्रमित करते हैं। आपका बैंक खाता बंद हो जाएगा, केवाईसी अपडेट करें, लॉटरी लगी है –जैसे लालच और डर पैदा करने वाले संदेश लोगों को जल्दी फैसले लेने पर मजबूर कर देते हैं। इसी जल्दबाजी का फायदा अपराधी उठाते हैं इस समस्या से निजात पाने का पहला और सबसे प्रभावी उपाय है–जागरूकता। आम नागरिकों को यह समझना होगा कि कोई भी बैंक या सरकारी संस्था कभी भी फोन या मैसेज के जरिए पासवर्ड या नहीं मांगती। ऐसे किसी भी अनुरोध को तुरंत नजरअंदाज करना चाहिए। साथ ही, अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचना और केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप का ही उपयोग करना जरूरी है।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है–तकनीकी सुरक्षा। मोबाइल और कंप्यूटर में अपडेटेड एंटीवायरस रखना, मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करना और समय-समय पर पासवर्ड बदलना जरूरी है। दो-स्तरीय सुरक्षा का उपयोग भी ठगी के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है।तीसरा, सरकार और संस्थाओं की भूमिका भी बेहद अहम है। साइबर अपराधों पर सख्त कानून, त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिलना आवश्यक है। साथ ही, पुलिस और साइबर सेल को आधुनिक तकनीक से लैस करना और उनकी क्षमता बढ़ाना समय की मांग है। जन-जागरूकता अभियान भी लगातार चलाए जाने चाहिए, ताकि ग्रामीण और शहरी–दोनों क्षेत्रों में लोग सतर्क रहें।इसके अलावा, यदि कोई व्यक्ति ठगी का शिकार हो जाता है, तो उसे घबराने की बजाय तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराना चाहिए, ताकि समय रहते पैसे को रोका जा सके।

डिजिटल ठगी से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जब तक हर व्यक्ति सतर्क और जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है। डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाते हुए हमें सावधानी और समझदारी भी अपनानी होगी। यही डिजिटल सुरक्षा का मूल मंत्र है और इसी से हम ठगी के इस बढ़ते खतरे से निजात पा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बरेली कॉलेज में 27 मार्च को होगा एक दिवसीय वृहद रोजगार मेला

बरेली , एजेंसी। बरेली कॉलेज में मंडल स्तरीय एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन 27 मार्च को किया जाएगा। बरेली कॉलेज व सेवायोजन कार्यालय की ओर से आयोजित मेले के लिए 50 से अधिक कंपनियों को आमंत्रित किया गया है। पहले चरण में आठ हजार युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। प्रभारी सहायक निदेशक सेवायोजन गौतम घोष के अनुसार मेला स्नातक, परास्नातक, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, बीबीए, एमसीए, बीटेक, एमटेक, एमबीए व अन्य पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मेले में शामिल होने के लिए युवाओं को रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। ऑफलाइन पंजीकरण की भी व्यवस्था होगी। मेले के लिए मंडल के सभी कॉलेजों में बने ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल से संपर्क करके अलग-अलग विषयों के अभ्यर्थियों तक सूचना पहुंचाकर पंजीकरण कराया जा रहा है।फरवरी में लगने वाला सांसद रोजगार मेला अब अप्रैल माह के तीसरे सप्ताह में आयोजित होगा। बताया जा रहा है कि विभाग की ओर से पहले वृहद मेला की जगह सांसद रोजगार मेला आयोजित होना था। किन्हीं कारणों की वजह से अब इसे अप्रैल में कराया जाएगा।

12वीं के बाद तय करें कैरियर, सही राह पर बढ़ें आगे

बरेली , एजेंसी। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं समाप्त हो चुकी हैं। सीबीएसई की परीक्षाएं पांच अप्रैल को खत्म होंगी। 12वीं की परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए कॅरिअर चुनने का यही सही समय है। कई विद्यार्थी पारंपरिक कोर्स से हटकर आगे बढ़ना चाहते हैं। वह रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में अवसर तलाश सकते हैं। दुविधा या किसी भटकाव की स्थिति में विशेषज्ञ से सलाह ले सकते हैं। ये बातें मंडलीय मनोविज्ञान केंद्र के काउंसलर रविंद्र कुमार ने कहीं। उन्होंने बताया कि कला वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सर्वाधिक चर्चा में रहने वाला विषय इंटरनेशनल रिलेशन है। इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर अच्छे हैं। बरेली कॉलेज की साइकोलॉजी विभाग की डॉ. हेमा खन्ना ने बताया कि वर्तमान समय में साइकोलॉजी व क्लीनिकल साइकोलॉजी की आवश्यकता बढ़ी है। लोगों की काउंसलिंग करना भी अच्छे प्रोफेशन के रूप में उभरा है। एक निजी विश्वविद्यालय ने बीते वर्ष फॉरेंसिक साइंस में स्नातक का कोर्स शुरू किया है। इससे छात्रों के लिए एक नया अवसर खुला है। स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष व कॅरिअर विशेषज्ञ पारुष अरोड़ा ने बताया कि कोरोना काल के बाद कई नए पाठ्यक्रम शुरू हुए हैं। इसमें वायरोलॉजी की मांग बढ़ी है। हालांकि, ये कोर्स शहर में उपलब्ध नहीं है। जेनेटिक्स में स्नातक का कोर्स शहर में शहर के निजी संस्थान में उपलब्ध है। इसके अलावा बरेली कॉलेज में स्टैटिस्टिक्स विषय में स्नातक व परास्तनाक कर सकते हैं।

एएमयू में फलस्तीन और ईरान का समर्थन, काली पट्टी बांधकर पढ़ी नमाज

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की जामा मस्जिद में ईद-उल-फितर की नमाज सुबह नौ बजे अदा की गई। इमाम-ए-जुमा मौलाना जाहिद हुसैन रिजवी की इमामत में हजारों लोगों ने नमाज पढ़ी। नमाज के बाद फलस्तीन और ईरान के समर्थन में जबरदस्त तकरीर हुई। बाजुओं पर काली पट्टी बांधे शिया समुदाय के लोग एक-दूसरे से गले नहीं मिले। नमाज के बाद मौलाना जाहिद ने कहा कि आज शिया समुदाय पर गम का पहाड़ टूटा है। जब फलस्तीन में बच्चों का खून बहाया गया, तब भी उन्होंने उन मजलूमों के समर्थन में आवाज बुलंद की थी। अब ईरान में 170 बच्चियों को मार दिया गया, तब भी वह उनके गम में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शिया समुदाय के रहबर आयतुल्लाह खामनेई को जिस तरह उनके घरवालों के साथ शहीद किया गया, वह दुनिया से छिपा नहीं है। उनके गम में आज पूरा शिया समुदाय अपने बाजुओं पर काली पट्टी बांधकर शोक जता रहा है। कोई एक-दूसरे से गले नहीं मिल रहा है और न ही कोई खुशी का इजहार कर रहा है। इससे पहले उन्होंने कहा कि रमजान के 30 दिनों में रोजेदारों ने गुनाहों से बचने की सीख ली है, आज से उस पर अमल करने का वक्त शुरू हो गया है।

चोरी की बिजली चलाते मिले 10 लोग, केस दर्ज

बरेली , एजेंसी। बकाया बिल और विद्युत चोरी के खिलाफ विद्युत निगम की टीम ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया। निगम ने संबंधित 10 उपभोक्ताओं के खिलाफ शनिवार को एफआईआर दर्ज कराई है।अधिशासी अभियंता दुर्गेश कुमार के निर्देशन में उपकेंद्र भमोरा के जेई विजय प्रताप व टीम ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। जांच के दौरान पाया गया कि कुछ उपभोक्ता बिल बकाया होने के कारण काटे हुए कनेक्शन के बावजूद बिजली का उपयोग कर रहे थे, जिसमें ग्राम खोराजपुर निवासी महेंद्र पाल, नीरज, सरिता, सुदामा, ग्राम रुद्रपुर निवासी मनोज, प्रेमपाल, महराज सिंह, पुष्पेंद्र, प्रदीप कुमार, अवनेंद्र यादव शामिल थे। विद्युत उपकेंद्र भमोरा के जेई विजय प्रताप सिंह ने बताया कि बिजली चोरी और बकाया बिल के मामलों में मामला दर्ज कराया गया है। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

एनसीईआरटी की 13000 नकली पुस्तकों के साथ तीन पकड़े

सप्लाई करने जा रहे थे मोदीनगर

मेरठ, एजेंसी। पुलिस ने चेकिंग के दौरान कार में नकली पुस्तकें सप्लाई करने जा रहे राहुल यादव, राहुल राणा और बाबर को गिरफ्तार कर लिया। तीनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। बरामद पुस्तकों की कीमत 15 लाख रुपये बताई जा रही है। एनसीईआरटी की 13 हजार नकली पुस्तकों के साथ गिरफ्तार किए गए आरोपी राहुल यादव, राहुल राणा और बाबर को मवाना थाना पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस द्वारा एनसीईआरटी की नकली पुस्तकों के नेटवर्क की जांच की जा रही है।

सीओ पंकज लवानिया ने बताया कि 20 मार्च को पुलिस संदिग्ध वाहनों की नहर पुल कुड़ी कमालपुर पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान वैगनआर कार और टाटा एस वाहन को पुलिस ने रोका। वैगनआर में राहुल राणा निवासी माधवपुरम दिल्ली रोड मेरठ, चालक बाबर निवासी मोहल्ला तिहाई और इनके पीछे राहुल यादव निवासी किशनपुर मलियाना बागपत रोड मेरठ थे। इनके पास से एनसीईआरटी की कक्षा 1 से 12वीं तक विभिन्न विषयों की दो हजार नकली पुस्तकें बरामद की गईं।

आरोपियों की निशानदेही पर गांव मटौरा स्थित गोदाम से एनसीईआरटी की 11 हजार अतिरिक्त नकली पुस्तकें बरामद की गईं। जांच में प्रथम दृष्टया पाया गया कि यह पुस्तकें मूल प्रकाशन की नकल कर अवैध रूप से छापी गई थी। जिनसे छात्रों व अभिभावकों को भ्रमित किया जा रहा था।

पूछताछ में राहुल राणा ने बताया कि फर्जी पुस्तकों को लेकर वैगनआर में मोदीनगर के सुभाष सिंघल एवं अल्मोड़ा के रामा पुस्तक भंडार को सप्लाई करने के लिए लेकर जा रहे थे। इस काम में उनका एक साथी अनिल निवासी डिफेंस एन्क्लेव थाना कंकरखेड़ा भी शामिल है।

मौके पर एनसीईआरटी की विशेषज्ञों की टीम ने पुस्तकों के नकली होने की पुष्टि की है। टीम ने बरामद फर्जी पुस्तकों की कीमत लगभग 15 लाख रुपये बताई है। आरोपियों के नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है। आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर चालान कर दिया है।

सुपारी और मर्डर : 40 हजार में आजादी, सुखरानी ने भाड़े के हत्यारों से कराया पति का कत्ल, सीडीआर ने खोला राज

कानपुर, एजेंसी। उन्नाव जिले के चमरौली गांव में ट्रक चालक की हत्या उसी की पत्नी ने ही 40 हजार रुपये की सुपारी देकर कराई थी। उसका कहना था पति नशे में आए दिन उससे और बच्चे से मारपीट करता था। इसी से आजिज आकर उसने दो युवकों से उसकी हत्या करा दी। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर 10,950 रुपये भी बरामद किए हैं। अजगैन कोतवाली के चमरौली गांव निवासी ट्रक चालक श्रीकांत उर्फ जगली (35) का 19 मार्च को गांव के बाहर गेहूं के खेत में शव मिला था। दोनों हाथ पीछे साड़ी से बंधे थे। पोस्टमार्टम में पसली टूटी थी। शरीर पर बाहरी चोट न नहीं थी। मां सुंदारा ने श्रीकांत की पत्नी सुखरानी और अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

शादी के कुछ समय बाद उसका बर्ताव बदल गया

पुलिस ने सुखरानी के फोन की सीडीआर निकलवाई, तो हत्या की वारदात परत दर परत खुलती चली गई। कोतवाल सुरेश सिंह ने बताया कि कॉल डिटेल के आधार पर सुखरानी से पूछताछ की गई, तो उसने सच उगल दिया। बताया कि श्रीकांत से उसने प्रेम विवाह किया था। एक बच्चा भी है, लेकिन शादी के कुछ समय बाद उसका बर्ताव बदल गया।

वह उस पर शक करने के साथ ही अक्सर नशे में उसे और बच्चे को पीटता था। इससे परेशान होकर हत्या की साजिश रच डाली। इसके लिए उसने 40 हजार रुपये की सुपारी माखी थाना के चितौली गांव निवासी परिचित अंकित यादव और अजगैन के सधीरा गांव निवासी मोहित सिंह को दी थी। दोनों ने 20-20 हजार रुपये मांगे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को शनिवार की सुबह चमरौली बाजार से कुछ दूर गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने सुखरानी और अंकित यादव के पास से एक-एक मोबाइल बरामद किया है। अंकित के पास से सुपारी की रकम के बचे 5,250 रुपये और मोहित सिंह के पास से 5,700 रुपये भी बरामद किए हैं।

बिजली संकट को देखते हुए प्रदेश में बदला नियम, ट्रांसफार्मर जला तो अभियंताओं से होगी वसूली

लखनऊ, एजेंसी। ट्रांसफार्मर जलने पर अभियंता जिम्मेदार होंगे। जले ट्रांसफार्मर की मरम्मत पर होने वाले व्यय की रिकवरी भी संबंधित अभियंता से की जाएगी। पॉवर कार्पोरेशन अध्यक्ष डॉ आशीष गोयल ने सभी निगमों के प्रबंध निदेशकों को निर्देश जारी कर दिया है। भेजे गए निर्देश में कहा गया है कि 10 केवीए से 63 केवीए तक के ट्रांसफर के जलने पर अवर अभियंता से 50 प्रतिशत, उपखंड अधिकारी से 30 फीसदी, अधिशासी अभियंता से 20 फीसदी रिकवरी होगी। 100 केवीए से 250 केवीए तक के ट्रांसफर पर अवर अभियंता से 40 फीसदी, उप खंड अधिकारी से 40फीसदी, अधिशासी अभियंता से 20 फीसदी वसूली होगी।

इसी तरह 400 केवीए से 1000 केवीए तक के ट्रांसफर पर अवर अभियन्ता से 30 फीसदी, उपखंड अधिकारी से 30 फीसदी, अधिशासी अभियंता से 30 फीसदी और अधीक्षण अभियंता से 10फीसदी की वसूली की जाएगी।

इस रिकवरी के लिए संबंधित को सक्षम अधिकारी द्वारा नियम-10 का नोटिस जारी किया जाएगी। सभी क्षमता के ट्रांसफार्मरों पर शत-प्रतिशत् फ्यूज सेट/टेललेस यूनिट लगाने के लिए सभी डिस्काम को निर्देशित किया गया है। ऐसे में ट्रांसफार्मरों को डैमेज से बचाने के लिए हर सम्भव प्रयास किया जाए।

अलीगढ़ नायब शहर : बच्चों का भविष्य संवारने आया अलीगढ़, एएमयू ने संवार दी जिंदगी

अलीगढ़ , एजेंसी। वर्ष 1964 में राजस्थान के डींग जिले (उस वक्त जनपद भरतपुर का हिस्सा) की नगर तहसील के गांव जगरका में जन्मे अयूब खान अलीगढ़ के नायब मुफ्ती बनाए गए हैं। छह पीढ़ी बाद दूसरे खानदान से नायब शहर मुफ्ती चुने गए हैं।

अलीगढ़ के नायब मुफ्ती अयूब खान कहते हैं कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी ने उनके छह बच्चों की जिंदगी बना दी। सबसे बड़े बेटे डॉ. शफीकुर रहमान ने बीयूएमएस किया और अब वे डॉक्टर हैं। दूसरे बेटे शकील और तीसरे बेटे मो. खलील ने सिविल इंजीनियरिंग की। बेटी जीनत बीए कर रही हैं। बेटे कामिल बीएससी बायो टेक्नोलॉजी का कोर्स पूरा कर रहे हैं। सबसे छोटी बेटी खुशनुमा भी बीए कर रही हैं। कहते हैं कि एएमयू से सभी बच्चों की पढ़ाई हुई तो दिल को सुकून मिला। दिन रात की इबादत में अल्लाह से जो मांगा, मिल गया...।

गौर हो कि अलीगढ़ आने से पहले वर्ष 1995 में नायब मुफ्ती मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कागजी ढोड़ी मस्जिद और मदरसा में रहे। नमाज पढ़ाने के साथ मदरसे के बच्चों को कुरान की तालीम दी, वहां शिक्षा के स्तर को सुधारने में अपना योगदान दिया। लेकिन वहां स्कूली शिक्षा का स्तर अच्छा नहीं होने से अपने बच्चों के

भविष्य की चिंता सताने लगी। लोगों से पूछा तो उन्हें उच्च शिक्षा के लिए अलीगढ़ और एएमयू का पता बताया गया।

बस फिर क्या था, बच्चों का भविष्य संवारने के लिए वे तालीम के शहर अलीगढ़ आने की तैयारी करने लगे। वर्ष 2006 में अलीगढ़ आए और यहां पूरी मालूमात की। एएमयू गए और वहां के स्कूलों के बारे में जानकारी जुटाई। यहां का माहौल और उच्च शिक्षा की बेहद सस्ती सहूलियत देखी तो दिल खुश हो गया। इसके बाद शाहजमाल ईदगाह के पास टनटनपाड़ा में किराये के मकान में बस गए। पास की रहीम मस्जिद में नमाज पढ़ाने लगे, तब से 20 वर्ष बीत गए, वे लगातार इसी मस्जिद में नमाज पढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में उन्होंने न्यू धौर्रा में अपना निजी मकान बनवाया है।

राजस्थान के डींग जनपद के रहनेवाले हैं नायब मुफ्ती अयूब खान

वर्ष 1964 में राजस्थान के डींग जिले (उस वक्त जनपद भरतपुर का हिस्सा) की नगर तहसील के गांव जगरका में जन्मे अयूब खान अलीगढ़ के नायब मुफ्ती बनाए गए हैं। वर्ष 1977 से 1989 तक उनकी शुरुआती तालीम घर के पास ही दरुल उलूम मुहम्मदिया मिल खेड़ला मदरसे में हुई। वर्ष 1990-91 में उन्होंने देवबंद से आलमियत (बुनियादी शिक्षा) फजीलत (उच्च शिक्षा) की डिग्री हासिल की। डिग्री लेकर हरियाणा के नूंह जनपद के फिरोजपुर झिरका स्थित मदरसा सुभानिया हिजरा में तालीम देना शुरू किया। वर्ष 1992 से 1994 तक वहीं रहे। 1995 में मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित मस्जिद में इमाम बने। 2006 में अलीगढ़ आ गए।

59 जांचें होनी थीं.. केवल बीपी और वजन नाप रहे हेल्थ एटीएम

अलीगढ़ , एजेंसी। तीन बड़े सरकारी अस्पतालों को सीएसआर फंड से दान में मिले लाखों रुपये के हेल्थ एटीएम शो पीस बन कर रह गए हैं।इनसे 10 मिनट में 50 से 59 प्रकार की जांचें कराने का दावा किया गया था, लेकिन यह केवल बीपी और वजन नाप रहे हैं, बाकी कोई जांच नहीं हो रही है। दीनदयाल अस्पताल की मशीन तो कई दिनों से बंद है, जिसकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है। एक मशीन की कीमत लगभग 8 से 10 लाख रुपये तक है।

मलखान सिंह जिला चिकित्सालय, मोहनलाल गौतम महिला चिकित्सालय और डीडीयू अस्पताल में लगे हेल्थ एटीएम की पड़ताल की। इन एटीएम में बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन, लिक्विड प्रोफाइल, यूरिन, विजन, प्रोटीन आदि की जांच होनी थीं, ताकि मरीजों को लंबी कतारों और निजी पैथोलॉजी के महंगे खर्च से छुटकारा मिल सके, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। मशीनें या तो खराब हो गई हैं या सिर्फ बीपी व वजन की जांच तक सीमित हो गई हैं। इनका कोई ऑपरेटर नहीं है, टेक्नीशियन गायब हैं। जांच स्ट्रिप खत्म होने और बैटरी डिस्चार्ज होने के चलते यह शोपीस बनकर रह गईं हैं। इनके पास पहुंच कर मरीज मायूस होकर लौट रहे हैं।

हरदुआगंज में दो दिन से जांच नहीं : अलीगढ़।

हरदुआगंज सीएचसी से मरीज डीडीयू अस्पताल में रक्त की जांच कराने पहुंचे।

रामकुमार ने बताया कि बेटी परी का उपचार कराने सीएचसी हरदुआगंज गए। चिकित्सक ने रक्त की जांच लिख दी, जांच कराने लैब गए तो पता चला कि जांच नहीं हो रही। दूसरे दिन भी यही हाल रहा। जिसके बाद वहां के स्टाफ ने डीडीयू अस्पताल भेज दिया है। जांच न होने से दवा नहीं मिल पा रही है।

सीएम योगी ने नर्सिंग अफसरों को दिए नियुक्ति पत्र

बोले- इस क्षेत्र में पढ़ाई करने वालों की मांग हमेशा रहती

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 492 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। बाकी, 736 अभ्यर्थियों को 13 राजकीय मेडिकल कॉलेजों और दो चिकित्सा संस्थानों में आयोजित लाइव कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा नियुक्ति पत्र दिए गए। नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम लोकभवन में आयोजित हुआ।

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा नर्सिंग क्षेत्र ऐसा है, जहां पूरी गारंटी है, कि आपने इस क्षेत्र में पढ़ाई की है तो नौकरी मिलेगी है। इनकी डिमांड सिर्फ यूपी या भारत ही नहीं विदेशों में भी है। पिछले 9 वर्ष में यूपी में 81 मेडिकल कॉलेज हो गए हैं। 2017 से पहले नियुक्ति जो जाती थी, लेकिन डॉक्टर अस्पताल जाएं या ना जाएं, मरीजों को इलाज मिले या न

मिले, किसी से कोई मतलब नहीं होता था। अब व्यवस्थाएं बदली हैं। उन्होंने कहा कि जो एएनएम-जीएनएम कॉलेज पिछली सरकारों में बंद हो चुके थे, उन्हें हमने शुरू किया। 35 एएनएम कॉलेज और 31 नर्सिंग कॉलेज बेहतर किए गए। प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने हेल्थ केयर को प्राथमिकता पर लिया। पहले सब कुछ भगवान भरोसे चल रहा था। आज 14 करोड़ 28 लाख आभा आईकार्ड जारी किए गए हैं। 976 सीएचसी में टेली मेडिसिन की सुविधा दी जा रही है। सीएम ने कहा कि पहले माफिया और सरकार पैरलल चलते थे। लेकिन, आज माफिया का सिस्टम खत्म हुआ है। हमने एक जिला एक मेडिकल कॉलेज दिया है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के मुताबिक, इन नियुक्तियों से सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर होंगी। यह भर्ती प्रक्रिया उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से पूरी की गई है।

युवक को पीटा...वाहन के फोड़े शीशे, लग्जरी कार में मिले चार नाबालिग ; सोनभद्र में बवाल

सोनभद्र, एजेंसी। म्योरपुर थाना क्षेत्र के आश्रम मोड़ पर शनिवार की देर शाम एक लग्जरी वाहन में बैठे एक महिला और एक पुरूष की संदिग्ध गतिविधि और उसमें चार नाबालिग बच्चों को बैठा देख ग्रामीण भड़क उठे। बच्चा चोरी का शक जताते हुए जहां लोगों ने जमकर हंगामा किया। वहीं पीआरवी पहुंचने के बाद भी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही।

आधे घंटे समय तक रही बवाल की स्थिति के बीच कुछ लोगों ने वाहन के ड्राइविंग सीट पर बैठे व्यक्ति की खिंचकर पिटाई कर दी। वाहन के आगे-पीछे दोनों शीशे भी तोड़ डाले गए। पुलिस ने किसी तरह समझा-बुझाकर शांत कराया।

इसके बाद संदिग्ध व्यक्तियों और बच्चों को थाने ले जाया गया। जहां उनसे देर रात तक पूछताछ जारी थी। वहीं उनकी बताई गई बातों की सत्यता जांचने के लिए बच्चों के परिवार वालों को बुलाया गया था। वाहन में मौजूद मिले बच्चे बीजपुर क्षेत्र के आदिवासी परिवारों के बताए जा रहे हैं। कहीं ह्यूमन ट्रैफिकिंग का तो मामला नहीं, इसके लिए बाल कल्याण समिति ने भी चाइल्ड हेल्पलाइन के जरिए जांच शुरू कर दी है।बताते हैं कि शाम छह बजे के करीब चंदौली की नंबर वाली एसयूवी 700 म्योरपुर थाना क्षेत्र के आश्रम मोड़ पहुंची। वाहन चला रहे व्यक्ति ने उसे सड़क के किनारे लगा दिया। उसमें बैठी एक महिला नीचे उतर गई। गाड़ी में चार नाबालिग बैठे हुए थे। दोनों की गतिविधियां कुछ इस तरह दिखीं कि लोगों को शक गहरा गया। वहां जाकर लोगों ने उन दोनों से पूछताछ के साथ ही बच्चों से जानकारी ली तो पता चला कि बच्चे किसी और के हैं। महिला-पुरूष का रिश्ता भी स्पष्ट नहीं हो पाया। इस पर लोग भड़क उठे और बच्चा चोरी का शक जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। 112 नंबर डायल कर पुलिस को भी सूचना दी गई।

इस बीच कुछ लोगों ने चालक सीट पर बैठे व्यक्ति को खिंचकर पिटाई शुरू कर दी। वाहन का शीशा भी तोड़ दिया। पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाना-बुझाना शुरू किया तो लोग लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिसकर्मियों पर भी भड़क उठे। तब तक थानाध्यक्ष रविकांत मिश्रा भी पहुंच गए। लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराने के बाद दोनों संदिग्ध व्यक्तियों और बच्चों को थाने ले जाया गया।

गैस रिफिलिंग के अवैध खेल पर कार्रवाई, काकादेव और रावतपुर से 14 सिलिंडर बरामद, चार पर एफआईआर दर्ज

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में पूर्ति निरीक्षकों ने छापे मारकर काकादेव में आठ और रावतपुर में छह सिलिंडर बरामद किए। उन्होंने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पनकी में खाद्य पूर्ति निरीक्षक शुभ्रा वर्मा ने दी तहरीर में बताया कि 20 मार्च को काकादेव चंदेल चौराहे के पास स्थित अजंता इलेक्ट्रॉनिक एंड रिपेयरिंग सेंटर के बगल में कलीम अहमद सिद्दीकी और यासीन अहमद के यहां से आठ घरेलू सिलिंडर, तीन रिफिलर यंत्र, पेचकस, इलेक्ट्रानिक कांटा मिला।

काकादेव इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर पर कलीम और यासीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। इसी प्रकार, रावतपुर थाना क्षेत्र में नवाबगंज की खाद्य

पूर्ति निरीक्षक शालिनी चतुर्वेदी ने दी तहरीर में बताया कि कृष्णा स्वीट हाउस के बगल में मनोज यादव और अनीता यादव के यहां से छह सिलिंडर बरामद किए। रावतपुर थानाध्यक्ष कमलेश राय ने बताया कि मनोज और अनीता के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की है।

कोटेदार पर राशन वितरण में अनियमितता का आरोप

बरेली , एजेंसी। थाना क्षेत्र के गांव पऊनगला निवासी ग्रामीणों में क्षेत्र के कोटेदार के खिलाफ राशन में अनियमितता व घटतौली को लेकर काफी आक्रोश है। यह आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत पूर्ति अधिकारी से भी की है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीण राशन उपभोक्ताओं का कहना है कि पिछले कई महीनों से राशन वितरण में लगातार गड़बड़ी की जा रही है। ग्रामीण उपभोक्ताओं का आरोप है कि कोटेदार द्वारा खिड़की से राशन वितरण किया जा रहा है। मानक तौल मशीन की जगह दूसरे कांटे से तौलकर प्रति यूनिट 4 किलो ही राशन दिया जा रहा है।

तमिलनाडु में टमाटरों की कीमतों में भारी गिरावट, किसानों ने तुड़ाई की बंद

थोक बाजारों में अधिक आपूर्ति के चलते कीमतों में आई तेज गिरावट

चेन्नई, ।

तमिलनाडु के कई जिलों में टमाटर उत्पादक गंभीर संकट में हैं क्योंकि बाजार की कीमतों में भारी गिरावट आई है। इसके चलते वे अपनी लागत तक वसूल नहीं कर पा रहे हैं। कई इलाकों में किसानों ने कटाई बंद कर दी है और कम दाम मिलने के कारण पूरी तरह तैयार फसल को खेतों में ही छोड़ दिया है। कीमतों में इस अचानक गिरावट का कारण कई उत्पादन क्षेत्रों से भारी मात्रा में आपूर्ति होना बताया जा रहा है, जिससे थोक बाजारों में अधिक आपूर्ति हो गई है। इसके चलते कम समय में ही कीमतों में तेज गिरावट आई, जिससे किसान हैरान रह गए और फसल के चरम सीजन में उनकी अपेक्षित आय प्रभावित हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्यापारियों द्वारा पिछले हफ्तों की तुलना में काफी कम दाम दिए जा रहे हैं, जिन किसानों ने खेती में भारी निवेश किया था, वे अब संचालन लागत संभालने में संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि बाजार अतिरिक्त आपूर्ति को समाहित नहीं कर पा रहा है। बढ़ती मजदूरी लागत ने इस संकट को और बढ़ा दिया है। किसानों का कहना है कि कटाई और परिवहन की लागत ज्यादा होने से मौजूदा कीमतें खर्च को भी पूरा नहीं कर पा रही हैं। इसी वजह से नुकसान कम करने के लिए कटाई रोकने का चलन बढ़ रहा है। डिंडीगुल के किसानों ने बताया कि 14 किलोग्राम के एक टमाटर बॉक्स की कीमत घटकर 100 से 150 रुपए रह गई है, जबकि कुछ हफ्ते पहले यह 400 से 600 रुपए थी। वहीं, मजदूरी लागत करीब 400 रुपये प्रतिदिन है।रिपोर्ट के मुताबिक गिरती कीमतों और बढ़ती लागत के संयुक्त प्रभाव से कई किसानों ने नुकसान से बचने के लिए तोड़ाई बंद कर दी है। कई किसानों ने स्थिर बाजार की उम्मीद में खेती का विस्तार किया था लेकिन अब वे बढ़ते आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं। कटाई की लागत लगभग 80 रुपए प्रति बॉक्स आंकी जा रही है लेकिन मौजूदा बाजार मूल्य बुनियादी खर्च भी नहीं निकाल पा रहा, जिससे किसानों का नुकसान और बढ़ रहा है।धर्मपुरी जिले में कीमतों में हल्की सुधार के संकेत मिले हैं, जहां हाल की बारिश के बाद आपूर्ति कम होने से कीमतें 13 से 15 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंची हैं। हालांकि, किसानों का कहना है कि बाजार अभी भी अस्थिर और अनिश्चित बना हुआ है। तिरुचिरापल्ली जिले के मरुंगापुरी क्षेत्र में भी स्थिति ऐसी ही है, जहां

किसानों ने कटाई रोक दी है। तोड़ाई और परिवहन की लागत करीब 3,000 रुपये प्रति एकड़ होने के कारण मौजूदा कीमतों पर काम जारी रखना संभव नहीं है।विशेषज्ञों ने दीर्घकालिक समाधान की जरुरत पर जोर देते हुए बेहतर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं और न्यूनतम समर्थन तंत्र जैसे उपायों की जरूरत बताई है, ताकि किसानों को बार-बार होने वाली कीमत गिरावट से बचाया जा सके और उन्हें स्थिर आय तय हो सके।

इनोविजन का शेयर 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सूचीबद्ध

बीएसई पर शेयर ने 466 रुपये पर कारोबार शुरू किया

नई दिल्ली ।

मानव संसाधन एवं टोल प्लाजा प्रबंधन सेवाएं देने वाली कंपनी इनोविजन लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 519 रुपये के मुकाबले 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 466 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 10.21 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

दूसरी ओर, एनएसई पर यह 9.88 प्रतिशत टूटकर 467.70 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 914.67 करोड़ रुपये रहा। इनोविजन लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को` पिछले मंगलवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 3.32 गुना अभिदान मिला था। इनोविजन ने निवेशकों से मिली ठंडी प्रतिक्रिया के बाद अपने आईपीओ की अंतिम तिथि बढ़ाकर 17 मार्च कर दी थी और साथ ही मूल्य दायरा भी घटा दिया था। आईपीओ पहले 12 मार्च को बंद होने वाला था। कंपनी ने मूल्य दायरे को 521-548 रुपये प्रति शेयर से घटाकर 494-519 रुपये प्रति शेयर कर दिया था। हरियाणा स्थित इस कंपनी के आईपीओ में 255 करोड़ रुपये के नए शेयर और 12.38 लाख शेयर का बिक्री पेशकश (ओएफएस) का प्रस्ताव शामिल था।कंपनी की योजना नए निर्गम हासिल धनराशि का उपयोग ऋण के भुगतान, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं का पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने की है।

महाराष्ट्र में 20 प्रतिशत बढ़ाई गई रेस्तरां व भोजनालयों को पीएनजी की आपूर्ति- मंत्री

मुंबई ।

महाराष्ट्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पाइप से मुहैया कराई जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने यह जानकारी दी और कहा कि इससे रेस्तरां एवं भोजनालयों को राहत मिलेगी। मंत्री ने कहा कि सरकार ने कारोबारियों के लिए पीएनजी वितरण में ढील देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा` कि 23 मार्च से अगले आदेश तक व्यावसायिक पीएनजी आपूर्ति में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही व्यावसायिक क्षेत्र के लिए आपूर्ति बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगी।पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद व्यावसायिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई जिससे रेस्तरां और भोजनालयों पर असर पड़ा। गैस आपूर्ति बाधित होने के कारण कई खानपान केंद्रों को अपना संचालन अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। भुजबल ने कहा कि संकट शुरू होने के बाद व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी आपूर्ति पहले 20 प्रतिशत तक बढ़ाई गई थीं इसके बाद इसमें 10 प्रतिशत की और वृद्धि की गई। अब आपूर्ति में अतिरिक्त 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। होटल उद्योग की ओर से रेस्तरां और भोजनालयों को गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की जा रही थी। भुजबल ने पहले कहा था कि घरेलू उपयोग को प्राथमिकता देने संबंधी केंद्र सरकार की सलाह के बाद होटल मालिकों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर राज्य सरकार विचार करेगी।

रुपया 41 पैसे टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 93.94 डॉलर पर

- रुपया शुक्रवार को 64 पैसे टूटकर 93.53 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 41 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 93.94 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और डॉलर के मजबूत रुख से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और सुबह के सत्र में घरेलू शेयर बाजारों में आई भारी गिरावट ने स्थानीय मुद्रा को और कमजोर कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.84 पर खुला। हालांकि बाद में यह लुढ़कता हुआ 93.94 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 41 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

भू-राजनीतिक तनाव के बीच क्रूड की कीमतें 10 फीसदी बढ़ने का अनुमान

ब्रेंट क्रूड 0.73 फीसदी बढ़कर 113.01 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

वैश्विक तेल बाजार में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने 2026 के लिए कच्चे तेल की कीमतों का अनुमान काफी बढ़ा दिया है। बैंक ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति में भारी बाधा वैश्विक क्रूड बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा सप्लाई शॉक बन सकती है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत अब 85 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पहले के 77 डॉलर के अनुमान से 10.38 फीसदी अधिक है। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड का अनुमान भी बढ़ाकर 79 डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है। यह जानकारी बैंक के विश्लेषक ने अपनी रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट के अनुसार यदि होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति छह हफ्तों तक केवल 5 फीसदी क्षमता पर बनी रहती है, तो पश्चिम एशिया में उत्पादन नुकसान 1.1 करोड़ बैरल/दिन से बढ़कर 1.7 करोड़ बैरल/दिन तक पहुंच सकता है। आपूर्ति बहाल होने में चार हफ्ते लगने पर कुल नुकसान 800 मिलियन बैरल से अधिक हो सकता है। बैंक ने चेतावनी दी है कि यह अभूतपूर्व संकट नीति

निर्माताओं और निवेशकों को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की संरचनात्मक कमजोरियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। तेल बाजार पर अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष का असर साफ दिखा। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 0.73 फीसदी बढ़कर 113.01 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.32 फीसदी चढ़कर 101.50 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। हालांकि एशिया में आपूर्ति सख्त हो रही है, लेकिन अमेरिका और यूरोप में भंडार बढ़ने से संकेत मिलता है कि संघर्ष से पहले वैश्विक आपूर्ति मांग से अधिक थी।

भारतीय प रिवारों के घरों में रखा सोना अब देश की जीडीपी से भी बड़ा

जनवरी 2026 तक भारतीय घरों में रखे सोने की कुल कीमत 445 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली ।

भारतीयों का सोने के साथ रिश्ता केवल निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, सांस्कृतिक महत्व और सुरक्षा की भावना से भी जुड़ा हुआ है। लेकिन हालिया आंकड़े यह दिखाते हैं कि यह संबंध अब देश की पूरी अर्थव्यवस्था (जीडीपी) को भी पीछे छोड़ चुका है। जनवरी 2026 तक भारतीय घरों में रखे सोने की कुल कीमत 5 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 445 लाख करोड़ रुपये) को पार कर चुकी है। आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के अनुसार 2025-26 में भारत की कुल जीडीपी 4.125 ट्रिलियन डॉलर रहने की उम्मीद है। यानी भारतीय घरों में रखा सोना देश की सालाना कमाई से लगभग 125 फीसदी अधिक मूल्यवान है। सीधे शब्दों में कहें, अगर भारत के सभी घरों का सोना एक साथ रखा जाए, तो यह पूरी देश की अर्थव्यवस्था से अधिक मूल्यवान साबित होगा। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की ताजा रिपोर्ट इस आंकड़े को और दिलचस्प बनाती है। जनवरी 2026 तक घरों में रखा सोना बीएसई में लिस्टेड सभी कंपनियों की कुल मार्केट कैप (460 लाख करोड़ रुपये) के लगभग बराबर पहुंच चुका है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारतीयों का भरोसा बैंक डिपॉजिट या शेयर बाजार से कहीं अधिक सोने पर

है। आज घरों में जमा सोने की कीमत बैंकों और शेयर बाजार में निवेश के कुल योग का 1.75 गुना है। पिछले कुछ सालों में सोने के प्रति दीवानगी तेजी से बढ़ी है; मार्च 2019 में घरों में रखे सोने की वैल्यू 109 लाख करोड़ रुपये थी, जो अब चार गुना बढ़ चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब पैसा सोने में बंधा रहता है तो यह डेड एसेट बन जाता है और बाजार में घूमकर विकास में योगदान नहीं करता। इसके अलावा, भारत अपनी सोने की जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, इसलिए यह घरेलू पूंजी का बाहर जाना भी माना जाता है। वर्तमान में भारतीयों की गैर-रियल एस्टेट संपत्ति का लगभग 65 फीसदी हिस्सा केवल सोने में बंद है, जो निवेश और परंपरा का अनोखा मिश्रण दर्शाता है।

भारत की स्टार्टअप डीपग्रिड सेमी करेगी एआई चिप्स में निवेश, जुटाएगी 25 करोड़

वेंचर कैपिटलिस्ट और एंजल इन्वेस्टर के साथ चल रही बातचीत

मुंबई ।

तेलंगाना के टी-हब द्वारा समर्थित सेमीकंडक्टर स्टार्टअप डीपग्रिड सेमी अपने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) संचालित` सिस्टम आन ` चिप (एसओसी) समाधानों के लिए 25 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। ये एसओसी समाधान एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) के लिए विकसित किए जा रहे हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार तकनीकी जानकारी हासिल कर ली गई है और इसे फिलहाल एफपीजीए (फील्ड-प्रोग्रामेबल गेट एरे) पर लागू किया जा रहा है। जहां एक चिपसेट की कीमत लगभग 35,000 रुपये है। अगर हम इसकी कीमत 3,000 रुपये तक लाना चाहते हैं तब हमें टेप-आउट की जरूरत है जिसकी लागत लगभग 30 लाख डॉलर आएगी। तेलंगाना सरकार के टी-हब द्वारा समर्थित इस स्टार्टअप का लक्ष्य अगले 10 महीनों में इन एसओसी चिपसेट का टेप-आउट पूरा करना है।

यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वेंचर कैपिटलिस्ट और एंजल इन्वेस्टर के साथ उनकी बातचीत कैसी रहती है। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए डीपग्रिड सेमी एफपीजीए के कई यूज केस पर जोर दे रही है ताकि उत्पाद बाजार में इसे दिखाया जा सके। एफपीजीए असल में एक सेमीकंडक्टर इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) है जो उपयोगकर्ताओं को मैन्युफैक्चरिंग के बाद लॉजिक ब्लॉकों और इंटरकनेक्ट्स को कॉन्फिगर और इसकी दोबारा प्रोग्रामिंग करने की सुविधा देता है। ये आईसी फील्ड ट्रायल के आधार पर जल्दी अपडेट हो सकते हैं। अधिकारी ने कहा` कि हमने ह्यूमनॉयड्स, ऑटोनॉमस मोबाइल रोबोट्स (एएमआर) और सी पोर्ट्स के लिए ऑटोमेटेड गाइडेड व्हीकल्स (एजीवी) पर कुछ फील्ड ट्रायल किए हैं। हमारे लिए यूज केस पर ध्यान केंद्रित करना बेहतर है क्योंकि हम पैसे जुटा रहे हैं।

जब हम पैसा जुटा लेंगे तब भी हम केवल अपने यूज केस को बढ़ाना चाहेंगे। कंपनी कुछ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक एवं निजी वाहन निर्माताओं से भी बातचीत कर रही है जो भारत में अपनी गाड़ियां बनाते हैं, ताकि एडीएएस चिप के फील्ड ट्रायल किए जा सकें।

अब 14.2 किलो के रसोई गैस सिलेंडर में मिलेगी सिर्फ 10 किलो गैस?

नई दिल्ली ।

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव का असर अब भारत की रसोई तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। खाड़ी देशों से एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति प्रभावित होने के बाद तेल विपणन कंपनियां घरेलू सिलेंडरों में गैस की मात्रा कम करने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पारंपरिक 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर में केवल 10 किलोग्राम गैस भरकर वितरण करने की योजना पर चर्चा हो रही है, ताकि सीमित स्टॉक को अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाया जा सके। इस संकट की बड़ी वजह स्ट्रेट आफ होर्मुज में पैदा हुई बाधाएं हैं, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल-गैस मार्गों में से एक है। मौजूदा हालात में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे भारत आने वाली गैस सप्लाई पर दबाव बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि कई एलपीजी टैंकर इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं, जिससे आने वाले दिनों में किल्लत की आशंका और गहरा सकती है।

तय करनी होंगी। अधिकारियों का मानना है कि 10 किलो गैस एक औसत परिवार के लिए लगभग एक महीने तक पर्याप्त हो सकती है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

जैकब एंड कंपनी ने पेश की हीरों से जड़ी 30 करोड़ की मास्टरपीस घड़ी

एंजेल कट हीरों और डबल फ्लाइंग टूरबिलन तकनीक से दमकती है यह दुर्लभ घड़ी

नई दिल्ली ।

लग्जरी वॉच मेकर जैकब एंड कंपनी ने अपनी नई मास्टरपीस घड़ी पेश की है, जो कीमत और चमक दोनों में ही अपने आप में एक रिकॉर्ड स्थापित करती है। लगभग 30 करोड़ रुपये की इस घड़ी की सबसे बड़ी खासियत है इसमें इस्तेमाल किए गए एंजेल कट हीरे, जो इसे बेहद विशिष्ट और भव्य बनाते हैं। सामान्य हीरों की तुलना में इसमें 37 फेसेट्स (पहलु) दिए गए हैं, जिससे यह हर एंगल से रोशनी को रिफ्लेक्ट करती है और साधारण हीरों के मुकाबले कई गुना अधिक चमकदार दिखाई देती है। इस घड़ी के निर्माण में दुनिया की सबसे महंगी सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है। घड़ी में कुल 298 सफेद हीरे जड़े गए हैं, जिनमें से 50 कैरेट के 98 एंजेल कट हीरे केवल बेजल में ही लगे हैं। इसका केस 18 कैरेट वाइट गोल्ड का बना है और इसका आकार 54 गु` णित 41 मिमी है, जो इसे देखने में और पहनने में बेहद प्रीमियम अनुभव देता है। घड़ी की मशीनरी भी उतनी ही खास है जितना कि इसका बाहरी हिस्सा। इसमें डबल फ्लाइंग टूरबिलन मैकेनिज्म का इस्तेमाल किया गया है, जो गुरुत्वाकर्षण के असर को कम कर समय को अत्यंत सटीक रूप से बताने में मदद करता है। जैकब एंड कंपनी ने इस घड़ी को बेहद दुर्लभ रखा है। दुनिया भर में इसके केवल 18 पीस ही बनाए गए हैं। इसका मतलब है कि केवल दुनिया के सबसे अमीर 18 लोग ही इस नायाब घड़ी को पहन पाएंगे। यह घड़ी न केवल लक्ज़री का प्रतीक है, बल्कि तकनीकी परिष्कार और बेहतरीन डिज़ाइन का भी शानदार उदाहरण है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने गुजरात में 510 मेगावाट की नई परियोजनाएं शुरू कीं

नई दिल्ली ।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के खावड़ा में 510 मेगावाट की नई बिजली परियोजनाओं को चालू कर दिया है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को यह सूचना दी। इन परियोजनाओं के साथ कंपनी की कुल संचालित नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता अब 17,982.3 मेगावाट तक पहुंच गई है। यह 510.1 मेगावाट की परियोजनाएं कंपनी की अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से संचालित की गई हैं। कंपनी ने बताया कि आवश्यक सरकारी मंजूरियों के बाद इन संयंत्रों को 22 मार्च से चालू किया गया। अदाणी ग्रीन एनर्जी भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है और यह नई परियोजनाएं कंपनी की स्वच्छ और सतत ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा हैं।

1 अप्रैल से कई बड़े लेनदेन अब बिना पैन के संभव नहीं होंगे

नई दिल्ली ।

1 अप्रैल से लागू होने वाले नए इनकम टैक्स कानून में पैन कार्ड की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। सरकार का दावा है कि नए नियम नौकरीपेशा, व्यवसायी और मध्यम वर्ग के लिए सुविधा बढ़ाएंगे, लेकिन कई तरह के लेनदेन अब बिना पैन के संभव नहीं होंगे। नई वित्तीय वर्ष से पैन कार्ड के बिना कई बड़े लेनदेन पूरे नहीं होंगे। इनमें शामिल हैं- 10 लाख रुपये से अधिक लेनदेन, 5 लाख रुपये से ज्यादा कीमत के वाहन की खरीद, महंगे होटल बुकिंग, 20 लाख रुपये से अधिक मूल्य वाली संपत्ति की खरीद या बिक्री। इसके अलावा एलटीसी और होम लोन पर टैक्स छूट पाने के लिए भी पैन जरूरी होगा। रकार ने बच्चों की ट्यूशन फीस पर मिलने वाली टैक्स छूट को बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह कर दिया है। हॉस्टल खर्च की छूट भी बढ़कर 9,000 रुपये प्रति माह हो गई है। यह छूट केवल दो बच्चों तक ही लागू होगी। लेकिन इन छूटों का लाभ पाने के लिए पैन कार्ड अनिवार्य है। 1 अप्रैल के बाद एचआरए के तहत टैक्स छूट लेने के लिए मकान मालिक का नाम, पता और पैन कार्ड देना होगा। पुराने टैक्स रिजीम के तहत जमा किए जाने वाले दस्तावेज अब और सख्त होंगे। नए नियमों के अनुसार, पैन बनवाने के लिए अब आधार के साथ जन्म प्रमाण पत्र देना जरूरी होगा। नया पैन कार्ड नाम के बिना जारी किया जाएगा और केवल संख्या और जरूरी जानकारी शामिल होगी। यह कदम धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड रोकने के लिए उठाया गया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने रेरा और उपभोक्ता कानून के दोहरे इस्तेमाल पर लगाई रोक

एक ही विवाद में दोनों का क्रमिक या समानांतर इस्तेमाल नहीं हो सकता

नई दिल्ली ।

सर्वोच्च न्यायालय ने मैसर्स काबरा ऐंड एसोसिएट्स बनाम रेखा राजकुमार हेमदेव एवं अन्य मामले में कहा है कि यदि कोई पक्ष रियल एस्टेट (नियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 (रेरा) के तहत राहत मांग रहा है, तो वह बाद में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उसी मामले के लिए उपभोक्ता अदालत का रुख नहीं कर सकता। अदालत ने इस मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का पिछला फैसला खारिज कर दिया। किंग स्टब्स ऐंड कासिवा के पार्टनर अमृता वर्षिणी श्रीधर ने बताया कि अदालत ने जोर देकर कहा कि दोनों कानून मकान खरीदारों को समाधान देते हैं, लेकिन एक ही विवाद में दोनों का क्रमिक या समानांतर इस्तेमाल नहीं हो सकता। इसका उद्देश्य फोरम के अनावश्यक इस्तेमाल और मामलों की अधिकता को रोकना है। बीएमआर लीगल के पार्टनर शांकी अग्रवाल ने कहा कि अदालत ने समाधान चुनने के सिद्धांत पर दृढ़ता से जोर दिया है। इससे मकान खरीदारों के लिए विकल्प समाप्त नहीं होते, बल्कि फोरम चयन प्रारंभिक और बाध्यकारी बन जाता है। रेरा मुख्य रूप से मकान कब्जा देने में देरी, रिफंड के दावे, परियोजना खुलासे और बिल्डर के दायित्व जैसे मामलों से निपटता है। इसके क्षेत्रीय केंद्रों और विशेष प्रक्रिया के कारण यह रियल एस्टेट विवादों का तेज़ और व्यावहारिक समाधान प्रदान करता है। रेरा अधिकारी बिल्डरों को परियोजना समय-सारणी का पालन करने, ब्याज सहित रकम वापस करने और वैधानिक उल्लंघन सुधारने के निर्देश दे सकते हैं। एक्विलॉ की पार्टनर आस्था शर्मा ने बताया कि रेरा स्वीकृत योजनाओं को लागू कर सकता है, पांच साल के भीतर ढांचागत खामियों को ठीक करवाने और डिफॉल्ट करने वाले डेवलपर्स के लिए तीन साल तक की जेल जैसी कार्रवाई कर सकता है। यहां तक कि गैर-पंजीकृत परियोजनाओं में भी शिकायतों की जांच संभव है।

धोनी ने चेपॉक के मैदान पर वर्ल्ड चैंपियंस को किया सम्मानित, सोशल मीडिया पर छाया ये लम्हा

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 से पहले चेपॉक स्टेडियम में हुए खास इवेंट में एमएस धोनी ने कुछ खिलाड़ियों को सम्मानित किया, जहां फैंस को शानदार माहौल और यादगार पल देखने को मिले।

28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 से ठीक पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने फैंस के लिए एक खास कार्यक्रम आयोजित किया। 22 मार्च को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में टीम ने मीट एंड ग्रीट इवेंट रखा, जहां मौजूदा खिलाड़ियों के साथ-साथ कई पूर्व दिग्गज भी मौजूद रहे।

धोनी ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

इस कार्यक्रम के दौरान पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने कुछ खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। खास तौर पर उन खिलाड़ियों को सम्मान मिला जिन्होंने हाल ही में भारत को विश्व विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह पल फैंस के लिए बेहद खास और यादगार रहा।

सैमसन, दुबे और म्हात्रे का सम्मान

सीएसके के तीन खिलाड़ियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। संजू सैमसन और शिवम दुबे ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं युवा खिलाड़ी आयुष म्हात्रे ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। धोनी ने चेपॉक के मैदान पर इन तीनों को सम्मानित किया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

'रोर 2026' में दिखा दिग्गजों का जमावड़ा

सीएसके ने इस मौके पर 'रोर 2026' नाम से एक भव्य इवेंट भी आयोजित किया। इसमें टीम के कई पूर्व खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें अंबाती रायडू, मैथ्यू हेडन, माइकल हसी, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, लक्ष्मीपति बालाजी और मुथैया मुरलीधरन शामिल रहे। सभी खिलाड़ियों ने मिलकर पुराने यादगार पलों को ताजा किया और हल्के-फुल्के अंदाज में एक-दूसरे के साथ समय बिताया। इस इवेंट के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

आईपीएल 2025 का खराब प्रदर्शन

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2025 का सीजन बेहद निराशाजनक रहा था। टीम ने 14 मैचों में केवल 4 जीत दर्ज की और पॉइंट्स टेबल में आखिरी स्थान पर रही। यह प्रदर्शन टीम और फैंस दोनों के लिए निराशाजनक रहा।

आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स अपने अभियान की शुरुआत 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करेगी। टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन कर वापसी करने की कोशिश करेगी। अब सभी की नजर इस बात पर है कि सीएसके इस सीजन में कैसा प्रदर्शन करती है और क्या वह अपनी पुरानी लय में लौट पाती है।

सीएसके ने रैना और हेडन को हॉल ऑफ फेम अवार्ड से सम्मानित किया

चेन्नई (एजेंसी)। पांच बार कि आईपीएल खिताब विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के 19 वें सत्र की शुरुआत से पहले प्रतिष्ठित हॉल ऑफ फेम पुरस्कार दिये। चेपॉक स्टेडियम में आयोजित 'रोर 26' नाम के एक कार्यक्रम में ये पुरस्कार टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुरेश रैना और मैथ्यू हेडन दो दिया गया। रैना, सीएसके में ÷चिन्ना थाला÷ के नाम से भी लोकप्रिय रहे हैं। वह सीएसके की ओर से सबसे बड़े मैच विजेता माने जाते हैं। उन्होंने साल 2008 से 2021 तक टीम की ओर से 2010, 2011, 2018 और 2021 में जीत हासिल की है। रैना अभी भी सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 5,529 रन बनाए, जिसमें 2 शतक और 38 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 2014 चैंपियंस लीग टी20 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी जीता था।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबा हेडन ने साल 2008 से 2010 तक सीएसके की ओर से खेलते हुए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हेडन साल 2009 में सीएसक की ओर से ऑरेंज कैप जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। तब उन्होंने 572 रन बनाए थे। उन्होंने सीएसके की ओर से कुल 1,117 रन बनाए और 8 अर्धशतक लगाए। वह 2010 में आईपीएल जीतने वाली टीम में भी शामिल थे। 'रोर 26' इवेंट इस समारोह में मुथेया मुरलीधरन , अंबाति रायडू सहित पूर्व दिग्गज खिलाड़ी शामिल हुए।

एलएसजी खिलाड़ियों ने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए

लखनऊ। लखनऊ सुपर जांयट्स (एलएसजी) के खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन ने शनिवार सुबह राम मंदिर अयोध्या पहुंच कर रामलला के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान टीम के मालिक संजीव गोयनका के साथ ग्लोबल क्रिकेट डायरेक्टर टॉम मूडी, मुख्य कोच जस्टिन लैंगर, सहायक कोच भारत अरुण और टीम के कप्तान रिषभ पंत समेत कई खिलाड़ियों ने विधिवत पूजा की। टीम के अन्य खिलाड़ियों में मयंक यादव, हिम्मत सिंह, आकाश सिंह, अक्षत रघुवंशी, प्रिंस यादव, अर्शीन कुलकर्णी, नमन तिवारी और मुकुल चौधरी भी मौजूद रहे। सभी ने भगवान श्रीराम के चरणों में नमन कर सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया। डॉ. गोयनका ने कहा कि भगवान राम का आशीर्वाद मिलने से सभी कार्य सफल होते हैं और सभी ने उनकी शरण में आकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर प्रबंधन की ओर से खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ को प्रसाद तथा रामनामी अंगवस्त्र भेंट किए गए और राम दरबार के दर्शन भी कराए गए। मंदिर परिसर में रिषभ पंत और अन्य खिलाड़ियों को देखकर प्रशंसकों में उत्साह देखने को मिला और लोगों ने उनके साथ सेल्फी ली। इस बीच, टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों ने ईद का त्योहार भी आपसी सौहार्द के साथ मनाया। सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी। इस अवसर पर मोहम्मद शमी,मोहसिन खान,आवेश खान,शाहबाज अहमद और अब्दुल समद सहित अन्य खिलाड़ियों ने भी एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और विशेष व्यंजनों का आनंद लिया।

मुझे 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पसंद नहीं है, आईपील2026 से पहले अक्षर पटेल ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स (DC) के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह नियम 10 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में ऑलराउंडरों की भूमिका को कम कर देता है, जिसका 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है।

'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को 2023 में लागू किया गया था जो सभी 10 IPL टीमों को मैच की किसी भी पारी में एक बल्लेबाज या गेंदबाज को बदलने की अनुमति देता है। अक्षर ने कहा, 'सच कहूं तो, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं। पहले, आप बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए एक ऑलराउंडर को चुनते थे। लेकिन इस नियम की वजह से, टीम मैनेजमेंट किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनता है, यह सोचकर कि 'हमें ऑलराउंडर की क्या ज़रूरत है?' क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं, इसलिए मुझे यह नियम पसंद नहीं है। साथ ही, नियम तो नियम होते हैं और हमें उनका पालन करना होता है। हालांकि, व्यक्तिगत दृष्टिकोण से मुझे यह नियम पसंद नहीं है।' DC अपना IPL 2026 अभियान एक अप्रैल को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ शुरू करेगा। यह पहली बार नहीं है जब अक्षर ने इस नियम के बारे में अपनी नाराजगी जाहिर की है। 2024 में छ्ष्ट के उप-कप्तान के तौर पर अक्षर ने कहा था कि 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की वजह से उनकी बल्लेबाजी की पोजिशन प्रभावित हुई थी। IPL करियर में 7.3 की इकॉनमी रेट होने के बावजूद अक्षर का पिछला साल गेंदबाज़ी के लिहाज़ से सबसे कमज़ोर रहा - 2019 में DC में शामिल होने के बाद से यह उनका सबसे खराब सीजन था। उन्होंने 11 पारियों में 8.5 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए और सिर्फ 5 विकेट लिए। उन्होंने साफ किया कि पिछले साल गेंदबाजी में उनका खराब प्रदर्शन 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की वजह से नहीं, बल्कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के सफल अभियान के दौरान लगी उंगली की चोट की वजह से था।

भारत की स्टार क्रिकेटर को मिला फरवरी महीने की 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का पुरस्कार

दुबई (एजेंसी)। भारत की स्टार क्रिकेटर अरुंधति रेड्डी को फरवरी महीने के आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के पुरस्कार से नवाजा गया है। अरुंधति को यह पुरस्कार ऑस्ट्रेलिया में भारत की यादगार जीत में अहम भूमिका निभाने वाले शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया है। यह मासिक पुरस्कार रेड्डी के अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पुरस्कार है।

तेज गेंदबाज अरुंधति ने इस सम्मान पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए सचमुच एक बहुत बड़ा सम्मान है और यह और भी खास इसलिए है क्योंकि मुझे ऑस्ट्रेलिया में टी-20 सीरीज जीतने में योगदान देने का मौका मिला। ऑस्ट्रेलिया को उसके अपने घर में हराना कभी आसान नहीं होता और इसी वजह से यह पुरस्कार मेरे लिए और भी ज्यादा मायने रखता है। अइस सीरीज जीत से हमारी टीम का आत्मविश्वास बहुत बढ़ा है, क्योंकि हम इस गर्मी में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप की तैयारी कर रहे हैं। हमारी टीम काफी संतुलित है। और मुझे पूरा यकीन है कि हम इस टूर्नामेंट में एक ऐसी टीम साबित होंगे जिस पर सबकी नजरें टिकी होंगी।'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में रेड्डी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। उन्होंने 10.87 की औसत से कुल आठ विकेट लिए और 7.25 की इकॉनमी रेट बनाए रखी। इस दाएं हाथ की तेज गेंदबाज ने सिडनी में खेले गए पहले ही मैच से अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया था। उस मैच में उन्होंने अपने करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर 4 विकेट लिए थे, जिसके लिए उन्हें'प्लेयर ऑफ द मैच'का पुरस्कार भी मिला था।

28 साल की इस गेंदबाज ने अगले दो मैचों में भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने कैनबरा में 30 रन देकर 2 विकेट और एडिलेड में खेले गए सीरीज के निर्णायक मैच में 35 रन देकर दो विकेट लिए। भारत की इस ऐतिहासिक जीत में रेड्डी के योगदान की भूमिका निर्णायक रही। भारत ने यह सीरीज 2-1 से अपने नाम की। जो 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में भारत की पहली टी-20 सीरीज जीत थी।

इंग्लैंड टीम में एजे की जगह न्यूकैसल के बार्न्स शामिल

लंदन। न्यूकैसल के विंगर हार्वे बार्न्स को थॉमस टुचेल की इंग्लैंड टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने घायल आर्सेनल मिडफील्डर एबेरेची एजे की जगह ली है। एजे रविवार को मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ काराबाओ कप फाइनल में आर्सेनल की 2-0 से हुई हार वाली टीम में शामिल नहीं थे। उन्हें पैर के निचले हिस्से में चोट लग गई थी। बार्न्स को इससे पहले भी अक्टूबर 2020 में टीम में बुलाया गया था। उस समय उन्होंने वेल्स के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में इंग्लैंड के लिए अपना एकमात्र मैच खेला था। स्कॉटलैंड ने बार्न्स को अपनी अंतरराष्ट्रीय निष्ठा बदलने और इस गर्मी में होने वाले विश्व कप में स्टीव क्लाक की टीम के लिए खेलने के लिए मनाने की कोशिश की थी। 28 वर्षीय बार्न्स अपने दादा-दादी के कारण स्कॉटलैंड की ओर से खेलने के योग्य थे। लेकिन बार्न्स ने स्कॉटलैंड के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। अब उन्हें उरुग्वे और जापान के खिलाफ होने वाले फ्रेंडली मैचों के लिए टुचेल की टीम में बुलाया गया है। इन मैचों में कई ऐसे खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा जो टीम में अपनी नियमित जगह बनाने की दौड़ में हैं। 'थ्री लायंस' (इंग्लैंड टीम) का मुकाबला 27 मार्च को उरुग्वे और 31 मार्च को जापान से होगा। ये दोनों मैच वेम्बली स्टेडियम में खेले जाएंगे। बार्न्स ने इस सीजन में न्यूकैसल के लिए सभी प्रतियोगिताओं में कुल 14 गोल किए हैं।

केकेआर ने प्रशंसकों के लिए प्रैक्टिस जर्सी पेश की

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आगामी सीजन के लिए अपनी प्रैक्टिस जर्सी पेश की है। यह पहली बार है जब फ्रेंचाइजी ने प्रशंसकों के लिए ट्रेनिंग किट पेश की है। यह कदम टीम की ट्रेनिंग जर्सी के शुरुआती अनावरण पर मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है। पहली झलक सामने आने के बाद, हजारों फैंस सोशल मीडिया पर आए, उन्होंने डिजाइन की तारीफ की और फ्रेंचाइजी से इसे खरीदने के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस बढ़ती मांग को सुनते हुए केकेआर ने अब प्रैक्टिस जर्सी को अपने फैंस के लिए उपलब्ध करा दिया है। एक नए, आधुनिक अंदाज़ में डिज़ाइन की गई यह जर्सी, टीम की पहचान से जुड़ी रहते हुए भी एक जीवंत, गर्मियों के लिए तैयार अपील रखती है। इसकी सबसे खास बात इसका टाइगर-प्रिंट पैटर्न है, जो बंगाल टाइगर से प्रेरित है - यह उस शक्ति, फुर्ती और निडर भावना का प्रतीक है जो टीम और इस क्षेत्र, दोनों की पहचान है। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स की मुख्य कार्यकारी बिंदा डे ने कहा, 'प्रैक्टिस जर्सी पर हमारे फैंस की प्रतिक्रिया अविश्वसनीय थी और इसने सचमुच उस गहरे जुड़ाव की पुष्टि की जो वे ब्रांड के साथ साझा करते हैं। हमने प्रैक्टिस जर्सी के लिए स्पष्ट मांग देखी और महसूस किया कि इसे उपलब्ध कराना ही सही होगा। एक परिष्कृत, गर्मियों के लिए तैयार रंग-रूप में फिर से डिज़ाइन की गई और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए तैयार की गई, कोलकाता नाइट राइडर्स की प्रैक्टिस जर्सी उस अनुशासन और तीव्रता को दर्शाती है जो केकेआर की पहचान है।'

मैनचेस्टर सिटी ने जीता ईएफएल कप का खिताब, फाइनल में आर्सेनल को 2-0 से हराया

लंदन (एजेंसी)। मैनचेस्टर सिटी ने ईएफएल कप फाइनल में आर्सेनल को 2-0 से हराते हुए खिताब को अपने नाम किया। मैनचेस्टर की तरफ से फाइनल में निको ओ'रेली ने दूसरे हाफ में चार मिनट के अंदर दो गोल करते हुए टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

मैनचेस्टर सिटी ने यह 9वीं लीग ट्रॉफी जीती है। सिटी से ज्यादा खिताब अब सिर्फ लिवरपूल के नाम है। पेप गार्डियोला ने मैनचेस्टर सिटी मैनेजर के तौर पर यह मशहूर ट्रॉफी पांच बार जीती है, जो इंग्लिश फुटबॉल में एक रिकॉर्ड है। वह इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा सफलता पाने वाले मैनेजर के तौर पर ब्रायन क्लॉ, सर एलेक्स फर्ग्यूसन और जोस मोरिन्हो (जिन्होंने सभी ने चार-चार जीते) से आगे निकल गए हैं।

काराबाओ कप सिटी बॉस के तौर पर पेप की पहली ट्रॉफी थी, जिसमें उन्होंने 2018 में आर्सेनल को 3-0 से हराया था। उन्होंने अब उस विरासत में एक और नाम जोड़ लिया है और 1960 में प्रतियोगिता की शुरुआत के बाद से सबसे सफल मैनेजर बन गए हैं। हाफ टाइम के बाद सिटी ने आर्सेनल के मुकाबले ज्यादा बेहतर खेल दिखाया। मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। आर्सेनल की टीम खिताबी मुकाबले में संघर्ष करती हुई नजर आई, जिसका पूरा फायदा सिटी ने उठाया।

पूरे सीजन मैनचेस्टर सिटी की शानदार कप्तानी करने वाले कप्तान बर्नार्डो सिल्वा ने टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने टीम की इस सफलता को सभी के लिए खास पल बताया। उन्होंने कहा, ÷यह सिटी में सभी के लिए बहुत गर्व का पल है। हमें यह प्रतियोगिता पसंद है और इस सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाले आर्सेनल को हराकर इसे जीतना वाकई खास है।

मैनचेस्टर सिटी अब एक इंटरनेशनल ब्रेक पर होगी। टीम अब अपना अगला मुकाबला 4 अप्रैल को एफए कप के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में लिवरपूल के खिलाफ खेलेगी। गार्डियोला की टीम अगले हफ्ते चेल्सी में होने वाले प्रीमियर लीग पर ध्यान देगी। मैनचेस्टर सिटी प्रीमियर लीग टाइटल की दौड़ में बनी हुई है। गार्डियोला की टीम अभी टॉप पर काबिज आर्सेनल से 9 प्वाइंट पीछे है और उन्हें अभी एक मुकाबला खेलना है।

आरसीबी को शुरुआती मैचों में हेजलवुड की कमी खलेगी : श्रीकांत

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल 2026 में शुरुआती मैच में तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की कमी खेलेगी। इसका कारण है कि पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण हेजलवुड शुरु के मैचों में नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में रजत पाटीदार की कप्तानी वाली आरसीबी के लिए हेजलवुड की कमी पूरी करना आसान नहीं रहेगा। श्रीकांत ने कहा है कि इस तेज गेंदबाज का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेजलवुड ने पिछले सत्र में 12 मैचों में 22 विकेट लिए थे। तब उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 33 रन देकर 4 विकेट था। यही वजह है कि श्रीकांत ने हेजलवुड के नहीं होने को आरसीबी के लिए करारा झटका माना है। हेजलवुड चोटिल होने के कारण पिछले साल नवंबर के बाद से ही पेशेवर क्रिकेट से दूर हैं। वह एशेज सीरीज और टी20 विश्वकप भी नहीं खेल पाये। हैमस्ट्रिंग के बाद उनको एंकल इंजरी का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने एक वीडियो में कहा, हेजलवुड का न होना एक बड़ा झटका है। अगर वह दो सप्ताह भी फिट नहीं होते, तो भी वे वहां तीन से चार मैच खेल लेते। उनके बिना, टीम की गेंदबाजी कमजोर हो जाएगी। उनका कोई भी विकल्प नहीं है। जैकब डफी भी खराब गेंदबाज नहीं है पर विश्व कप में वह विफल रहे थे। यह देखना होगा कि वह आईपीएल में चल पाते है या नहीं।उन्होंने साथ ही कहा, हेजलवुड के बिना आरसीबी की 25 फीसदी उम्मीद कम हो वह न सिर्फ गेम-चेंजर हैं, बल्कि मैच-विजेता भी हैं। वह जो डर पैदा करता हैं, वह बुमराह जैसा ही है। हेजलवुड उस शानदार टेस्ट मैच लेंथ पर गेंदबाजी करते हैं, जहां बल्लेबाज आगे या पीछे नहीं जा सकता।

विराट ने आईपीएल से पहले आरसीबी को किया सावधान, सभी टीमें हमें हराना चाहेंगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि इस बार का सत्र पहले से कठिन होगा। इसलिए टीम के सभी खिलाड़ियों को और अधिक गंभीरत से खेलना होगा। विराट ने कहा कि इस बार सभी टीमें आरसीबी को हराने का लक्ष्य लेकर उतरेंगी क्योंकि वह मौजूदा चैम्पियन है। ऐसे में सभी टीमें हमारे खिलाफ अपनी पूरी ताकत लगा देंगी। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल में आरसीबी का पहला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। आरसीबी के शेयर किए गए एक वीडियो में विराट टीम के खिलाड़ियों से बात करने के दौरान उन्हें उत्साहित करते दिखे। उन्होंने कहा कि पिछले 2 से 3 सत्र में टीम ने काफी मेहनत की है और उसी मेहनत के कारण उन्हें पिछले सत्र में खिताबी जीत मिली थी।

विराट ने खिलाड़ियों से कहा कि इस बार चुनौती और बड़ी होगी, इसलिए शुरुआत से ही पूरी ताकत से खेलना होगा। कोहली ने कहा, हमने पिछले 2-3 साल में जो हासिल किया, उसके लिए बहुत मेहनत की पर अब चुनौती और कठिन होने वाली है क्योंकि बाकी टीमें हमें हराने के लिए पूरी ताकत लगाएंगी। हमें अभी से स्विच ऑन होना होगा और हर सेशन में आना सौ फीसदी से अधिक देना होगा।

RCB ने साल 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। तब उसने फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया था। अब टीम IPL 2026 में अपने खिताब का बचाव करने का पूरा प्रयास करेगी और लगातार दूसरी ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेगी। टीम के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि इस बार नीलामी में टीम ने काफी अच्छे खिलाड़ियों को शामिल किया है, जिससे टीम पहले से ज्यादा बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि नए खिलाड़ियों को टीम के माहौल में ढालना और सीनियर खिलाड़ियों के साथ सही तालमेल बनाना इस सत्र में सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। गौरतलब है कि विराट आईपीएल इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने आईपीएल में 267 मैचों में 8661 रन बनाए हैं, जिसमें 8 शतक और 63 अर्धशतक शामिल हैं। आईपीएल में अब विराट कोहली इस सत्र मे भी अधिक से अधिक रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही नये रिकार्ड अपने नाम करना चाहेंगे।

धोनी के इस बार आईपीएल से संन्यास लेने की अटकलें तेज हुईं

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी 44 साल के हो गये हैं। ऐसे में उनके संन्यास की अटकलें जोर पकड़ती जा रही हैं। इस बार माना जा रहा है कि वह अंतिम बार लीग से खेलते दिखेंगे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जब वह स्टेडियम में पहुंचे तो हर तरफ से 'थाला थाला' सुनाई देना लगा। उनकी आवाज सुनकर प्रशंसक भी भावुक दिखे। वहीं धोनी पूर्व क्रिकेटरों सुरेश रैना और डीजे ब्रावो के साथ नजर आये। इससे भी प्रशंसकों को लगा रहा है कि ये धोनी का अंतिम आईपीएल रहेगा।

प्रशंसक सीएसके के 'रोर 26' इवेंट के लिए स्टेडियम में पहुंचे थे। कुछ सीएसके खिलाड़ियों ने मैदान पर अभ्यास किया, वहीं कुछ बातें करते दिखे। वहीं पहली बार टीम में शामिल जब नए खिलाड़ी संजू सैमसन जब मैदान में आए, तब भी जोरदार तालियां बज उठीं। धोनी आईपीएल में अपना 19वां सत्र खेलने जा रहे हैं। उनकी ताकत पहले जैसी नहीं रही पर सीएसके के लिए वह आज भी सबसे कीमती खिलाड़ी हैं हालांकि अब वह निचले स्तर पर ही बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं। वहीं चेन्नई के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि धोनी का ये अंतिम आईपीएल रहेगा।

उथप्पा ने कहा, 'आईपीएल 2026 शायद उनका आखिरी साल होगा। मुझे लगता है कि इस साल वह मेंटर-कम-खिलाड़ी की भूमिका में रहेंगे। मुझे नहीं लगता कि वह इस बार नंबर सात पर बल्लेबाजी करेंगे। मुझे लगता है कि वह नंबर आठ पर बल्लेबाजी करेंगे। वह जानते हैं कि वह धीरे-धीरे बाहर हो रहे हैं, इसलिए अपनी को टीम से अलग कर रहे हैं ताकि उनके बिना भी टीम जीत सके। वह जानते हैं कि तभी कप्तान के तौर पर रुतुराज गायकवाड़ की क्षमता का पता चल सकेगा।'

समर वेडिंग के लिए परफेक्ट हैं फ्लोरल लहंगे

गर्मी का मौसम शुरु हो गया है। इस मौसम में अगर आपको किसी शादी में जाना हो तो सबसे पहले मन में यही ख्याल आता है कि इतनी गर्मी में डीप कलर के हेवी लहंगे या साड़ियां पहनी कैसे जाएंगी। तो आपकी इस समस्या का हल है फ्लोरल लहंगे। लाइट और ब्राइट कलर्स के फ्लोरल लहंगे समर वेडिंग के लिए परफेक्ट चॉइस है।

ट्रडिशनल अवतार

लाइट पिंक कलर की चिकनकारी वर्क वाली स्कर्ट के साथ पतले स्ट्रैप वाली ब्लाउज और फ्लोरल दुपट्टा...यह लुक इस लुक को अपनी किसी दोस्त या रिश्तेदार के शादी में ट्राई कर सकती हैं।

लॉन्ग फ्लोरल लहंगे के लुक वाली स्कर्ट संग मैचिंग केप डिजाइन वाली क्रॉप टॉप और खुले बाल में बेहद खूबसूरत लगेंगी। ब्राइस्डमेड के तौर पर भी आप इस लुक को गर्मी के मौसम की शादियों में ट्राई कर सकती हैं।

ऑफ वाइट कलर का फ्लोरल लहंगा स्कर्ट, मैचिंग दुपट्टा और डीप ग्रीन कलर की ब्लाउज। गर्मियों में जब लाइट और ब्राइट कलर्स का ट्रेंड रहता है, ऐसे में यह लहंगा परफेक्ट चॉइस है।

सिंपल लुक

अगर आपको भी लाइट कलर्स पसंद हैं तो किसी दोस्त या रिश्तेदार की समर वेडिंग में इस लुक को ट्राई कर सकती हैं। पाउडर ब्लू कलर और पिंक कलर का यह लहंगा देखने में भले ही बेहद सिंपल हो लेकिन यह आपको अलग और डिफरेंट लुक देगा।

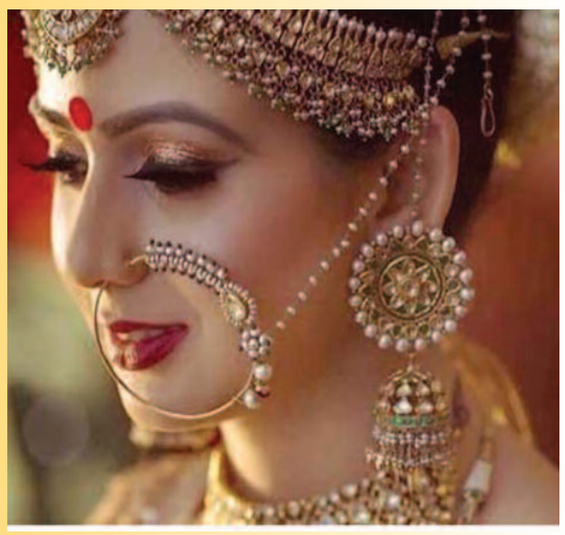

ब्राइडल लुक को और खास बना देंगे नथ के ये डिजाइन

भारतीय दुल्हन के श्रृंगार में चार चांद लगाने का काम करती है नथ जो चेहरे की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती है। अगर आप भी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं तो नथ लेते समय इसके नए डिजाइंस के बारे में एक बार जरूर जान लें।

दुल्हन बनने की तैयारी कर रहीं हैं और कपड़ों के साथ ही सही ज्वैलरी डिजाइंस को चुनना जरुरी है। ज्वैलरी का सबसे खास हिस्सा होता है नाक की नथ और इसके कई सारे डिजाइन आपको बाजार में मिल जाएंगे।

रिंग वाली नथ- अगर आप बहुत सिम्पल सी नथ पहनना चाहती हैं तो रिंग वाली नथ ट्राई कर सकती हैं।

जड़ाऊ नथ- जड़ी हुई नथ शादी के दिन बेहद खास लुक देती है। आप इसे जड़ाऊ लंहगे के साथ पहन सकती है।

मल्टीपल चेन वाली नथ- अगर आप ज्वैलरी डिजाइन के साथ प्रयोग करना चाहती हैं तो तीन चैन वाली नथ को पहनकर देखिए यह आपके चेहरे का लुक ही बदल देगी। इसके साथ हैवी मांगटीका भी बहुत अच्छा लगता है।

ब्रांज नथ- इसे प्योर गोल्ड से बनाया जाता है जो हल्का सा डल लुक देता है।

हूप नथ- बड़ी सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है।

त्वचा की हर समस्या का समाधान रखता है शहद, जानिए इसके फायदे

जब भी स्किन केयर की बात होती है तो हम नेचुरल आइटम्स पर अधिक फोकस करना पसंद करते हैं। इनसे स्किन को किसी भी तरह के नुकसान होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। वहीं, दूसरी ओर यह नेचुरल इंग्रीडिएंट्स हर तरह की स्किन के लिए अच्छे माने जाते हैं। इन्हीं स्किन केयर इंग्रीडिएंट्स में से एक है शहद। शहद को लंबे समय से कभी स्किन केयर पैक तो कभी यूं ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें गजब के मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं, जो आपकी स्किन को अधिक स्वस्थ और बेहतर बनाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शहद से स्किन को मिलने वाले कुछ गजब के फायदों पर चर्चा कर रहे हैं-

मिलती है ग्लोइंग स्किन

अगर आप अपनी स्किन को नेचुरली हेल्दी व ग्लोइंग बनाना चाहती हैं तो इसके लिए शहद से अधिक बेहतर उपाय और कोई नहीं है। शहद में त्वचा को चमकदार बनाने के गुण होते हैं और यह उपयोग के बाद यह आपके फेस पर चमक के साथ-साथ नमी भी बनाए रखता है। रूखी स्किन की महिलाएं तो इसे इस्तेमाल करती हैं ही, साथ ही साथ यह ऑयली, एक्ने और अन्य स्किन के लिए भी उतनी ही फायदेमंद है।

निशानों को करे हल्का

शहद में प्राकृतिक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो घाव भरने और निशानों को मिटाने में मदद करते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी स्किन पर किसी तरह के निशान को हल्का करना चाहते हैं तो ऐसे में शहद के इस्तेमाल से वह धीरे-धीरे मिटने लगते हैं। आप एक्ने के दाग-धब्बों को मिटाने के लिए शहद का इस्तेमाल स्पॉट ट्रीटमेंट के रूप में कर सकते हैं।

एजिंग के साइन्स को करे रिवर्स

अगर आप अपनी स्किन को अधिक लंबे समय तक जवां-जवां बनाए रखना चाहती हैं तो ऐसे में शहद का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। शहद में मौजूद प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में मदद करते हैं। शहद चेहरे पर झुर्रियों और महीन रेखाओं की उपस्थिति को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं, शहद को चेहरे पर लगाने से स्किन की इलास्टिसिटी बेहतर होती है, जिससे वह जवां और चमकदार दिखती है। आप हर सप्ताह शहद का मास्क लगा सकती हैं और अपनी स्किन को अधिक यंगर बना सकती हैं।

सनबर्न से राहत

अगर आपकी स्किन पूरे दिन धूप में रहने के कारण डैमेज हो रही है तो ऐसे में शहद आपकी मदद कर सकता है। धूप से झुलसी त्वचा के कारण स्किन में रेडनेस, सूखापन और जलन महसूस होती है। ऐसे में अपनी स्किन को ठंडक प्रदान करने के लिए आप एक भाग कच्चे शहद को दो भाग एलोवेरा जेल के साथ मिक्स करें और सीधे प्रभावित जगह पर लगाएं। याद रखें कि आप मिश्रण को रगड़ें नहीं, बल्कि इसकी लेयर लगाकर ऐसे ही छोड़ दें। यह उपाय ना केवल सनबर्न से राहत दिलाएगा, बल्कि आपकी स्किन के रंग-रूप में भी सुधार करने में मदद करेगा।

खूबसूरत बाल के लिए अपनायें ये उपाय

आजकल प्रदूषण और सही डाइट ना लेने के कारण कम उम्र में ही बाल सफेद होने लगते हैं। ऐसे में आयुर्वेदिक नुस्खों को अपनाकर आप बालों की समस्याओं से राहत पा सकती हैं। कई बार ध्यान न देने की वजह से लोगों के बाल रूखे-सूखे और बेजान होने के साथ कम उम्र में ही झड़ने लगते हैं। ऐसे में अपने बालों को फिर से लंबे और खूबसूरत बनाने के लिए आयुर्वेद नुस्खे अपना सकती हैं।

मेथी दाना- मेथी दाने में भरपूर मात्रा में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन के और विटामिन सी पाया जाता है। इसमें प्रोटीनऔर निकोटीन एसिड भी पाया जाता है, जिससे झड़ते बालों की समस्या दूर हो जाती है। स्कैल्प हेल्दी रहती है और बाल डैमेज नहीं होते हैं। इसके लिए आप अपनी डाइट में भी मेथी दाना शामिल कर सकते हैं। रात में 2 चम्मच मेथी दाने को पानी में भिगो दें। अगली सुबह वो पानी पी लें। बचे हुए मेथी दाने को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को जड़ों में लगाकर 20 मिनट बाद बाल धोलें। बाल जल्दी घने, लंबे और मजबूत बनेंगे।

आंवला- डाइट में विटामिन सी की कमी के कारण भी बाल झड़ने लगते हैं और बालों में डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। लेकिन आंवले के सेवन और बालों में आंवले के तेल से मालिश करने से बालों की सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। साथ ही बाल लंबे समय तक काले रहते हैं।

दही- दही में कूलिंग प्रॉपर्टीज होने के साथ प्रोटीन भी पाया जाता है। प्रोटीन स्कैल्प की हेल्थ और नए फोलिसल्स की ग्रोथ के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। अपने बालों पर दही से मसाज करें और 15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद शैंपू से सिर धो लें। बालों पर दही लगाने से बाल मजबूत होने के साथ कोमल और मुलायम भी बनते हैं।

बालों के झड़ते बालों की समस्या को दूर करने के लिए छाछ, दालचीनी, तरबूज, अंगूर आदि चीजों का सेवन करना चाहिए। इनके सेवन शरीर को जरूरी पोषक मिलते हैं, जो बालों को सेहतमंद बनाने के लिए जरूरी होते हैं।

इस प्रकार सुंदर और लंबे होंगे नाखून

लड़कियों को लंबे-लंबे नाखून रखना पसंद होता है, लेकिन इन्हें लंबा करना कोई आसान काम नहीं होता। अगर आसान होता तो हर किसी के हाथ में लंबे नाखून देखने को मिलते। कई लड़कियों के नाखून लंबे होते है तो सुंदर नहीं होते। नाखूनों को सुंदर और लंबा इस प्रकार बनायें।

बहुत सारी महिलाओं के नाखून बढ़ते तो हैं लेकिन कमजोर होने के चलते जल्दी टूट जाते हैं। ऐसा हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है, इसलिए सबसे पहले आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा। आपको कुछ ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना होगा जिनसे आपको पोषक तत्व मिलें।

संतरे का रस

संतरे के रस को दस मिनट तक अपने नाखूनों पर लगाएं। इसके बाद अपने हाथों को गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन तक ऐसा करने से आपके नाखून कुछ दिनों में बढ़ने लगेंगे।

ऑलिव ऑयल

नाखून लंबे करने के लिए रोजाना ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश करें। विटामिन ई से भरपूर ऑलिव ऑयल नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

लहसुन

नाखूनों को बढ़ाने के लिए लहसुन एक बेहतरीन उपाय माना जाता है। लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर उसे 10 मिनट तक अपने नाखूनों पर रगड़ें। ऐसा करने से आपके नाखून कुछ ही दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे।

गर्मी में डेनिम वियर से मिलेगी राहत

गर्मी के मौसम में खानपान के साथ ही पहनावे का भी भी विशेष ध्यान रखना पड़ता है। इस मौसम में गरमी से राहत पाने के साथ ही स्टाइलिस दिखने के लिए आप डेनिम कपड़ों का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह कपड़े घर बाहर और ऑफिस सब जगह पहने जा सकते हैं।

डेनिम पैंट- डेनिम पैंट का हर समय चलन रहता है पर गरमी के मौसम में डेनिम पैंट आपके लिए काफी आरामदायक रहती है।

डेनिम शर्ट और कुर्ती - गर्मी में आप डेनिम की शर्ट और कुर्ती पहन सकती हैं। ये परिधान इस मौसम में आरामदायक होने के के साथ देखने में अच्छे भी लगते हैं।

डेनिम मिडी स्कर्ट- इस गर्मी के मौसम में आप डेनिम का मिडी स्कर्ट ट्राई कर सकती हैं। यह मिडी स्कर्ट आपको गर्मी से राहत दिलाएगी और काफी हद तक स्टाइलिस भी है।

डेनिम जैकेट- धूप से बचने के लिए आप डेनिम जैकेट को पहन सकती हैं। यह आपको स्टाइलिस लुक देने के साथ ही गरमी की तपिश से बचाएगा।

एकता कपूर लॉन्च करेंगी 'हुनर' कलाकारों को मिलेगा नया मंच

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री को कई बड़े सितारे देने वाली प्रोड्यूसर एकता कपूर अब टैलेंट मैनेजमेंट की दुनिया में भी कदम रख रही हैं। उनके नेतृत्व वाली कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने नए टैलेंट मैनेजमेंट वेंचर 'हुनर' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नई कंपनी खास तौर पर कलाकारों को निखारने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कहानी कहने और परफॉर्मेंस के कल्चर को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाई गई है। 'हुनर' का मकसद बॉलीवुड और भारतीय टेलीविजन के स्थापित कलाकारों के साथ-साथ नए क्रिएटर्स और एक्टर्स को भी एक ऐसा प्लेटफॉर्म देना है, जहां उन्हें सही दिशा और मौके मिल सकें।

कंपनी के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म टैलेंट को सिर्फ रिप्रेजेंट करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कलाकारों की आर्टिस्टिक ग्रोथ पर भी काम करेगा। यहां कलाकारों को सही गाइडेंस, बेहतर अवसर और एक क्रिएटिव माहौल दिया जाएगा, जिससे वे अपने हुनर को निखार सकें और यादगार कहानियों का हिस्सा बन सकें। नए वेंचर के बारे में बात करते हुए एकता कपूर ने कहा कि बालाजी टेलीफिल्म्स में हमेशा से यह विश्वास रहा है कि टैलेंट तभी चमकता है, जब उसे सही माहौल और प्रोत्साहन मिले। उनके मुताबिक, 'हुनर' के जरिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने की कोशिश है, जहां कलाकारों को सिर्फ मैनेज नहीं किया जाएगा, बल्कि उन्हें समझा भी जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी का मकसद कलाकारों को सोच-समझकर गाइडेंस देना, उनकी खूबियों के हिसाब से मौके तलाशने में मदद करना और उनके लंबे समय तक विकास में साथ देना है। एकता के अनुसार, यह पहल कलाकारों को एक्सपेरिमेंट करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का मौका देगी। इस नए वेंचर के लॉन्च को सेलिब्रेट करने के लिए मुंबई के प्रतिष्ठित फेयरमोंट मुंबई में एक एक्सक्लूसिव 'हुनर लॉन्च पार्टी' का आयोजन किया जाएगा। इस खास शाम में बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री के कई दिग्गज सितारे, क्रिएटर्स, इंडस्ट्री लीडर्स और मीडिया से जुड़े लोग शामिल होंगे। एकता कपूर लंबे समय से नए टैलेंट को मौका देने के लिए जानी जाती हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस ने इंडस्ट्री को कई बड़े कलाकार दिए हैं। ऐसे में 'हुनर' के जरिए वह अपने इसी विजन को और आगे बढ़ा रही हैं। इस पहल के साथ बालाजी टेलीफिल्म्स न सिर्फ कहानी कहने की अपनी विरासत को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कलाकारों के लिए एक ऐसा मंच भी तैयार कर रहा है, जहां वे सीख सकें, बढ़ सकें और अपनी पहचान बना सकें।

आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया भट्ट

करण बोले- मुझे तुम पर गर्व है

बॉलीवुड में लंबे समय से 'इनसाइडर वर्सेस आउटसाइडर' की बहस चलती रही है। ऐसे में जब भी कोई बड़ा स्टार नए टैलेंट को आगे बढ़ाने की बात करता है तो वह चर्चा का विषय बन जाता है। अब इसी कड़ी में अभिनेत्री आलिया भट्ट का बयान सामने आया है, जिसने इस बहस को एक नई दिशा दे दी है। आलिया ने कहा कि वह अपने प्रोडक्शन के जरिए आउटसाइडर्स को लॉन्च करेंगी। दरअसल, आलिया भट्ट शुक्रवार को अपनी नई प्रोडक्शन फिल्म 'डोंट बी शाई' के लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं। यह फिल्म अमेजन के ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो के एक बड़े इवेंट के दौरान पेश की गई, जहां कई बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा भी हुई। इसी दौरान स्टेज पर आलिया और फिल्ममेकर करण जौहर के बीच एक दिलचस्प बातचीत देखने को मिली, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। इवेंट में करण जौहर ने हल्के-फुल्के अंदाज में आलिया की तारीफ करते हुए कहा कि वह अब एक समझदार और अनुभवी प्रोड्यूसर बन गई हैं। उन्होंने कहा, ''आलिया, आपने सच में प्रोड्यूसर होने की कला में महारत हासिल कर ली है, क्योंकि आपके जवाब मेरे सवालों से बहुत अलग लगते हैं।''

आलिया ने इसका जवाब देते हुए कहा, ''हां करण, क्योंकि एक्टर्स को लॉन्च करने का एक तरीका होता है।''

करण जौहर ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए मजाक में कहा कि शायद उन्हें एक्टर्स को लॉन्च करने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। यह कहते हुए कि उन्होंने जब आलिया को अपने प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के बारे में याद दिलाया और कहा कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए उन्हें लॉन्च किया था तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा, ''अच्छा, मैं क्या कह सकती हूं? सबसे अच्छे लोगों ने हमें हमेशा सिखाया है कि हर चीज की एक टाइमिंग होती है।'' इसी दौरान करण जौहर ने एक अहम सवाल पूछा कि क्या आलिया जिन कलाकारों को लॉन्च करने जा रही हैं, वे 'आउटसाइडर्स' हैं। इस पर आलिया ने बिना किसी हिचकिचाहट के 'हां' कहा। यह जवाब सुनकर करण जौहर ने कहा कि मुझे आप पर गर्व है आलिया। अगर फिल्म 'डोन्ट बी शाई' की बात करें तो यह एक युवा लड़की श्यामिली 'शाई' दास की कहानी है, जो 20 साल की है और अपनी जिंदगी के सभी फैसले खुद करती है। उसे लगता है कि उसने सब कुछ प्लान कर लिया है, लेकिन अचानक उसकी जिंदगी में ऐसे बदलाव आते हैं जो उसे पूरी तरह से हिला देते हैं। यह कहानी एक साधारण लड़की के असाधारण सफर को दिखाती है, जिसमें भावनाएं, संघर्ष और आत्मविश्वास की झलक देखने को मिलेगी। यह फिल्म आलिया भट्ट की कंपनी इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर बनाई जा रही है।

करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ने लिखा खास संदेश

मृणाल ठाकुर का फिल्मी करियर दस साल का हो गया है। उनकी पहली फिल्म 'लव सोनिया' आज से दस साल पहले रिलीज हुई थी। पहली ही फिल्म में मृणाल के अभिनय को पसंद किया गया था। अब आज इंडस्ट्री में अपने दस साल पूरे होने पर एक्ट्रेस ने 'लव सोनिया' के समय को याद किया। साथ ही उन्होंने 'लव सोनिया' के फैंस के लिए एक सरप्राइज भी दिया। 19 मार्च को अपनी पहली फिल्म 'लव सोनिया' और अपने करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। पोस्ट में मृणाल ने अपने शुरुआती दिनों के बारे में एक बेहद निजी संदेश लिखा। फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'आज से दस साल पहले... मैंने पहली बार फिल्म सेट पर कदम रखा था। एक सपना, एक शुरुआत, एक ऐसा जीवन जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं हमेशा आभारी रहूंगी।'

इस दौरान अपनी पोस्ट में मृणाल ठाकुर ने फैंस के लिए खास घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि 'लव सोनिया' के कुछ अनदेखे डिलीट किए गए सीन ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे। एक्ट्रेस ने कहा कि 24 घंटे में पहली बार हम 'लव सोनिया' के नौ अनदेखे डिलीट किए गए सीन रिलीज करेंगे।

तबरेज नूरानी द्वारा निर्देशित 'लव सोनिया' 2016 में निर्माण शुरू होने के बाद 2018 में रिलीज हुई थी। वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म सोनिया की उस जर्नी को दर्शाती हैं, जिसमें वह अपनी बहन प्रीति को बचाने की कोशिश करती है। जिसे अंतरराष्ट्रीय यौन तस्करी में बेच दिया गया था। कहानी में तब एक भयावह मोड़ आता है, जब सोनिया खुद इस जाल में फंस जाती है।

वाराणसी के बाद संदीप रेड्डी वांगा की 'डेविल' में दिख सकते हैं महेश बाबू

महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बड़े बजट की फिल्म में उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्मी गलियारों में चर्चा तेज है कि 'वाराणसी' के बाद महेश निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ नई फिल्म कर सकते हैं। फिलहाल वह 'स्पिरिट' की तैयारियों में व्यस्त हैं, रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने 'डेविल' टाइटल से एक दमदार स्क्रिप्ट भी तैयार कर रखी है। बताया जा रहा है कि यह संभावित फिल्म एक इंटेंस और डार्क थ्रिलर हो सकती है।

मैं अपनी शर्तों पर जीती हूं, सिंगल रहना मेरी पसंद

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। खास बातचीत में दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग-अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही 'पूरी' होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए बताया, 'चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए। आप किसी की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोल सकते। मेरी जिंदगी ऐसी ही रही है और मैं इसका मजा लेती हूं। इसलिए जो भी फैसले मैंने लिए, उन पर मुझे गर्व है।' समाज में आज भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच पर बात करते हुए दिव्या ने कहा, 'तरक्की के बावजूद ये पुरानी सोच बनी हुई है। शिक्षा का इससे कोई लेना-देना नहीं, यह बस एक सोच है। हर इंसान का सफर अलग होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि तुलना।

प्रियन सर के साथ काम करना मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा

अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'भूत बंगला' में राजपाल यादव भी नजर आएंगे। तीनों की यह तिकड़ी पहले 'भूल भुलैया' में काम कर चुकी है। राजपाल कहते हैं कि 'भूत बंगला' की कहानी सिर्फ एक हॉरर कॉमेडी नहीं, बल्कि एक रहस्य से भरी दुनिया है। टीजर में दिखाया गया 'वधुसुर' और मंगलपुर की हवेली दरअसल उस बड़े रहस्य की झलक भर है।' करीब 25 साल के करियर में सैकड़ों किरदार कर चुके राजपाल खुद को आज भी छात्र ही मानते हैं। वह कहते हैं कि 'जब एक्टर किरदार की सोच को समझ लेता है तो उसकी बॉडी लैंग्वेज अपने आप बदल जाती है। मैं कभी किसी की नकल नहीं करता हूं।'

राजपाल बताते हैं कि, 'प्रियदर्शन के साथ मेरा रिश्ता दो दशक से भी पुराना है। मैंने कभी उनसे स्क्रिप्ट तक नहीं पूछी। जब भी उनका फोन आता है, सिर्फ यही कहते हैं- 'राजपाल, आना है...' तो मैं बिना कुछ पूछे सेट पर पहुंच जाता हूं।

इस फिल्म में हॉरर और कॉमेडी दोनों है। प्रियदर्शन सर के साथ काम करना किसी यूनिवर्सिटी में मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा है। जहां हर एक्टर छात्र होता है।'

'छोटा पंडित' के बाद मेरा नया किरदार भी दर्शक पसंद करेंगे

'भूल भुलैया' के बाद से 'छोटा पंडित' के नाम से भी लोकप्रियता मिली। इस पर राजपाल का कहना है कि 'कोई दबाव महसूस नहीं होता। एक कलाकार के लिए हर किरदार 'रसगुल्ले' की तरह होता है, छोटा हो या बड़ा उसका स्वाद मीठा ही होता है।

'भूत बंगला' में भी मेरा किरदार बारीकी से गढ़ा गया है और प्रियदर्शन सर ने इसमें आम आदमी के ऐसे शेड्स दिए हैं, जिनसे दर्शक आसानी से जुड़ पाएंगे और पसंद भी करेंगे।'

'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर ही डर पैदा करता है

बकौल राजपाल, 'किसी भी फिल्म में लोकेशन सिर्फ एक जगह नहीं बल्कि एक किरदार होती है। जहां 'भूल भुलैया' की हवेली में राजपूताना ठाठ और रहस्य का माहौल था, वहीं 'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर और अंधेरा अपने आप में अलग तरह का डर पैदा करता है। प्रियदर्शन सर ने इसे ब्यूटीफुल हॉरर की तरह ट्रीट किया है, जिससे दर्शकों को लगेगा कि वे खुद उस बंगले के भीतर मौजूद हैं।'

अक्की पाजी के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा

अक्षय के साथ फिर से काम करने को लेकर राजपाल कहते हैं कि 'अक्की पाजी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह हर वक्त लाइव एक्टर जैसे रहते हैं। कैमरा ऑन हो या ऑफ, सेट पर उनका एनर्जी लेवल वही रहता है। शॉट के बीच भी दोनों कलाकार लगातार रिहर्सल करते रहते हैं और सीन में छोटे-छोटे इम्प्रोवाइजेशन जोड़ते हैं ताकि सीन और ज्यादा जीवंत बन सके। अक्षय के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा अनुभव होता है।'

डीजीसीए ने जारी किया समर फ्लाइट शेड्यूल, 29 मार्च से नई समय-सारिणी लागू

24 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा शेड्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने सोमवार को घरेलू एयरलाइंस के लिए गर्मियों का फ्लाइट शेड्यूल जारी कर दिया है। यह नई समय-सारिणी 29 मार्च से लागू होकर 24 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगी। डीजीसीए ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी यात्रा से पहले संबंधित एयरलाइंस की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर उड़ानों के समय और स्थिति की दोबारा पुष्टि कर लें। साथ ही, किसी भी ऑपरेशनल इमरजेंसी या अंतिम समय में होने वाले बदलावों की जानकारी के लिए सीधे एयरलाइंस से संपर्क बनाए रखें। इससे एक दिन पहले नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए घरेलू हवाई किराए पर लागू अस्थायी मूल्य सीमा (फेयर कैप) को हटाने की घोषणा की थी। यह फेयर कैप 23 मार्च से समाप्त कर दी गई है, जिससे एयरलाइंस को किराए तय करने में अधिक स्वतंत्रता मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि फेयर कैप हटने के बाद यात्रियों को मांग और उपलब्धता के आधार पर टिकट कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। वहीं, एयरलाइंस कंपनियों के लिए यह कदम परिचालन और राजस्व प्रबंधन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि हर साल गर्मियों और सर्दियों के लिए अलग-अलग फ्लाइट शेड्यूल जारी किए जाते हैं, ताकि बढ़ती यात्री संख्या और मौसम संबंधी परिस्थितियों के अनुसार उड़ानों का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जा सके। यात्रियों के लिए सलाह है कि यात्रा की योजना बनाते समय पर्याप्त समय का ध्यान रखें और अपडेटेड शेड्यूल के अनुसार ही अपनी बुकिंग करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

वायुसेना अड्डे पर तैनात कर्मचारी कर रहा था पाकिस्तान के लिए जासूसी

-इंटेलिजेंस टीम ने किया गिरफ्तार, यूपी का रहने वाला है आरोपी सुमित

डिब्रूगढ (एजेंसी)। वायुसेना और राजस्थान इंटेलिजेंस की टीम ने असम के वायुसेना अड्डे पर तैनात एक कर्मचारी को पाकिस्तान की जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुमित कुमार (36) के रूप में हुई है, जो यूपी के प्रयागराज जिले के लाहुरपार का रहने वाला है और एयरफोर्स स्टेशन में एमटीएस के पद पर कार्यरत है। मीडिया रिपोर्ट में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया विभाग) के मुताबिक सुमित कुमार अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां एकत्रित करता था और उन्हें सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स तक पहुंचाता था। जांच में सामने आया है कि वह साल 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था और पैसों के बदले गोपनीय सूचनाएं वहां पहुंचाता था। इस मामले की शुरुआत जनवरी 2026 में राजस्थान के जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई थी। उससे पूछताछ में सुमित कुमार का नाम सामने आया। इसके बाद राजस्थान इंटेलिजेंस ने वायुसेना खुफिया विभाग, नई दिल्ली के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को छबुआ से गिरफ्तार किया। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी ने न केवल छबुआ एयरफोर्स स्टेशन बल्कि बीकानेर जिले के नाल एयरफोर्स स्टेशन समेत अन्य सैन्य ठिकानों से जुड़ी अहम जानकारियां भी साझा कीं। इनमें लड़ाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों व कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय सूचनाएं शामिल हैं। इसके अलावा वह अपने मोबाइल नंबरों के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाने में भी मदद करता था। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को राजस्थान खुफिया विभाग और वायु सेना खुफिया विभाग के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वह 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के संपर्क में था और पैसों के बदले गोपनीय जानकारी देता था। व्यापक जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है। फिलहाल, आरोपी सुमित के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले में व्यापक जासूसी नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान के लिए जांच एजेंसियां लगातार छानबीन कर रही हैं।

घर में सामूहिक नमाज पढ़ने पर सुनवाई, डीएम-एसएसपी कोर्ट में होंगे पेश

-हाईकोर्ट ने मामले को अपने आदेश की अवहेलना मानते हुए कड़ा रुख अपनाया

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बरेली के एक घर के अंदर सामूहिक नमाज पढ़ने के मामले में अहम सुनवाई होना है। इस मामले में बरेली के डीएम और एसएसपी को सोमवार को कोर्ट में पेश होना है। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने साफ तौर पर दोनों अधिकारियों को उपस्थित होने का आदेश दिया था। कोर्ट ने चेतावनी भी दी है कि अगर सोमवार को वे पेश नहीं हुए, तो उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जाएगा। दरअसल, यह मामला याचिकाकर्ता तारिक खान की याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि उनके घर में सामूहिक नमाज़ पढ़ने के दौरान पुलिस ने रोकटोक की और बाद में नमाज अदा कर रहे लोगों को गिरफ्तार कर लिया। याचिकाकर्ता तारिक खान का कहना है कि यह पूरी कार्रवाई गैरकानूनी और असंवैधानिक थी। हाईकोर्ट पहले ही साफ कर चुका है कि किसी भी निजी परिसर में प्रार्थना के लिए प्रशासनिक अनुमति की जरूरत नहीं है। इसके बावजूद याची और अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। हाईकोर्ट ने पूरे प्रकरण को अपने आदेश की अवहेलना मानते हुए पुलिस के रवैये पर कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि प्रशासनिक अधिकारियों को कोर्ट के आदेश का पालन करना जरुरी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में बरेली के डीएम और एसएसपी को सोमवार को अदालत में पेश होने को कहा था। यदि आज दोनों अधिकारी कोर्ट में नहीं पेश होते हैं, तो कोर्ट उनके खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए गैर-जमानती वारंट जारी कर सकता है।

टीएमसी चुनाव कैंपेन में अपना बंगाल बनाम बांग्ला पर कब्जा को बना रही आधार

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बीजेपी से मुकाबला करने डेढ़ लाख वाट्सएप ग्रुप बनाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 का बिगुल बज चुका है। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बीजेपी से मुकाबला करने के लिए खास तैयारी की है। जहां बीजेपी की केंद्रीय टीम डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए कैंपेन में जुटी है वहीं टीएमसी ने इसे स्थानीय स्तर पर हैंडल करने की योजना पर काम कर रही है। टीएमसी ने जमीन पर और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अपनी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों तक अपनी पहुंच भी बढ़ाई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ममता बनर्जी की टीएमसी ने टीम का कहना है कि वह अपने कैंपेन में अपना बंगाल बनाम बांग्ला पर कब्जा को आधार बना रहे हैं। यूं कहें कि टीएमसी अपने डिजिटल कैंपेन में बांग्ला अस्मिता को उभार देती दिख रही है। टीएमसी मैसेज दे रही है कि अगर बीजेपी सत्ता में आ गई तो बांग्ला विरोधी एजेंडा चलाएंगे। इस अभियान को अंजाम तक पहुंचाने के लिए टीएमसी वाट्सऐप ग्रुप का सहारा ले रही है। इस नेटवर्क में पूरे पश्चिम बंगाल में 1.5 लाख से ज़्यादा ग्रुप और एक करोड़ से ज़्यादा लोग जोड़े गए हैं। इन ग्रुप्स में चुनावी सामग्री को तेजी से और बेहद व्यवस्थित तरीके से फैलाया जा रहा है।

पार्टी का दावा है कि अक्टूबर 2020 में लॉन्च किए गए 'दीदिर दूत यानी दीदी के दूत' मोबाइल ऐप के जरिए वह अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ लगातार सीधे तौर पर जुड़ी हुई हैं। इस ऐप को 18 लाख से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। बताया जाता है कि इसके करीब 1.3 लाख रोजाना एक्टिव यूजर्स और करीब 7.3 लाख हर महीने एक्टिव यूजर्स हैं। यह ऐप लोगों को जोड़ने और उन्हें सक्रिय करने, दोनों तरह के काम करता है। इसमें यूजर्स को काम सौंपे जाते हैं, उन्हें पल-पल की जानकारी मिलती है, वे इंटरैक्टिव क्विज में भाग ले सकते हैं और इसमें ऐसे गेम जैसे फीचर्स भी हैं, जिनका मकसद यूजर्स को चुनाव प्रचार से जुड़ी गतिविधियों में लगातार जोड़े रखना है।

टीएमसी की आईटी सेल के प्रमुख देबांशु भट्टाचार्य ने कहा कि हमारी रणनीति सीधी-सादी है। हम सच बोल रहे हैं, जबकि बीजेपी झूठ फैला रही है। हमारी पार्टी के कार्यकर्ता जमीन पर भी और इंटरनेट पर भी, हर जगह सक्रिय हैं। सड़कों से लेकर इंटरनेट तक।' उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल को निशाना बनाने वाले बीजेपी के डिजिटल अभियानों का एक बड़ा हिस्सा ऐसे लोगों की तरफ से चलाया जाता है जो राज्य के बाहर रहते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संगठनात्मक स्तर से परे, टीमएसी के अंदरूनी सूत्रों ने इस अभियान के भावनात्मक पहलू पर भी जोर दिया। उन्होंने उन बातों की ओर इशारा किया, जिन्हें बीजेपी की ओर से बंगाल को नकारात्मक रोशनी में दिखाने की बार-बार की जाने वाली कोशिशें बताते हैं, जिसमें राजनीतिक भाषणों में 'घुसपैठिया' जैसे शब्दों का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि टीएमसी, गरिमा, पहचान और बंगाली अस्मिता से जुड़े सवालों को सामने लाकर इसका जवाब देना चाहती है और इस चुनाव को सिर्फ राजनीतिक सत्ता के लिए एक मुकाबले से कहीं ज़्यादा के तौर पर पेश कर रही है। भट्टाचार्य ने कहा कि यह प्यार और जीतने की चाहत के बीच का फर्क है। उन्होंने तर्क दिया कि वोटर इस बात में फर्क कर सकते हैं कि वे किसे बंगाल से असली प्यार है और किसे सिर्फ चुनावी प्यार। जनता को समझाना है कि बीजेपी अहंकार से भरी कोशिश कर रही है।

भट्टाचार्य ने कहा कि जब वे बंगाल में हमारी योजनाओं की आलोचना करते हैं, लेकिन दूसरी जगहों पर वैसी ही योजनाएं लाने का वादा करते हैं, तो हम उनके इस विरोधाभास को सबके सामने लाते हैं। उन्होंने यह तर्क भी दिया कि इस तरह की तुलना करके पार्टी अपने इस दावे को और मजबूत करती है कि उसकी नीतियों की नकल

उसके राजनीतिक विरोधी कर रहे हैं। कुल मिलाकर टीएमसी की चुनावी रणनीति में बड़े पैमाने पर काम करने, तेजी से आगे बढ़ने और लोगों की भावनाओं से जुड़ने का मेल दिखाई देता है। इसके साथ ही पारंपरिक जमीनी स्तर पर लोगों को जोड़ने के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों से जुड़ने पर भी खास जोर दिया जा रहा है। जहां एक तरफ पार्टी अपने शासन के रिकॉर्ड और कल्याणकारी पहलों को लगातार सबसे आगे रख रही है। वहीं दूसरी तरफ वह इस चुनावी मुकाबले को और भी व्यापक सांस्कृतिक और पहचान से जुड़े मुद्दों के नजरिए से पेश करने की कोशिश भी कर रही है। वह खुद को 'असली' के तौर पर पेश कर रही है, जबकि बीजेपी के मॉडल को वह अपनी नीतियों की 'नकल' करने की कोशिश बता रही है।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में देर रात हुआ तेज धमाका, कई घरों के शीशे टूटे, कोई हताहत नहीं

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के घगवाल इलाके में रविवार देर रात तेज धमाके से हड़कंप मच गया। लोअर हरसाथ गांव में हुए इस धमाके से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के कई घरों के शीशे टूट गए। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 10 किलोमीटर दूर घगवाल सेक्टर में स्थित गावाला तालाब में पूर्व सरपंच जयराम शर्मा के घर के मेनगेट के पास रात करीब दो बजे हुआ। उन्होंने बताया कि विस्फोट से मुख्य द्वार और चारदीवारी का एक हिस्सा ढह गया। इस धमाके में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और घटनास्थल से नमूने लिए। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस तरह कश्मीर घाटी में पहले टारगेट किलिंग की घटनाएं सामने आती रही हैं, उसी तरह की गतिविधियों की आशंका अब जम्मू क्षेत्र में भी जताई जा रही है। इस घटना को कई लोग साजिश बता रहे हैं। वहीं पूर्व सरपंच जयराम शर्मा ने कहा कि उनके घर को निशाना बनाकर हमला किया गया है। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों से मामले की गंभीरता से जांच करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां सबूत जुटा रही हैं और विस्फोट के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

कांग्रेस ने ब्रिक्स समिट को लेकर पीएम मोदी से किए सवाल, वेस्ट एशिया संकट पर पहल करने की मांग

-जयराम बोले- 'विश्वगुरु' का दावा करने वाली सरकार कूटनीतिक नेतृत्व क्यों नहीं दिखा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने वेस्ट एशिया में जारी तनाव के बीच ब्रिक्स समिट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। पार्टी ने सवाल करते हुए कहा है, कि भारत इस महत्वपूर्ण वैश्विक मंच का उपयोग क्षेत्रीय संकट के समाधान के लिए क्यों नहीं कर रहा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत इस वर्ष नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में सरकार को वेस्ट एशिया संकट पर ठोस कूटनीतिक पहल करनी चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि खुद को 'विश्वगुरु' बताने वाले प्रधानमंत्री इस दिशा में सक्रियता क्यों नहीं दिखा रहे।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी, डोनाल्ड ट्रम्प और बेंजामिन नेतन्याहू को नाराज नहीं करना चाहते। उनका कहना है कि केवल फोन पर बातचीत से सीमित परिणाम मिलते हैं, जबकि शिखर सम्मेलन के जरिए आमने-सामने चर्चा अधिक प्रभावी हो सकती है। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास होने के बावजूद वेस्ट एशिया संघर्ष पर कोई सामूहिक बयान जारी नहीं किया गया। इससे पहले भी पार्टी ने अमेरिका-इजराइल की कार्रवाई पर सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए थे।

गौरतलब है कि ब्रिक्स समिट 2026 की अध्यक्षता इस समय भारत के पास है। यह जिम्मेदारी 1 जनवरी को ब्राजील से भारत को मिली थी। इससे पहले 2025 में रियो डी जनेरियो में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की प्राथमिकताओं को सामने रखा था। भारत ने ब्रिक्स मंच के लिए ह्यूमैनिटी फर्स्ट, रेजिलेंस एंड इनोवेशन, सस्टेनेबलिटी और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने जैसे प्रमुख एजेंडे तय किए हैं। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ और विश्व बैंक जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधार की मांग भी प्राथमिकताओं में शामिल है।

ओवैसी ने खुद को बीजेपी की 'बी-टीम' ही नहीं 'सच्चा साथी' भी साबित कर दिया

बंगाल चुनाव में हुमायूं की पार्टी से गठबंधन को लेकर कांग्रेस समेत कई दलों ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के घोषणा करने के बाद कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी नेता हुमायूं कबीर की नवगठित आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ेगी। इसको लेकर सोमवार को कांग्रेस ने कहा कि धन्यवाद ओवैसी। आपने अपना धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा हटा दिया है और दुनिया को अपना असली सांप्रदायिक चेहरा दिखा दिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ओवैसी ने खुद को बीजेपी की ÷बी-टीम÷ ही नहीं बल्कि उसका ÷सच्चा साथी÷ भी साबित कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने एआईएमआईएम-एजेयूपी गठबंधन की आलोचना करते हुए कहा कि धन्यवाद, असदुद्दीन ओवैसी। आपने अपना धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा हटा दिया है और दुनिया को अपना असली सांप्रदायिक चेहरा दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि आपने यह भी दिखा दिया कि आप न सिर्फ बीजेपी की बी-टीम हैं, बल्कि उसके सच्चे साथी भी हैं। लोग हुमायूं कबीर पर आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने

पार्टी बनाने के लिए पैसा लिया है। तो क्या आपको दिल्ली से फंड मिल रहा है? जनता सब समझती है और वह आपको पश्चिम बंगाल के साथ-साथ हैदराबाद के चुनावों में भी आपकी स्थिति दिखा देगी।

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने भी इस मुद्दे पर कहा कि जहां भी धर्मनिरपेक्ष वोटों का बंटवारा होता है, उसका फायदा बीजेपी को ही मिलता है। ओवैसी इसके लिए जाने जाते हैं और उन पर अक्सर ऐसे आरोप लगते हैं। वह निश्चित रूप से ऐसी रणनीति अपनाते हैं ताकि वोटों का विभाजन हो सके। इसलिए हम कहते हैं कि वह बीजेपी की बी-टीम के रूप में काम करते हैं।

वहीं झामुमो के प्रवक्ता मनोज पांडे ने कहा कि मुझे लगता है कि अब ओवैसी को एक-दो राज्यों में कुछ सफलता मिली है। उन्होंने बीजेपी को मजबूत किया है और धर्मनिरपेक्ष दलों व ताकतों को कमजोर किया है, जिससे उनका मनोबल बढ़ा है। मुझे लगता है कि बंगाल की राजनीति के संदर्भ में वह कहीं फिट नहीं बैठेंगे। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने तंज कसते हुए कहा कि चाहे वह हुमायूं कबीर हों या ओवैसी, सच्चाई यह है कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में जो जहर बोया है, उसने ऐसे कई किरदार पैदा किए हैं जो उसी जहर को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जब एक स्वाभाविक विकल्प मौजूद है, तो ऐसे तत्वों का कोई महत्व नहीं रहेगा और इन चुनावों में उनका अस्तित्व मायने नहीं रखेगा।

इस बीच बिहार के मंत्री रामकृपाल यादव ने अपेक्षाकृत संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह ओवैसी की पार्टी है और अगर वह चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, तो यह उनका स्वतंत्र निर्णय है। पार्टी अपने संगठन का विस्तार करना चाहती है और कई जगहों पर उसकी मौजूदगी है। ओवैसी ने चुनाव लड़ने का फैसला किया है और एक लोकतांत्रिक पार्टी होने के नाते उसके नेता उसी अनुसार काम करते हैं। बता दें 294 सदस्यीय बंगाल विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और दूसरा 29 अप्रैल को होगा और मतगणना 4 मई को होगी।

मौत पर बहस: 29 साल की हट्टी-कट्टी महिला को दी इच्छामृत्यु, हरीश से बिल्कुल उलट है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते 13 साल से कोमा की स्थिति से जूझ रहे गाजियाबाद के हरीश राणा के पिता को बेटे की इच्छामृत्यू के लिए करीब दो साल तक अदालत के चक्कर लगाना पड़े। पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की फिर सुप्रीम कोर्ट ने अनुमति दी। ठीक इसके उलट नीदरलैंड की हट्टी-कट्टी 29 साल की महिला को इच्छामृत्यू आसानी से दी गई। जबकि न तो इनकी सेहत खराब थी और न ही ऐसी कोई खास परिस्थिति थी जिसकी वजह से उन्हे इच्छामृत्यू की अनुमति लेना पड़ी। केवल वे मानसिक तनाव, एंग्जायटी और ट्रॉमा से जूझ रहीं थी। इन दोनों मामले को देखते हुए एक बार फिर इच्छामृत्यू को लेकर भारत में बहस छिड़ गई है।

यूरोपीय देश नीदरलैंड्स की 29 वर्षीय जोराया टेर बीक की इच्छामृत्यु को भी चर्चा में ला दिया है। हालांकि, जोराया और हरीश के मामलों में जमीन-आसमान का अंतर है। जहां हरीश शारीरिक रूप से मृतप्राय थे, वहीं जोराया शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ थीं। उन्होंने वर्ष 2024 में असहनीय मानसिक पीड़ा के आधार पर अपनी जीवनलीला समाप्त करने की अनुमति मांगी थी।

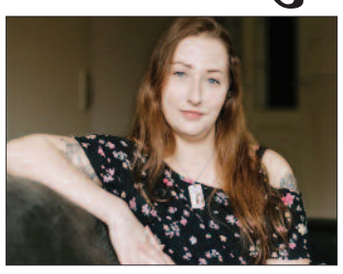

वर्षों तक डिप्रेशन, एंग्जायटी और ट्रॉमा से जूझने के बाद उन्होंने तर्क दिया कि उनकी मानसिक स्थिति ने जीवन को जीने लायक नहीं छोड़ा है। साढ़े तीन साल की कानूनी प्रक्रिया के बाद उन्हें अनुमति मिल गई। नीदरलैंड्स और स्विट्जरलैंड जैसे देशों में जीवन की गुणवत्ता को सर्वोपरि माना जाता है, जहां मानसिक कष्ट को भी इच्छामृत्यु का वैध आधार माना गया है। इसके विपरीत, भारत में कानून अत्यंत सख्त हैं। यहाँ केवल पैसिव यूथिनेशिया की अनुमति है, वह भी तब जब मरीज के ठीक होने की कोई गुंजाइश न बची हो।आलोचकों का तर्क है कि मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्ति हमेशा स्वतंत्र निर्णय लेने की स्थिति में नहीं होता, जबकि समर्थकों का कहना है कि व्यक्ति को अपनी पीड़ा के स्वरूप के आधार पर निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए। हरीश और जोराया की ये दो कहानियां दो अलग दुनियाओं की तस्वीर पेश करती हैं–एक जहां जीवन को हर हाल में बचाने का संघर्ष है, और दूसरी जहां असहनीय पीड़ा से मुक्ति को भी एक मौलिक अधिकार माना गया है।

क्या किसी व्यक्ति की पीड़ा इतनी असहनीय हो सकती है कि उसे अपना जीवन समाप्त करने की कानूनी अनुमति दे दी जाए? क्या जीने का अधिकार अनिवार्य रूप से मरने के अधिकार को भी समाहित करता है? ये सवाल एक बार फिर वैश्विक विमर्श के केंद्र में हैं। भारत में गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पैसिव यूथिनेशिया (निष्क्रिय इच्छामृत्यु) की अनुमति मिलने के बाद इस संवेदनशील मुद्दे पर नई बहस छिड़ गई है। हरीश ने पिछले 13 साल कोमा में, जिंदगी और मौत के बीच एक खामोश जंग लड़ते हुए बिताए। लंबी कानूनी प्रक्रिया और मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों के बाद, अंततः उन्हें मशीनी जीवन से मुक्ति की इजाजत मिली।

रोचक मुकाबला: असम में भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए दिग्गज नेता नंदिता गरलोसा

गुवाहाटी (एजेंसी)। चुनाव से पहले नेताओं का आवागमन मुकाबले को कड़ा और रोचक बना देता है। असम में भी कुछ इसी तरह की तस्वीर दिखाई देने लगी है। यहां सत्ताधारी दल भाजपा को उस समय तगड़ा झटका लगा, जब हिमंत बिस्वा सरमा सरकार में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रहीं नंदिता गरलोसा ने रविवार को औपचारिक रूप से कांग्रेस का दामन थाम लिया। भाजपा द्वारा इस बार उनका टिकट काटे जाने से वे काफी समय से नाराज चल रही थीं।

नंदिता गरलोसा का पार्टी छोड़ना भाजपा के लिए इसलिए भी बड़ी हार माना जा रहा है क्योंकि उन्हें मनाने की कोशिशें खुद मुख्यमंत्री स्तर पर की गई थीं। रविवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा खुद हाफलोंग पहुंचे और गरलोसा के आवास पर जाकर उनसे लंबी चर्चा की। हालांकि, मुख्यमंत्री की यह मान-मनौव्वल नाकाम रही। जैसे ही मुख्यमंत्री उनके घर से निकले, उसके कुछ ही घंटों बाद गरलोसा ने कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर पार्टी की सदस्यता ले ली। इस बगावत की मुख्य वजह भाजपा द्वारा हाफलोंग सीट से उम्मीदवार का बदलना है। पार्टी ने मौजूदा विधायक और मंत्री नंदिता गरलोसा का टिकट काटकर इस बार रुपाली लांगथासा को अपना नया चेहरा बनाया है। इसी फैसले से आहत होकर गरलोसा ने कमल का साथ छोड़ दिया और अब वे अपनी पुरानी सीट हाफलोंग से ही कांग्रेस के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरेंगी। गरलोसा का स्वागत करते हुए असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव निर्मल लंगथासा ने मुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में सच बोलने की सजा दी जाती है। लंगथासा ने कहा कि मुख्यमंत्री को आदिवासियों की जमीनें बड़ी कंपनियों को बेचने में दिलचस्पी है, जबकि गरलोसा जनता के हितों के लिए लड़ती रहीं। कांग्रेस सोमवार को आधिकारिक रूप से उनकी उम्मीदवारी की घोषणा करेगी, जिससे अब हाफलोंग सीट पर रुपाली लांगथासा और नंदिता गरलोसा के बीच सीधा और रोचक मुकाबला तय माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक उपलब्धि पर देशभर से बधाइयाँ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वतंत्र भारत के इतिहास में सरकार के प्रमुख के रूप में सबसे लंबे समय तक सेवा करने का नया कीर्तिमान स्थापित करने पर देशभर से बधाइयाँ मिल रही हैं। इस उपलब्धि के बाद विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और भाजपा नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व की सराहना की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 8931 दिनों का सार्वजनिक जीवन केवल एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि निरंतर तप, त्याग और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में देश विकसित भारत के संकल्प की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है। रेखा गुप्ता ने यह भी लिखा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में विकास की नई दिशा देने से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने तक उनकी यात्रा राष्ट्र प्रथम और अंत्योदय के सिद्धांतों को साकार करती है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए उन्हें विश्व के सबसे लोकप्रिय जननेताओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि मोदी का नेतृत्व देश को 'अंत्योदय से सर्वोदय' की दिशा में आगे बढ़ा रहा है और उनके मार्गदर्शन में भारत विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री का नेतृत्व देश के लिए प्रेरणादायक है और उनकी सेवा भावना राष्ट्र के लिए एक मिसाल है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनका दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में उत्तराखंड भी योगदान दे रहा है।

भाजपा नेताओं ने अपने बयानों में प्रधानमंत्री के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार तीन लोकसभा चुनावों में मिली जीत देशवासियों के भरोसे का प्रमाण है। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र के साथ देश निरंतर प्रगति कर रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)